हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11 खेल

कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट छह घंटे बंद रहा, सर्च करने पर लिखा आ रहा था-प्रोफाइल...

Page 10 देश

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार से पूछा, सात हजार महिलाओं को क्यों बंद की गई सहायता...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • शनिवार • 31 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 346 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

अजीत की मौत के बाद एनसीपी के भविष्य पर सावलिया निशान

सबसे बड़ा सवाल यह है कि नया उपमुख्यमंत्री कौन बनेगा?

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षितिज पर अजीत दादा एक इसतरह के ध्रुव थे, जिनके इर्द-गिर्द सत्ता के समीकरण घूमता रहता था। बारामती में हुए विमान हादसे ने न केवल एक प्रभावशाली जीवन का अंत किया, बल्कि राज्य की राजनीति को एक संशय वाले मोड पर ला दिया है जहाँ से भविष्य की राह धुंधली दिखाती है। अजीत पवार के पास वर्तमान में उपमुख्यमंत्री का पद था और उनकी पार्टी (एनसीपी) महायुति सरकार की एक प्रमुख सहयोगी है। 41 विधायकों और आधिकारिक चुनाव चिन्ह घड़ी के साथ, उनकी पार्टी सत्ता में एक मजबूत स्थिति में है। उनकी मृत्यु के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि नया उपमुख्यमंत्री कौन बनेगा? क्या पार्टी के भीतर से प्रफुल्ल पटेल या सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता यह जिम्मेदारी संभालने वाले हैं, या कोई नया चेहरा सामने आएगा? क्या अजीत दादा के बिना यह 41 विधायक एक साथ बने रहने वाले हैं, या फिर सत्ता के

बारामती में उनकी विरासत कौन संभालेगा?

नए केंद्रों की तलाश में पार्टी में फिर से बिखराव होगा?

अजित की राजनैतिक खासियत इस बात में दिखती है कि उन्होंने खुद को कितने अलग-अलग समीकरणों में फिट किया। उन्होंने पृथ्वीराज चव्हाण, उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट में छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में काम किया। एनसीपी का उनका गुट, जिसके पास आधिकारिक पार्टी का टैग और प्रतीक है, महाराष्ट्र में मौजूदा फडणवीस सरकार का हिस्सा है। अजित पवार की मौत उस समय हुई जब वह उपमुख्यमंत्री के पद पर थे। उनकी मौत का असर महायुति सरकार पर पड़ेगा, जो बीजेपी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उनकी एनसीपी का गठबंधन है। मौजूदा सरकार में एनसीपी के 41 विधायक हैं, जो एक मजबूत स्थिति में है।

हालांकि, उनकी मौत का सबसे बड़ा असर एनसीपी पर पड़ेगा, उनकी अपनी पार्टी और एनसीपी (एसपी) दोनों पर, जो उनके चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट है। अब अजित पवार के गुट के पास ज़्यादा राजनीतिक ताकत है, जिसमें 41 विधायक और एक लोकसभा सांसद हैं। अजित ने 2023 में अपने चाचा और पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी एनसीपी को तोड़कर बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन में शामिल हो गए थे। इससे पहले 2019 में, अजित पवार बीजेपी में शामिल हो गए थे, और सुबह-सुबह उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि, शरद पवार के बुलाने पर वह एनसीपी में वापस आ गए थे, लेकिन चार साल बाद उन्होंने फिर से पार्टी को तोड़ दिया।

अजित की मौत तब हुई है, जब संकेत मिल रहे थे कि वह अपने चाचा के साथ सुलह कर रहे थे, और एनसीपी के पहले परिवार को एकजुट कर रहे थे। यह संकेत हाल ही में महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में दिखा, जहां एनसीपी ने पिंपरी-चिंचवड़ में एक साथ चुनाव लड़ा था।

तीसरी बार भाजपा सरकार बनी तो असम से एक-एक घुसपैठिया बाहर जाएगा : अमित शाह

एजेंसी, डिब्रूगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार असम में सत्ता में आती है, तो राज्य से एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने केवल अपने वोट बैंक की राजनीति के लिए असम को बांग्लादेशी घुसपैठियों की चरागाह बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान काजीरंगा जैसे संरक्षित क्षेत्रों और गुरुजन की पवित्र भूमि तक पर अवैध कब्जेदारों को बसने का साहस मिला।

गृह मंत्री ने कहा कि असम की जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव को रोकने के लिए भाजपा को दोबारा सत्ता में लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में दूसरी राजधानी के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना की और असम की जनता की ओर से मुख्यमंत्री

को धन्यवाद भी दिया। असम की चाय को लेकर अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम की चाय को पेरिस से लेकर बर्लिन तक वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के बाद असम की चाय को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई ऊंचाइयां मिलेंगी और यूरोप में बिना किसी शुल्क के असम की चाय पहुंचेगी। इससे चाय उद्योग और चाय बागान श्रमिकों को बड़ा लाभ होगा। कांग्रेस शासन पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि उनके लंबे शासनकाल में असम को केवल गोली, बम और युवाओं की मौत मिली। इसके विपरीत भाजपा के शासन में राज्य में शांति स्थापित हुई है।

बाबा ग्रुप पर आयकर विभाग की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी

एजेंसी, रांची । आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) द्वारा बाबा ग्रुप से जुड़े व्यापारियों के ठिकानों पर की जा रही छापेमारी शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान विभाग की टीम को नकदी, कच्चे व्यापार से जुड़े अहम दस्तावेजों के साथ-साथ शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। आयकर विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बिहार के गयाजी स्थित एक चावल आढ़तिया (कमीशन एजेंट) के ठिकानों से कीमती शराब की बोतलें जब्त की गई हैं। बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है, इसके बावजूद व्यापारियों के परिसरों से शराब की बरामदगी ने आयकर अधिकारियों को भी हैरानी में डाल दिया है। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने 29 जनवरी को बाबा एग्रो, बाबा फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड और चावल के आढ़तियों से जुड़े कुल 45 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की थी, जो शुक्रवार को भी जारी रही। दूसरे दिन की कार्रवाई में चावल व्यापारियों के कई ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी और कच्चे व्यापार से संबंधित लेन-देन के दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राहुल गांधी ने किया नमन

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें सदर नमन किया। उन्होंने कहा कि बापू एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सोच हैं जो कभी मिट नहीं सकती क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इस सोच को कभी अंग्रेजी साम्राज्य ने, कभी नफरत की विचारधारा और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पोस्ट किया, गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं, वह सोच जो कि कभी एक साम्राज्य ने, कभी नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। उन्होंने बताया कि यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बीच 1948 में हुए पत्राचार का उल्लेख किया। उन्होंने पोस्ट किया, गांधी की हत्या से दो दिन पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक पत्र लिखा था।

मुजफ्फरपुर : वैशाली नहर में गिरी कार, बिजली विभाग के जेई समेत दो की मौत

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। देवरिया थाना क्षेत्र के एकमा चौक स्थित वैशाली नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे कार सवार दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी और शोक का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने एकमा चौक स्थित वैशाली नहर पुल के नीचे पानी में एक कार को डूबा हुआ देखा। कार का केवल ऊपरी हिस्सा ही पानी के ऊपर दिखाई दे रहा था। इस दृश्य को देखकर ग्रामीणों ने तुरंत देवरिया थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही देवरिया थानाध्यक्ष मनोज कुमार साह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय

गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से कार को नहर से बाहर निकाला गया। जब कार का दरवाजा खोला गया तो अंदर दो युवक अचेत अवस्था में पाए गए। पुलिस ने उन्हें तत्काल बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने भूमाफियाओं को दी सख्त चेतावनी, कहा-किसी से डरते नहीं

एजेंसी, पटना

उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि वो किसी से डरते नहीं है। राजस्व विभाग के द्वारा जो भी फैसला लिया जा रहा है वो जनता के हित के लिए लिया जा रहा है। शहादत दिवस पर शुक्रवार को पटना के एनआईटी घाट में आयोजित राजकीय समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री विजय सिन्हा ने कहा राजनीति में वह अटल बिहारी वाजपेयी के उस विचार को मानते हैं कि "जो कफन बांधकर निकलता है, उसे कोई पराजित नहीं कर सकता।" उन्होंने कहा हम कफन

बांधकर चलते हैं, हमें किसी का डर नहीं है। हमने अपना पहला चुनाव ही अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ लड़ा था। उन्होंने कहा कि भूमि से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे अधिकारी हों, बिचौलिये हों या दलाल जो भी गलत काम में शामिल होंगे उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। गरीबों को इंसाफ दिलाना हमारा कर्तव्य है और जो जिम्मेदारी उन्हें मिली है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वास पर खरा उतरना ही उनका लक्ष्य है। जनता के हित में जो सही होगा, उसे कानून और नियम के तहत किया जाएगा और किसी भी दबाव में पीछे नहीं हटेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने दलालों और भूमाफियाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अब होशियार हो जाएं, जो लोग बिहार में बदलाव चाहते हैं, गरीबों के आंसू पोंछना चाहते हैं और महिलाओं व बच्चों के दर्द को समझते हैं, वे भूमि सुधार और जनसंवाद जैसे कदमों का विरोध नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बिना अनुमति सरकारी कार्य में हस्तक्षेप कर सीओ के पक्ष में बोलने आए थे, जिन्हें चेतावनी दी गई है।

माघ मेला छोड़कर गए शंकराचार्य से माफी मांगेगा प्रयागराज प्रशासन

एजेंसी, वाराणसी । शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से प्रयागराज प्रशासन माफी मांगने को तैयार है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी ने बताया किया योगी सरकार ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य अचानक माघ मेला छोड़कर वाराणसी चले जाएंगे, प्रयागराज के अफसरों को यह उम्मीद नहीं थी। वे सोच रहे थे माघ पूर्णिमा एक फरवरी के स्नान के बाद शंकराचार्य जाएंगे तब तक उनको मना लेंगे। 28 जनवरी को शंकराचार्य के वाराणसी आने के बाद लखनऊ के दो बड़े अधिकारियों ने सरस्वती से संपर्क किया और पूर्णिमा पर माघ मेले में स-सम्मान स्नान कराने की बात कही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा के खिलाफ घोषित की नेशनल इमरजेंसी

एजेंसी, वाशिंगटन

वेनेजुएला के निकोलस मादुरो शासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक और दक्षिण अमेरिकी देश क्यूबा पर शिकंजा कस दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा के खिलाफ नेशनल इमरजेंसी (राष्ट्रीय आपातकाल) घोषित करते हुए एक नए एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए हैं। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए एक गंभीर और असामान्य खतरा बताया गया है। इस नए कार्यकारी आदेश का सबसे शक्तिशाली हथियार टैरिफ यानी आयात शुल्क को बनाया

गया है। आदेश के तहत, अमेरिका अब उन सभी देशों पर भारी अतिरिक्त टैरिफ लगा सकता है जो क्यूबा को तेल या ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि यह नियम उन देशों पर भी लागू होगा जो किसी तीसरे देश के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से क्यूबा को ईंधन भेज रहे हैं। अमेरिकी वाणिज्य और वित्त मंत्रालय को यह विशेष अधिकार दिया गया है कि वे ऐसे देशों की पहचान कर उनके उत्पादों पर दंडात्मक आयात शुल्क लागू करें। अमेरिकी प्रशासन की यह कार्रवाई वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद आई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं इस बात की पुष्टि की है कि वेनेजुएला में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अब क्यूबा को वहां से मिलने वाली तेल और आर्थिक सहायता पूरी तरह बंद हो गई है। व्हाइट हाउस की एक फैक्ट शीट में स्पष्ट किया गया कि ट्रंप प्रशासन पहले भी ईरान के परमाणु ढांचे पर हमले और मादुरो को सत्ता से हटाने जैसे कड़े कदम उठा चुका है, और क्यूबा पर यह कार्रवाई इसी कड़ी का हिस्सा है।

राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने किया बापू को नमन, राजघाट पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को देश ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर बापू को नमन किया। दोनों ने समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और कुछ समय मौन रखकर राष्ट्रपिता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। राजघाट पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों और आदर्शों को स्मरण किया। राजघाट परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और 'रघुपति राघव राजा राम' की धुन के बीच वातावरण गांधीमय हो गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बापू के योगदान को याद करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने न केवल भारत को आजादी की राह दिखाई, बल्कि मानवता, शांति और सहअस्तित्व का संदेश भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने कहा, कि गांधीजी का जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। उन्होंने बापू के स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता के विचारों को आज के भारत के लिए प्रासंगिक बताया। महात्मा गांधी को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान के लिए जाना जाता है। सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे आंदोलनों के जरिए उन्होंने देशवासियों को एकजुट कर ब्रिटिश शासन के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया।

सुंदर पिचाई मुफ्त जेईई मेन मॉक टेस्ट फीचर लॉन्च करते समय हुए भावुक

एजेंसी, नई दिल्ली । दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी का बॉस जेईई मेन परीक्षा की तैयारी को लेकर भावुक है। जी हां, हम बात कर रहे हैं आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र रहे सुंदर पिचाई की, जो कि अब गूगल के सीईओ हैं। सुंदर पिचाई ने जेमिनी एआई के लिए मुफ्त जेईई मेन मॉक टेस्ट फीचर लॉन्च करते हुए अपने संघर्ष के दिन याद किए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बाबत एक पोस्ट शेयर कर नए फीचर की जानकारी दी। गूगल जेमिनी की जेईई मेन से जुड़ी पहल केवल नया फीचर नहीं, बल्कि उन लाखों मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए उम्मीद है, जो महंगी कोचिंग और टेस्ट सीरीज का खर्च नहीं उठा सकते। जेमिनी पर्सनल ट्यूटर की तरह टेस्ट पेपर देगा और गलतियां सुधारने के लिए एआई-बेस्ड सुझाव भी प्रदान करेगा। इससे साबित होता है कि गूगल एआई अब सिलिकॉन वैली से निकलकर भारत के उन छोटे कमरों तक पहुंचना चाहता है, जहां स्टूडेंट्स रोशनी की एक किरण और थोड़े से गाइडेंस की तलाश में दिन-रात एक कर रहे हैं। आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र सुंदर पिचाई ने जब जेमिनी का नया फीचर लॉन्च किया तो वे काफी भावुक नजर आए। उन्होंने बताया कि कैसे भारत में किसी छात्र के लिए जेईई की तैयारी केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि कठिन तपस्या जैसी होती है।

मैं कांग्रेस में हूं और कहीं नहीं जा रहा हूं, केरल कैंपेन का हिस्सा भी बनूंगा : शशि थरूर

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

पिछले कुछ दिनों से लग रही अटकलों के बीच शशि थरूर ने खुलकर बात की। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात के बाद अब अपना बयान जारी कर साफ कर दिया कि वे कांग्रेस में रहने वाले हैं या फिर किसी और पार्टी का दामन थामने जा रहे हैं। शशि थरूर ने शुक्रवार को कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को सिरे खारिज कर दिया और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद सार्वजनिक रूप से कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी दोहराई।

थरूर ने कहा कि वे कांग्रेस में ही रहेंगे। शशि थरूर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कांग्रेस में हूं और कहीं नहीं जा रहा हूं। मैं केरल कैंपेन का हिस्सा बनूंगा और यूडीएफ की जीत के

लिए काम करूंगा। आने वाले केरल विधानसभा चुनावों में मैं कांग्रेस का नेतृत्व करते हुए सबसे आगे रहूंगा। इस दौरान थरूर ने राहुल गांधी की तारीफ की और कहा कि वे एक ऐसे नेता हैं, जिनका राजनीतिक रुख साफ है। वे एक ऐसे नेता हैं, जो सांप्रदायिकता का विरोध करते हैं। थरूर ने साफ किया कि पार्टी का रुख सबसे ज़रूरी है, लेकिन कभी-कभी वह अपने पर्सनल ओपिनियन भी रखते हैं। उन्होंने कहा कि जिन मामलों पर पार्टी का कोई स्टैंड होता है, उन पर मैं कोई दूसरी राय नहीं देता। कुछ स्थितियों में मैं अपनी पर्सनल राय देता हूं। जब मुझे डेवलपमेंट के मामलों में कुछ अच्छा दिखता है, तो मैं उसे बताता हूं।

मैं देश के लिए बोलता हूं... उन्होंने कहा कि उनका फोकस अंदरूनी सियासत के बजाय राष्ट्रीय मुद्दों पर है। थरूर ने कहा कि वह राजनीति की बात नहीं करना चाहते। वह देश के लिए बोलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह 2009 से यही कह रहे हैं। पार्टी के ऑफिशियल स्टैंड का विरोध करने का अधिकार किसी को नहीं है। थरूर ने कहा कि यह बताने की क्या ज़रूरत है कि मैं कांग्रेस में रहूंगा? ऐसा सवाल सिर्फ मुझसे ही क्यों पूछा जा रहा है? मैं मजबूती से कांग्रेस के साथ रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में मिली अज्ञात महिला की लाश

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के सेक्टर-6 थाना क्षेत्र अंतर्गत बोकारो स्टील सिटी कॉलेज के पास झाड़ियों में एक अधेड़ उम्र की अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी सोमवार सुबह उस समय मिली, जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने झाड़ियों में शव पड़ा देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-6 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में महिला की सिर कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, महिला की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। शव की स्थिति और सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि महिला के पहनावे और रहन-सहन से अनुमान लगाया जा रहा है कि वह किसी ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली हो सकती है। हालांकि, इसकी पुष्टि पहचान होने के बाद ही संभव हो पाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी थाना प्रभारी सुदामा दास और सेक्टर-6 थाना प्रभारी संगीता मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हाल के दिनों में लापता महिलाओं के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया है। टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं, ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

लोहरदगा से गुमला पहुंचा 16 हाथियों का झुंड, पीछे दौड़ रहे ग्रामीण दे रहे हादसे को न्योता

गुमला, एजेंसी। जिले के भरनो प्रखंड अंतर्गत अमलीया छापरटोली गांव के समीप 16 हाथियों का एक बड़ा झुंड के पहुंचने से इलाके में भय और उत्सुकता का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि यह झुंड लोहरदगा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र से होकर गुमला जिले के भरनो प्रखंड अंतर्गत अमलीया जंगल की ओर प्रवेश किया है। हाथियों के जंगल क्षेत्र में पहुंचते ही आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। हाथियों की मौजूदगी की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने के लिए घरों से बाहर निकल आए। कई ग्रामीणों को हाथियों के पीछे-पीछे दौड़ते हुए भी देखा गया, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। ग्रामीणों की यह भीड़ न केवल खुद के लिए बल्कि हाथियों के लिए भी खतरा बन रही है। इधर, हाथियों के प्रवेश की सूचना वन विभाग गुमला और भरनो थाना की पुलिस को दे दी गई है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम अलर्ट मोड में आ गई है और हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वन कर्मियों द्वारा ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे हाथियों के नजदीक न जाएं और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। वन विभाग के अनुसार, जंगली हाथी भोजन और पानी की तलाश में अक्सर एक जिले से दूसरे जिले की ओर विचरण करते हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ग्रामीणों को रात के समय खेतों और जंगल की ओर न जाने, पटाखे या शोरगुल न करने तथा हाथियों को उकसाने से बचने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। यदि हाथियों का झुंड आबादी की ओर बढ़ता है तो आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। फिलहाल अमलीया और आसपास के गांवों में हाथियों की मौजूदगी को लेकर दहशत के साथ-साथ कौतूहल का माहौल बना हुआ है।

सुस्त ठेकेदारों पर सख्ती, गैर-जिम्मेदार एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश

रांची, एजेंसी। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित सिविल निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के सभी जिलों के सहायक अभियंताओं (एई) और कनीय अभियंताओं (जेई) ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए स्वीकृत योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का बारीकी से विश्लेषण करना था। समीक्षा के दौरान शशि रंजन ने उन ठेकेदारों और एजेंसियों के प्रति कड़ा रुख दिखाया, जिन्हें कार्यादेश प्राप्त होने के बावजूद कार्य की गति धीमी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि गैर-जिम्मेदार एजेंसियों को तत्काल ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाए। सरकारी संसाधनों का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निदेशक ने सभी अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे अपने जिलों के ठेकेदारों और एजेंसियों के साथ बैठक कर लंबित कार्यों को पूर्ण कराएं और समय पर उपयोगिता प्रतिवेदन राज्य मुख्यालय को भेजें। उन्होंने सचेत किया कि वित्तीय पारदर्शिता और गुणवत्ता मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यालयों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शशि रंजन ने स्कूल बाउंड्री निर्माण में आ रही स्थानीय बाधाओं पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे स्थानीय स्तर पर समन्वय स्थापित कर विवादों का समाधान करें और निर्माण कार्य अविलंब प्रारंभ करें, ताकि विद्यालय परिसरों की सुरक्षा की जा सके। निदेशक ने सभी अभियंताओं को मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को समय सीमा पर पूरा किया जा सके।

अवैध निर्माणों के प्रति कोई दया नहीं

जमशेदपुर में 9 मार्च तक 24 अवैध बिल्डिंग ध्वस्त करने का आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में जमशेदपुर में अवैध निर्माण मामले कोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल कई याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने सभी की याचिका खारिज करते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि अगर अवैध निर्माण करने वाला कोई भी व्यक्ति कोर्ट में याचिका दाखिल करता है तो उसपर जुर्माना लगाया जाएगा।

अदालत ने कहा कि किसी ने ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है, जिससे यह पता चल सके कि उन्होंने नियमानुसार निर्माण किया है। अवैध निर्माण को बचाने का अधिकार क्यों चाहिए? इनके चलते किसी को पानी और किसी को सूर्य की रोशन नहीं मिली रही है। ईमानदार लोगों का जीवन बर्बाद हो रहा है। कोर्ट इन्हें राहत नहीं दे सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि पूर्व का आदेश हाई कोर्ट की बनाई अधिवक्ताओं की कमेटी, प्रार्थी और प्रतिवादियों का पक्ष सुनने के बाद ही दिया गया है। वकीलों की कमेटी ने कहा है कि शहर में हुए अवैध निर्माण को तोड़ना ही एक मात्र विकल्प है।

कोर्ट ने एक बार फिर कहा कि ऐसा करने के लिए जेएनएसी की भरपूर सांठगांठ रही है। अदालत ने कहा कि नौ मार्च तक जेएनएसी 24 अवैध निर्माण को ध्वस्त कर शपथ पत्र दाखिल करे। अगली सुनवाई नौ मार्च को होगी। आदेश के खिलाफ 10 भवन मालिकों ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

जमशेदपुर में अवैध निर्माण हटाने की मांग को लेकर राकेश कुमार झा की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। उनकी ओर से अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने पक्ष रखा। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के क्षेत्र में किए गए अवैध निर्माण एक माह में ध्वस्त करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जेएनएसी को हर संभव सहयोग प्रदान करे। कोर्ट ने नगर विकास सचिव, जमशेदपुर के उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक को जेएनएसी को सहयोग देने में किसी भी प्रकार की कमी के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया है। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर यह कहा है कि अब अवैध निर्माणों के प्रति किसी भी प्रकार की दया दिखाने का समय नहीं है। इतने बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण संबंधित वैधानिक प्राधिकरणों की मिलीभगत या कम से कम उनकी घोर निष्क्रियता के बिना संभव नहीं हैं। कुछ निर्णयों में यह भी कहा गया है कि ऐसे मामलों में उन नगर निकायों या प्राधिकरणों के विरुद्ध भी आदेश पारित किए जाने चाहिए, जिन्हें इस तरह के अवैध निर्माणों को रोकने का दायित्व सौंपा गया है। इस मामले में हाई कोर्ट ने जांच के लिए तीन अधिवक्ताओं की एक समिति गठित की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि निजी प्रतिवादियों द्वारा किए गए निर्माण कानून के अनुरूप नहीं हैं। समिति ने यह भी पाया कि भवन उपनियमों का पालन नहीं होना और संबंधित अधिकारियों की प्रभावी निगरानी नहीं होना ही इस स्थिति के मुख्य कारण हैं, जिसके चलते ईमानदार और कानून का पालन करने वाले नागरिक पीड़ित हो रहे हैं।

पहाड़ा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड का खुलासा, जमीन विवाद-अवैध कारोबार के कारण हुई थी हत्या

रांची, एजेंसी। झारखंड के खूंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमुवादाग तालाब के पास पहाड़ा राजा सोमा मुंडा की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने अहम सफलता हासिल की है। इस सनसनीखेज कांड में शामिल दो शूटर और साजिशकर्ता समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले इस हत्याकांड में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

बुधवार को खूंटी के एसपी मनीष टोप्पो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए उनके निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तोरपा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। स्ढ्ढञ्ज की त्वरित और सटीक कार्रवाई के कारण पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश संभव हो सका।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हत्याकांड की जड़ में लंबे समय से चला आ रहा जमीन विवाद और अवैध जमीन कारोबार है। मुख्य साजिशकर्ता दानियल संगा का मृतक सोमा मुंडा के साथ करीब 10 से 12 वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सोमा मुंडा सीएनटी और गैर-मजरुआ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री का लगातार विरोध कर रहे थे, जिससे कई जमीन कारोबारी नाराज थे।

दिसंबर 2025 में ग्राम जियारप्पा की 32 एकड़ जमीन पर ग्रामसभा द्वारा कब्जा रोके जाने के बाद विवाद और अधिक गहरा गया। इसके बाद ग्रामसभा द्वारा दोबारा शिलापट्ट लगाने के निर्णय से आक्रोशित जमीन कारोबारियों और आरोपियों ने मिलकर सोमा मुंडा की हत्या की साजिश रची। इसी दौरान क्रिसमस के आसपास दानियल संगा को देशी पिस्टल उपलब्ध कराई गई। पुलिस के अनुसार 7 जनवरी 2026 को सोमा मुंडा की गतिविधियों की रेकी की गई। इसके बाद सुमित दगल सांड और मारकुस संगा ने जमुवादाग तालाब के पास गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान हत्या में प्रयुक्त हथियार, वाहन, मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि इस कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले गिरफ्तार सभी आरोपियों की शहर में परेड कराई गई।

साहिबगंज जिले में बनेंगे 10 सोलर विलेज, पीएम सूर्य घर योजना से मिलेगी मुफ्त बिजली

साहिबगंज, एजेंसी। गांवों को स्वच्छ और ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 10 गांवों का चयन किया है। इन्हें सोलर विलेज बनाया जाएगा। इनके बीच आपस में प्रतियोगिता होगी। विजेता गांव को केंद्र सरकार एक करोड़ रुपया देगी। चयनित गांवों में हाजीपुर, लखी साजनपुर, गंगा प्रसाद पूर्व, जोंका, सरफराजगंज, बेगमगंज, जामनगर, श्रीधर, मिर्जापुर, पलासबोना शामिल है।

गांव के सभी स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन सहित सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है। नोडल एजेंसी जरेडा को छह माह में चयनित गांव में अधिक से अधिक लाभुकों को पीएम सूर्य घर योजना व पीएम कुसुम योजना से आच्छादित कराने का लक्ष्य दिया गया है। दस गांव में अधिकतम सोलर क्षमता स्थापित करने वाले गांव का चयन माडल विलेज के तौर पर किया जाएगा। योजना के मुताबिक वैसे गांव का चयन किया है जिसकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार पांच हजार से अधिक है। योजना का उद्देश्य चयनित गांवों को विकेंद्रित नवीकरणीय ऊर्जा का आदर्श उदाहरण बनाना है। इसके तहत पूरे गांव को सौर ऊर्जा से आच्छादित किया जाएगा, ताकि घरों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, सार्वजनिक भवनों और सामुदायिक ढांचे को 24 गुना सात स्वच्छ और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध करायी जा सके। इसके लिए रूफटाप सोलर सिस्टम, सोलर पंप, सोलर स्ट्रीट लाइट और सामुदायिक सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे।

ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार योजना पर तेजी से काम कर रही है। घर का बिजली बिल, सिचाई के लिए डीजल या बिजली पर निर्भरता को दूर करने प्रयास किया जा रहा है। अब ग्रामीणों को खुद के सोलर युक्त बिजली व पंप सेट से कार्य करने पर जोर दिया जा रहा है।

पीएम कुसुम योजना का आच्छादन जिला कृषि विभाग अंतर्गत आत्मा परियोजना के किया जाता है। किसान को दो, तीन एचपी व पांच एचपी का सोलर पंप सेट दिया जाता है।

बगोदर में युवती की मिली अधजली लाश मृतका की पहचान में जुटी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बको के बंगाली टोला गांव में एक युवती का अधजला शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही बगोदर थाना की पुलिस टीम भारी संख्या में जवानों के साथ मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने गांव के पास एक युवती का अधजला शव देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि शव आंशिक रूप से जला हुआ है। मृतका की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव एक से दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है और युवती की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच आंकी जा रही है।

घटना के बाद एहतियातन घटनास्थल पर आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। पूरे इलाके में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की छेड़छाड़ न हो सके। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस संबंध में बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई थी। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। प्रथम दृष्टया शव लगभग दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस हर पहलु से मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह हत्या का मामला है या किसी अन्य कारण से युवती की मौत हुई है। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है।

रिम्स में मारपीट और हंगामे का आरोप : विरोध में नर्सों ने किया कामकाज का बहिष्कार

रांची, एजेंसी। रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, जिसे झारखंड का एम्स कहा जाता है, एक बार फिर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। अस्पताल में कार्यरत नर्सों ने कामकाज बंद कर दिया है। नर्सों का आरोप है कि ड्यूटी के दौरान मरीज के परिजनों द्वारा उनके साथ मारपीट, गाली-गलौज और हंगामा किया गया, जिसके बाद उन्होंने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया।

नर्सों के अनुसार, मेडिसिन वार्ड में शाम लगभग चार बजे मरीज हसीब अंसारी के अटेंडेंट के साथ विवाद हुआ। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात नर्स अनुपमा कुमारी तिर्की के साथ कथित रूप से मारपीट की गई। नर्स अनुपमा तिर्की का कहना है कि आरोपी अटेंडेंट खुद को कांग्रेस नेता और स्वास्थ्य मंत्री का आदमी बताकर धमकी दे रहा था और उसी ने उनके साथ ज्यादती की।

घटना के बाद जब नर्स अनुपमा तिर्की ने रिम्स प्रबंधन से शिकायत की, तो उनका आरोप है कि प्रबंधन ने कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही डांट दिया। इससे नर्सिंग स्टाफ में रोष और असुरक्षा की भावना और गहरी हो गई। नर्सों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान वे खुद को पूरी तरह असुरक्षित महसूस करती हैं।

घटना से आक्रोशित नर्सों ने रिम्स के ट्रॉमा सेंटर के बाहर आंदोलन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान वे डायरेक्टर और डिप्टी सुपरिटेंडेंट को मौके पर बुलाने और अपनी सुरक्षा की गारंटी देने की मांग करती नजर आईं। नर्सों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगी।

रिम्स के स्टाफ का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं न सिर्फ कर्मचारियों का मनोबल तोड़ती हैं, बल्कि मरीजों की सेवाओं को भी प्रभावित करती हैं। फिलहाल नर्सों का कार्य बहिष्कार जारी है और अस्पताल की व्यवस्था पर इसका असर दिखने लगा है।

पलामू में दामाद ने की ससुर की हत्या:चाकू से किया हमला

पलामू, एजेंसी। पलामू में एक दामाद ने अपने ससुराल वालों पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में ससुर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी की पत्नी और साली गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना गुरुवार रात छतरपुर थाना क्षेत्र के लठैया के गम्हरिया गांव में हुई।

मृतक की पहचान सुनील यादव के रूप में की गई है। आरोपी लवकुश यादव फरार है। वो बाहर से काम कर कल ही जपला रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरा था। यहां से सीधे ससुराल आया और पत्नी को अपने घर ले जाने को लेकर उससे झगड़ने लगा। चाकू से उस पर हमला भी कर दिया।

ससुर सुनील यादव ने दामाद को रोकना चाहा लेकिन आरोपी ने उनके पेट में चाकू मार दिया। बीच बचाव में आई साली पर भी चाकू से हमला किया और मौके से भाग निकला।

हैदरनगर थाना क्षेत्र के सोबा बरेवा निवासी लवकुश यादव की शादी तीन साल पहले गम्हरिया गांव के सुनील यादव की बेटी रीता देवी (23) से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही पति-पत्नी के रिश्ते बिगड़ गए थे। लवकुश दूसरे राज्य में काम करता था, जबकि रीता अपने डेढ़ साल के बच्चे के साथ मायके में रह रही थी।

जानकारी के अनुसार, लवकुश यादव गुरुवार रात अपनी पत्नी को घर ले जाने के लिए ससुराल गम्हरिया गांव आया था। पत्नी रीता देवी ने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर लवकुश ने चाकू से रीता पर हमला कर दिया।

चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर ससुर सुनील यादव बीच-बचाव करने आए, तो लवकुश ने उन्हें भी चाकू मार दिया। इसी दौरान साली कविता कुमारी भी मौके पर पहुंची और पिता व बहन को बचाने की कोशिश की, जिस पर लवकुश ने उसे भी चाकू से घायल कर दिया।

इधर, सूचना मिलने पर पुलिस रात में ही घटनास्थल पर पहुंच गई। चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल ससुर सुनील यादव की मौके पर ही मौत हो गई थी। घायल रीता देवी और कविता कुमारी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सदर अस्पताल की दीवार से पार्किंग बंद, गुस्साए वकीलों का पेन डाउन; धनबाद कोर्ट दूसरे दिन भी ठप

धनबाद, एजेंसी। बार एसोसिएशन और पंचकर्म भवन के बीच रातों-रात स्वास्थ्य विभाग द्वारा पक्की दीवार खड़ी किए जाने तथा वाहन पार्किंग की व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक रवैये से क्षुब्ध धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने पेन डाउन कर दिया।

विधि लिपिक एवं टाइपिस्ट एसोसिएशन ने भी गुरुवार को समस्त न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों से खुद को अलग रखा। वकीलों की हड़ताल के कारण पूरे दिन कोर्ट में किसी भी मामले की सुनवाई नहीं हो सकी और न ही कोई आदेश पारित किया गया। दूसरे दिन शुक्रवार को भी आंदोलन जारी है। अधिवक्ताओं की जिद है कि दीवार टूटने से पेन डाउन हटाएंगे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी और महासचिव जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ता बार एसोसिएशन के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठ गए। पेन डाउन के चलते दर्जनों मामलों में गवाहों की गवाही नहीं हो सकी, किसी भी जमानत अर्जी पर सुनवाई नहीं हुई। नोटरी पब्लिक से जुड़े सभी कार्य भी पूरी तरह ठप रहे। शुक्रवार को भी दोपहर तक काम शुरू नहीं हो सका है।

अधिवक्ताओं के आंदोलन को देखते हुए दोपहर में धनबाद एसडीओ, डीएसपी सीसीआर और मजिस्ट्रेट आर.एन. ठाकुर धरनास्थल पर पहुंचे। एसडीओ ने बताया कि वे उपायुक्त के आदेश पर अधिवक्ताओं से बातचीत के लिए आए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शुक्रवार की सुबह दीवार हटाकर वहां गेट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही उपायुक्त के लौटने के बाद अधिवक्ताओं की पार्किंग समस्या का भी जल्द समाधान किया जाएगा।

प्रशासन के आश्वासन के बाद अध्यक्ष और महासचिव ने घोषणा की कि यदि शुक्रवार सुबह गेट लगाने का कार्य शुरू हो जाता है, तो अधिवक्ता हड़ताल वापस ले लेंगे और न्यायिक कार्यों पर लौट आएंगे।

अधिवक्ताओं ने यह भी भरोसा दिलाया कि कंट्रोल रूम जाने वाली सड़क पर किसी प्रकार का जाम नहीं होने दिया जाएगा। बार पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि कोई भी अधिवक्ता एसोसिएशन के निर्णय के खिलाफ जाकर कार्य करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार सुबह से ही अधिवक्ता प्रशासन के विरोध में बार के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठे रहे और नारेबाजी करते रहे।

धरनास्थल पर पूर्व अध्यक्ष एवं सरकारी अधिवक्ता अमरेंद्र सहाय भी पहुंचे और प्रशासनिक रवैये को अधिवक्ता विरोधी बताया। अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर में प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वरिष्ठ अधिवक्ता समर श्रीवास्तव, देवी नारायण सिन्हा, शाहनवाज अब्दुल मलिक, दीपक रुइया आदि ने कहा, वकीलों की परेशानी पर प्रशासन को तुरंत ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष और महासचिव ने बताया कि बुधवार को आयोजित जनरल बॉडी मीटिंग में अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्यों से अलग रहने और प्रशासन के खिलाफ आंदोलन का निर्णय लिया था। इसके बाद अधिवक्ता सिविल कोर्ट से रणधीर वर्मा चौक तक नारेबाजी करते हुए मार्च भी कर चुके हैं। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

प्रदेश में 3-4 फरवरी को बारिश की संभावना, कई जिलों में हल्की बारिश के आसार

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। गरम कपड़ों से दूरी बना रहे लोगों को जल्द ही अच्छी-खासी ठंड महसूस हो सकती है। मौसम विभाग ने तीन और चार फरवरी को कई जिलों में हल्के दर्जे की बारिश की संभावना जताई है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज होगी और लोगों को ठंड महसूस होगी। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। इसके बाद तीन दिनों इसमें (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी जा सकती है।

बीते कुछ दिनों से तापमान में वृद्धि के बाद लोगों को गर्मी महसूस हो रही है। पिछले 24 घंटे में झारखंड के 10 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। गर्मी की वजह से लोग बिना गरम कपड़ों के ही घरों से बाहर निकलने लगे हैं। लेकिन ठंड एक बार फिर अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकती है।

राजमहल: उत्तर वाहिनी गंगा तट पर आदिवासी महाकुंभ की भव्य तैयारी, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने संभाली कमान

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। नगर पंचायत क्षेत्र के ऐतिहासिक उत्तर वाहिनी गंगा तट पर आयोजित होने वाले आगामी 'आदिवासी महाकुंभ' को लेकर प्रशासनिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। इस भव्य और सांस्कृतिक समागम को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने आयोजन स्थल का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंगा तट और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की उपलब्धता, मोबाइल शौचालय, पर्याप्त विद्युत आपूर्ति, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा मानकों की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के उपरांत कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को कड़े दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आयोजन में आने वाले आदिवासी समाज के लोगों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि "श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा नगर पंचायत प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।" उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा से पूर्व पूरा करने का निर्देश दिया ताकि अंतिम समय में कोई अव्यवस्था न हो। महाकुंभ की व्यापकता को देखते हुए स्वच्छता कर्मियों, जलापूर्ति दल,

विद्युत विभाग और यातायात प्रबंधन शाखा को अलर्ट मोड पर रखा गया है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी तंत्र और वैकल्पिक संसाधनों की भी पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। दानिश हुसैन ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर वाहिनी तट पर होने वाला यह महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और सामाजिक अटूट एकता का जीवंत प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखना प्रशासन का उत्तरदायित्व है। प्रशासन की इस सक्रियता और मुस्तैदी को देखकर स्थानीय नागरिकों और आयोजन समिति में संतोष का भाव है। क्षेत्रवासियों ने कार्यपालक पदाधिकारी की तत्परता की सराहना करते हुए विश्वास जताया है कि इस बार का आदिवासी महाकुंभ अभूतपूर्व और सफल होगा।

साहेबगंज: कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए जिला प्रशासन मुस्तैद, उपायुक्त हेमंत सती ने कहा- लापरवाही पर होगी सीधी कार्रवाई

संवाददाता

साहेबगंज। आगामी वार्षिक माध्यमिक (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा–2026 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए साहेबगंज जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों और पर्यवेक्षकों को कड़े निर्देश दिए गए।

बैठक में परीक्षाओं के शेड्यूल की जानकारी देते हुए बताया गया कि:

वार्षिक माध्यमिक परीक्षा (10वीं): जिले के 37 परीक्षा केंद्रों पर 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक चलेगी। यह परीक्षा प्रथम पाली (सुबह 09:45 से दोपहर 01:00 बजे तक) में होगी।

इंटरमीडिएट परीक्षा (12वीं): जिले के 16 परीक्षा केंद्रों पर 03 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक द्वितीय पाली (दोपहर 02:00 से शाम 05:15 बजे तक) में आयोजित की जाएगी।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले भर में केंद्रों का जाल बिछाया गया है।

साहेबगंज अनुमंडल: राजस्थान इंटर विद्यालय, साहेबगंज महाविद्यालय, संत जेवियर्स स्कूल सहित कई प्रमुख स्कूलों को केंद्र बनाया गया है।

राजमहल अनुमंडल: जे.के. उच्च विद्यालय, बी.एल.एन.एल. बोहरा इंटर कॉलेज, तीनपहाड़ उच्च विद्यालय सहित अन्य स्कूलों में केंद्र रहेंगे।

प्रखंड स्तर पर: बरहरवा, उधवा, बरहेट, बोरियो, पतना, मंडरो और तालझारी के विभिन्न उच्च विद्यालयों और कॉलेजों को भी परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया है।

उपायुक्त हेमंत सती ने स्पष्ट लहजे में चेतावनी दी कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया कि:

1. सख्त निगरानी: केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थिति सुदृढ़ रहे और हर गतिविधि पर नजर रखी जाए।
2. गोपनीयता और सुरक्षा: प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और केंद्रों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल और दंडाधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें।
3. परीक्षार्थियों की सुविधा: केंद्रों पर पीने का पानी, शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि छात्रों को कोई असुविधा न हो।

उपायुक्त ने कहा कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी अपने कर्तव्यों में ढिलाई बरतेंगे, उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पारदर्शिता और ईमानदारी को परीक्षा के सफल आयोजन की मुख्य शर्त बताया।

इस महत्वपूर्ण ब्रीफिंग बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, विभिन्न प्रखंडों के शिक्षा पदाधिकारी, केंद्राधीक्षक और परीक्षा विभाग से जुड़े अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

समाज के लिए आगे भी संघर्ष जारी रखा जायेगा: महेश्वर साहु

संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर भुरकुंडा के उत्सव मैरेज हॉल (महात्मा गांधी सभागार) में वैश्य सद्भावना महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके पूर्व भुरकुंडा थाना मैदान से विशाल वैश्य शोभायात्रा निकाला गया। वैश्य शोभायात्रा भुरकुंडा बाजार, मेन रोड, बिरसा चैक होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर महासम्मेलन में तब्दील हो गया। इस महासम्मेलन एवं शोभायात्रा में रामगढ़, हजारीबाग, रांची, गुमला, बोकारो, चतरा, लातेहार जिला के वैश्य मोर्चा के पदाधिकारी, सदस्य एवं समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु और संचालन केंद्रीय महासचिव आदित्य नारायण प्रसाद एवं प्रखंड अध्यक्ष मुकेशलाल सिंदूरिया ने संयुक्त रूप से किया। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी और उनके जीवनी एवं विचारों पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं अन्य ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। स्वागत समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास अग्रवाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया. जबकि प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार ने वैश्य मोर्चा के गतिविधियों एवं मुद्दों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वैश्य समाज के 16 लोगों को उत्कृष्ट वैश्य सम्मान से सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ रामगढ़ की पवित्र और क्रांतिकारी धरती से ही बिगुल फूंका था। हमें गर्व है कि भुरकुंडा भी क्रांतिकारियों की भूमि रही है और वैश्य समाज के आंदोलन का सूत्रपात भी भुरकुंडा की पवित्र और क्रांतिकारी धरती से हुई है। उन्होंने कहा कि समाज के मुद्दों पर संघर्ष करने के लिए सांसद, विधायक या मंत्री होने की जरूरत नहीं है, साफ नियत और लड़ने की इच्छा शक्ति की जरूरत है। श्री साहु ने कहा कि गांधी जी ने हमें सिखाया है कि ईमानदारी से किया गया संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता है। इसलिए वैश्य मोर्चा समाज के मुद्दों पर आगे भी संघर्ष जारी रखेगी। आगामी 23 मार्च को राजधानी रांची में महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से समाज के लिए हमेशा तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संजीव चैधरी, ढ़लन साव, लक्ष्मण साहु, दिनेश्वर मंडल, अशोक कुमार गुप्ता, लखन अग्रवाल, चतुर साहु, रोहित साहु, डॉ. अरविंद कुमार, राजाराम प्रसाद, राजकुमार केशरी, महेंद्र प्रसाद साहु, कृष्णदेव साहु, जेपी अग्रवाल, हलधर साहु, फौजी अमित साहु, अजय साहु, लगनू साहु, नंदकिशोर साहु आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर महावीर साहु, मद्धेश्वर केशरी, नरेश प्रसाद, आदित्य पोद्दार, गीता देवी, आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भुनेश्वर साव, देवकुमार पंडित, मिथिलेश साव, उपेन्द्र शर्मा, संजय प्रसाद, भरत केशरी, ओम प्रकाश साव, कैलाश प्रसाद, दिलीप प्रसाद, संतोष साव, बद्री साव आदि का विशेष योगदान रहा। सम्मानित होने वालो में पतरातू के समाजसेवी पूरनराम साहु, सौंदा बस्ती के भागवत प्रसाद, रामगढ़ के गजाधर साहु, पटेलनगर के दिलीप अग्रवाल, भदानीनगर के बाचल गुप्ता, कुजू के रघुवीर केशरी, पत्रकार दीपक प्रसाद (भुरकुंडा), नरेश साव व बीरेन्द्र कुमार (बड़कागांव), सरकारी सेवा दीपक जायसवाल (सुंदरनगर), बिंदु कुमार, आनंद मोदी (हुरूमगढ़ा), सूरज कुमार साव, रितेश कुमार साव (भुरकुंडा), शुभम कुमार (डोकाटांड़), अभियंता निशांत प्रसाद (हेसालौंग), विवेक प्रसाद एवं मिथुन कुमार शामिल हैं।

विद्यार्थियों की सफलता ही संस्था की पहचान: रत्नेश कुमार

संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। स्थानीय शिक्षण संस्थान एस्पायर कोचिंग सेंटर भुरकुंडा के छात्रों ने एक बार फिर अपनी मेहनत और प्रतिभा का परचम लहराया है। संस्थान के दो छात्रों का चयन कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की जीडी भर्ती परीक्षा में हुआ है। इस उपलब्धि से छात्रों के परिवार के साथ-साथ पूरे भुरकुंडा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। छात्रों की सफलता पर शुक्रवार को संस्थान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें संस्था के निदेशक रत्नेश कुमार ने चयनित छात्र लक्की अहिरवार और आलोक राज कुमार उपहार देकर सम्मानित किया। मौके पर निदेशक कुमार ने बताया कि सयाल मोड़ एमईसीएल कॉलोनी भुरकुंडा निवासी अशोक अहिरवार के पुत्र सह एस्पायर को छात्र लक्की अहिरवार का चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ में हुआ है। लादी निवासी बालेश्वर महतो के पुत्र सह संस्था का छात्र आलोक राज कुमार का असम राइफल्स में अंतिम रूप से चयन हुआ है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक रत्नेश कुमार ने छात्रों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हमारे छात्रों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आकांक्षी प्रखंड मंडरो में 'संपूर्णता अभियान 2.0' का शंखनाद: विशेष ग्राम सभाओं में नीति आयोग के लक्ष्यों को 100% पूरा करने की ली गई शपथ

संवाददाता

साहेबगंज/मंडरो। नीति आयोग द्वारा संचालित 'आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम' के तहत विकास की गति को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से आज मंडरो प्रखंड की सभी पंचायतों में 'संपूर्णता अभियान 2.0' के तहत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और पोषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने की कार्ययोजना तैयार की गई। आयोजित ग्राम सभाओं में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान संबंधित पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव और आकांक्षी प्रखंड फेलो (ABF) के साथ-साथ पिरामल फाउंडेशन एवं टाटा रूरल इनीशिएटिव (TRI) के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभाओं में नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों और प्रखंड की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि आगामी तीन महीनों के भीतर नीति आयोग द्वारा निर्धारित 6 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI) को पूरी तरह संतृप्त (Saturate) करना अनिवार्य है। इन संकेतकों में स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर, कृषि सहायता और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। ग्राम सभा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह क्षण रहा, जब उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, सरकारी कर्मियों और संस्थागत प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से शपथ ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे आपसी समन्वय और कड़ी मेहनत के माध्यम से आगामी तीन माह के भीतर प्रखंड के लिए निर्धारित सभी लक्ष्यों में 100% उपलब्धि सुनिश्चित करेंगे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्णता अभियान 2.0 की सफलता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें जनसहभागिता और सतत निगरानी की भी अहम भूमिका है। सभी पंचायतों में इस बात पर सहमति बनी कि ग्राम स्तर पर योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मंडरो प्रखंड के विकास को एक नई दिशा देने और इसे नीति आयोग की रैंकिंग में शीर्ष पर लाने के उद्देश्य से शुरू हुआ यह अभियान अब एक जनांदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है।

12 को कोयला उद्योग में देशव्यापी हड़ताल का आह्वान, मजदूरों से एकजुटता की अपील

भुरकुंडा (रामगढ़)। ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन के बरका-सयाल क्षेत्रीय सचिव डॉ. आशीष कुमार ने शुक्रवार को जारी प्रेस बयान में जानकारी दी कि केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों तथा श्रम कानूनों में किए जा रहे बदलाव के विरोध में 12 फरवरी को कोयला उद्योग में देशव्यापी हड़ताल आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि चार नए लेबर कोड को वापस लेने, कोयला उद्योग के निजीकरण पर रोक लगाने तथा मेडिकल ग्राउंड पर मजदूरों को नौकरी देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर देश की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर यह हड़ताल बुलाई गई है। इस हड़ताल को कोल माइंस वर्कर्स यूनियन ने भी समर्थन दिया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएएच/590, दिनांक 28.01.2026; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: ई-निविदा सं. एसडीएसटीई/टेली/टी/17/25-26/सीएपी, आरआरएसके, एसएफ; कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: (i) सियालदह मंडल के दमदम जंक्शन-बारासात, बारासात-हासनाबाद, बारासात-बनगाँव, बनगाँव-माझेरग्राम अनुभाग में 48एफ ओएफसी का प्रावधान। (ii) सियालदह मंडल के एएसटीई/डब्ल्यू अनुभाग में इंटरलॉक्ड एलसी गेटों (ओएसएल) में आरटीयू का प्रावधान। निविदा मूल्य: रु. 9,08,38,381; जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 6,04,200; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। कार्य समापन अवधि: 12 महीने। निविदा जमा शुरू होने की तारीख: 09.02.2026; निविदा जमा करने की अंतिम तारीख: 23.02.2026 को 14.00 बजे तक। निविदा बोली खुलने की तारीख: 23.02.2026 को 14.30 बजे। विस्तृत विवरण: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पात्रता के तकनीकी मानदंड: निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिए: (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। पात्रता के वित्तीय मानदंड: निविदादाता द्वारा बी/एन अथवा 'बी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां बी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेज: जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। समतुल्य प्रकृति का कार्य: डेटा लॉगर अथवा आरटीयू को आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना अथवा ईआई अथवा आरआरआई अथवा पीआई अथवा आईबीएस अथवा आईबीएच अथवा एलसी गेट इंटरलॉकिंग अथवा यार्ड मॉडिफिकेशन अथवा यूएफएसबीआई अथवा ट्रैक सर्किट (एएफटीसी अथवा डीसी टीसी) अथवा एक्सल काउंटर (एसएएसडीएसी अथवा एमएसडीएसी अथवा एचएएसएसडीएसी) अथवा स्वचालित सिग्नलिंग सम्मिलित कोई भी सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य। टिप्पणी: निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली हस्ताक्षर होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होना चाहिए।

(SDAH-373/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एमसी/40/सी/आरएसपी/डोर ब्लॉकिंग/2025-26, दिनांक 28.01.2026; मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: निविदा सं.: एमसी-40-सी-आरएसपी-डोर-ब्लॉक-आरई। कार्य का नाम: 3000 बीओएक्सएन वैगनों में दरवाजों की ब्लॉकिंग एवं ऊंचाई कम करना। निविदा मूल्य: रु. 2,56,86,735। बयाना राशि: रु. 2,78,400। निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। कार्य समापन अवधि: कार्य प्रारम्भ होने से 12 महीने। बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय: 18.02.2026 को 15.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-323/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/734, दिनांक 28.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3485-आर; कार्य का नाम: सीनि. डीईएन/1/हावड़ा अनुभाग में अमृत भारत योजना के अधीन सीजीआर स्टेशन में अग्रभाग एवं पोर्च के विकास तथा बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के भीतरी विकास तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए विद्युतीय सामान्य कार्य। निविदा मूल्य: रु. 48,07,413; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 96,200; क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3487-आर; कार्य का नाम: सीनि. डीईएन/1/हावड़ा अनुभाग में अमृत भारत योजना के अधीन टीएके में विस्तारित स्टेशन भवन (भूतल) तथा गुंबद ढांचे के बचे हुए कार्य, स्टेशन भवन तथा तीर्थ यात्री शेड के बीच कनेक्शन के साथ अग्रभाग के साथ पोर्च के विकास, स्टेशन भवन के बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के भीतरी विकास तथा वर्तमान स्टेशन भवन के अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए विद्युतीय सामान्य कार्य। निविदा मूल्य: रु. 48,34,905; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 96,700; क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3507; कार्य का नाम: एईएन/बीएचपी के अधिकार क्षेत्र के अधीन एनआरएक्स, बीडीएच, बीएचपी एवं एमएलवी में गैंग हटों के निर्माण के संबंध में विद्युतीय सामान्य कार्य। निविदा मूल्य: रु. 9,58,169; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 19,200; समापन अवधि: प्रत्येक के लिए 180 दिन। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 13.02.2026 को 15.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है।

(HWH-565/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-49-25; दिनांक 28.01.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: आसनसोल मंडल-मंडल रेलवे अस्पताल के बुनियादी ढांचे का विकास। निविदा मूल्य: रु. 16,47,706; बयाना राशि: रु. 33,000; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय: 20.02.2026 को 11.00 बजे। कार्य समापन अवधि: 9 महीने। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-324/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं. एसडीएसटीई-एलसीजीटी-7-एनडीएई-26, दिनांक 28.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई-एलसीजीटी-7-एनडीएई-26 के तहत एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बंद होने की तारीख 23.02.2026 को 15.00 बजे। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: हावड़ा मंडल - निम्नलिखित कार्य के संबंध में सिग्नलिंग कार्य - अनुसूची ए1-एईएन/एनडीएई के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट सं. 7/सी के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची ए2-एईएन/एनडीएई के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट सं. 7/सी के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण के लिए दूरसंचार लागत। अनुसूची बी1-एईएन/एनडीएई के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट सं. 7/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची बी2-एईएन/एनडीएई के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट सं. 7/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण के लिए दूरसंचार लागत। विज्ञापित मूल्य: रु. 1,76,86,255.57; बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 2,38,400; निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 0; प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन। समापन अवधि: 12 महीने। बोली शुरू होने की तारीख: 09.02.2026.

(HWH-569/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं. एसडीएसटीई-सीआईबी-पीएफ-मेट्रो-एचडब्ल्यूएच-26, दिनांक 29.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई-सीआईबी-पीएफ-मेट्रो-एचडब्ल्यूएच-26 के तहत एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बंद होने की तारीख 23.02.2026 को 15.00 बजे। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: अनुसूची ए - हावड़ा स्टेशन के पीएफ सं. 1 से 6 एवं पीएफ 15 पर कोच इंडीकेशन बोर्ड का प्रावधान। अनुसूची बी - हावड़ा मेट्रो साइड से स्टेशन तक प्रवेश/निकासी गेटों, डिलक्स शौचालय, सीआईटी कार्यालय के स्थानांतर, पैसेंजर शेड, यात्रियों के लिए प्रकाश व्यवस्था एवं वीडियो वॉल से संबंधित एस एंड टी विस्तृत आंकलन कार्य। विज्ञापित मूल्य: रु. 5,97,85,112.94; बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 4,48,900; निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 0; प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन। समापन अवधि: 6 महीने। बोली शुरू होने की तारीख: 09.02.2026.

(HWH-571/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत दुबराजपुर में जनरल माइनर यूनिट, अंडाल में स्पेशल माइनर यूनिट तथा देवघर रेलवे स्टेशन में बहुउद्देशीय स्टॉल के प्रावधान के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के मार्फत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए निम्नानुसार खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : (क) नीलामी सूचीपत्र सं.: सीएटीजी-जीएमयू-26-02, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय निम्नानुसार हैं: (एए/1), सीएटीजी-एएसएन-डीयूजे-जीएमयू-13-26-1, दुबराजपुर रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) के प्लेटफॉर्म सं. 1 पर पीएफ शेड के नीचे यूडीएल छोर पर जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 5 वर्षों की अवधि के लिए मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल (6'x10' = 60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान, 11.02.2026 को 12.30 बजे। (एबी/1), सीएटीजी-एएसएन-यूडीएल-एसएमयू-144-26-2, अंडाल रेलवे स्टेशन (श्रेणी डी) के प्लेटफॉर्म सं. 3-4 पर पीएफ शेड के नीचे 5 वर्षों की अवधि के लिए मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल (6'x10' = 60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवा का प्रावधान, अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित, 11.02.2026 को 12.40 बजे। (ख) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमपीएस-26-02, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय निम्नानुसार हैं: (एए/1), एमपीएस-एएसएन-डीजीएचआर-एमपीएस-31-25-1, देवघर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में पुराने स्टेशन भवन पोर्टिको के सामने 5 वर्षों की अवधि के लिए बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6'x10' = 60 वर्ग फीट) का आवंटन, अनारक्षित (स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध में हुई विधवा, रेलवे कर्मचारियों की विधवा) के लिए चिन्हित, 11.02.2026 को 13.30 बजे।

(ASN-325/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

अध्यक्ष पद के 4 और पार्षद पद के 52 नामांकन फॉर्म बिके, एक प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन

संवाददाता विश्रामपुर पलामू विश्रामपुर नगर परिषद चुनाव को लेकर शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। अध्यक्ष पद के लिए 4 तथा पार्षद पद के लिए 52 नामांकन फॉर्म की बिक्री हुई। इसके साथ ही अब तक अध्यक्ष पद के लिए कुल 21 और पार्षद पद के लिए कुल 124 नामांकन फॉर्म बिक चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि इस बार नगर परिषद चुनाव में मुकाबला रोचक और बहुकोणीय होने की संभावना है। हालांकि फॉर्म बिक्री के मुकाबले नामांकन दाखिल करने की गति अभी धीमी नजर आ रही है। शुक्रवार को वार्ड संख्या चार से पार्षद पद के लिए गुलाम नबी अंसारी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वे अब तक पार्षद पद के एकमात्र प्रत्याशी हैं जिन्होंने विधिवत रूप से अपना पर्चा भरा है। चुनाव कार्यालय में दिनभर संभावित प्रत्याशियों, उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की आवाजाही बनी रही। नामांकन फॉर्म लेने वालों में नए चेहरों के साथ-साथ पुराने और अनुभवी नेताओं की भी भागीदारी देखने को मिल रही है। कई संभावित प्रत्याशी अंतिम दिन या उसके आसपास नामांकन दाखिल करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से नामांकन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ दस्तावेजों की जांच और मार्गदर्शन के लिए अधिकारियों को तैनात किया गया है। आने वाले दिनों में नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

शहादत दिवस पर आदर्श पब्लिक स्कूल में महात्मा गांधी को दीगई श्रद्धांजलि

संवाददाता विष्णुगढ़ः प्रखंड के नरकी पंचायत स्थित आदर्श पब्लिक स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक डिलेश्वर कुमार महतो ने कहा कि महात्मा गांधी न केवल एक कुशल वकील और सक्रिय राजनीतिज्ञ थे, बल्कि वे महान स्वतंत्रता सेनानी भी थे। उन्होंने छात्रों को गांधी जी के जीवन और उनके संघर्षों के बारे में जानकारी दी। निदेशक ने बताया कि गांधी जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम के कई महत्वपूर्ण आंदोलन हुए, जैसे चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन और नमक सत्याग्रह, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की दिशा में मील का पत्थर साबित किया। डिलेश्वर कुमार महतो ने आगे कहा कि गांधी जी ने अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों के माध्यम से देश को आज़ादी दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन सत्य, न्याय और समानता के आदर्शों का प्रतीक है। इस अवसर पर लक्ष्मी कुमारी, नेहा कुमारी, सबिता मरांडी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने गांधी जी के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित भाषण प्रस्तुत किए, जबकि कुछ ने नाट्य और कविता के माध्यम से उनके संदेश को जीवंत किया। इस कार्यक्रम ने उपस्थित सभी को गांधी जी के विचारों और उनके संघर्ष की याद दिलाई।

बाल विवाह मुक्त अभियान का 100 दिवसीय रथ रवाना

संवाददाता सिमडेगा जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्ति जागरूकता रथ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ठेठईटांगर प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, पंचायत मुखिया संगीता मिंज और विधायक प्रतिनिधि मोहोम्माद कारू ने रथ को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया। कार्यक्रम में छोटानागपुर कल्याण निकेतन के सभी कार्यकर्ता और अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि यह जागरूकता रथ ग्रामीण समुदायों में बाल विवाह के दुष्परिणामों को लेकर चेतना फैलाने का सशक्त माध्यम बनेगा और लोग इस कुप्रथा के विरुद्ध आगे आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बाल विवाह का उन्मूलन केवल गैर सरकारी संगठनों या सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर ग्रामीण समुदायों को अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। जब सभी लोग मिलकर इस सामाजिक बुराई के खिलाफ खड़े होंगे, तभी इसका स्थायी रूप से अंत संभव है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, संरक्षित और शिक्षित हो सके तथा अपने गांव, जिले और देश का नाम रोशन कर सके। छोटानागपुर कल्याण निकेतन इस संकल्प के साथ कार्यरत है कि सिमडेगा जिला बाल विवाह मुक्त बने और बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने टेम्पो को घसीटा, चालक और बच्चा बाल-बाल बचे

संवाददाता बरकट्ठा :-गोरहर के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर की गति अत्यधिक तेज थी, जिससे टेम्पो करीब आधे किलोमीटर तक घसीटता चला गया। घटना के दौरान टेम्पो चालक और उसमें सवार एक छोटा बच्चा गंभीर हादसे से बाल-बाल बच गए। हालांकि दोनों को हल्की चोटें आईं, लेकिन किसी प्रकार की बड़ी जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने तुरंत सहायता पहुंचाई।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा ट्रेलर चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की जरूरत को उजागर कर दिया है।

कंडा गांधी आश्रम में 78वें गांधी जी पुण्यतिथि समारोह का भव्य आयोजन

संवाददाता

पलामू प्रमंडल के एकलौते गांधी आश्रम, कंडा में महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन आश्रम अध्यक्ष युगेश्वर साहू की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि कंडा पंचायत मुखिया नरेंद्र सिंह और विशिष्ट अतिथि नावा बाजार पूर्व जिला पार्षद प्रत्याशी रंजना सिंह थे। कार्यक्रम का मंच संचालन मुमताज खलिफा ने किया। समारोह की शुरुआत गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद सामूहिक रूप से गांधी जी के भजन गाए गए और "गांधी अमर रहें, स्वतंत्रता सेनानी अमर रहें, वीर पुरुष अमर रहें" के नारों से सभा गुंजित हो उठी। मुखिया नरेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के विचार सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह और साध्वी पर आधारित थे। वे एक ऐसे न्यायपूर्ण समाज के समर्थक थे, जिसमें स्वराज, स्वदेशी, आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता, सर्वोदय और धार्मिक सहिष्णुता का विकास हो। उन्होंने कहा कि हिंसा के बिना अहिंसात्मक प्रतिरोध से ही स्वतंत्रता और सामाजिक सुधार प्राप्त किए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण और शिक्षा गांधी जी के विचारों में विशेष महत्व रखते थे। मुखिया नरेंद्र सिंह ने घोषणा की कि कंडा ग्राम को आदर्श ग्राम में शामिल किया गया है और गांधी आश्रम को विकास फंड प्रदान किया जाएगा, जिससे आश्रम का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी निजी राशि से हर वर्ष 10 स्वतंत्रता सेनानी के वंशजों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में आश्रम उपाध्यक्ष सिद्धेश्वर भारती, सचिव योगेंद्र विश्वकर्मा, मुखिया प्रतिनिधि अमरेश सिंह, मदन राम, विजय सिंह, सत्यनारायण विश्वकर्मा, संतोष प्रसाद गुप्ता, रमेश विश्वकर्मा, जयगोविंद साव, दीपक कुमार विश्वकर्मा, नितिश चंद्रवंशी, गणेश प्रसाद गुप्ता, भोला साव, विजय राम, विश्वामित्र साहू, अनील पासवान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सेनानी भुवनेश्वर चौबे की प्रतिमा का भव्य अनावरण

संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) – केतात कला पंचायत सचिवालय परिसर आज इतिहास के एक सजीव पल का साक्षी बना, जब स्वतंत्रता संग्राम के सपूत और विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रथम विधायक स्व. भुवनेश्वर चौबे की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण स्व. चौबे के छोटे पुत्र कैलाश नाथ चौबे ने किया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की भारी उपस्थिति रही। पूरे परिसर में देशभक्ति और सम्मान का वातावरण दिखाई दिया। स्व. भुवनेश्वर चौबे का नाम क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वे 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में विधायक निर्वाचित हुए और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ जनहित, सामाजिक न्याय एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत मुखिया संजू देवी ने की, जबकि संचालन पूर्व मुखिया रवि शंकर चौबे उर्फ सेठ चौबे ने किया। वक्ताओं ने स्व. चौबे के जीवन को संघर्ष, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनकी प्रतिमा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत बनेगी। समारोह में वार्ड सदस्य अरविंद चौबे, राघवेंद्र चौबे, मनोज चौबे, पप्पू सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर लोगों ने स्व. भुवनेश्वर चौबे के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला में मुख्य अतिथि होंगे कल्याण मंत्री चमरा लिंडा

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू पलामू प्रमंडल में 11 एवं 12 फरवरी को आयोजित होने वाले राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला में झारखंड सरकार के माननीय कल्याण मंत्री श्री चमरा लिंडा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। यह जानकारी मेदिनीनगर-भंडरिया पूर्व विधायक प्रत्याशी सह चेरो आदिवासी भैयारी पंचायत झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह चेरो ने दी।अजय सिंह चेरो ने बताया कि मेला समिति द्वारा मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन एवं वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर से भी मुलाकात कर उन्हें मेला में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है। जिसमें कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने पूर्ण सहमति दे दी है और वे 11 फरवरी 2026 को दुबियाखाड़ में आयोजित राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला का विधिवत उद्घाटन करेंगे। वहीं वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की उपस्थिति को लेकर भी आंशिक सहमति मिलने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक मेला पलामू प्रमंडल के महान प्रतापी महाराज मेदिनी राय की स्मृति में पिछले 40 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। झारखंड सरकार ने 16 मार्च 2023 को इस मेले को राजकीय मेला का दर्जा दिया था। साथ ही डालटेनगंज का नाम बदलकर मेदिनी नगर किया गया, जो महाराज मेदिनी राय के सम्मान का प्रतीक है। अजय सिंह चेरो ने पलामू जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने महाराज मेदिनी राय की प्रतिमा को दो बार उखाड़कर फेंकने जैसा अपमानजनक कृत्य किया है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार महापुरुषों को सम्मान दे रही है, वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन उनके सम्मान को ठेस पहुंचा रहा है। इसके साथ ही मेला के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का भी आरोप लगाया गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आदिवासी महापुरुषों को सम्मानपूर्वक मेदिनी नगर में स्थान नहीं दिया गया तो मेला के बाद पलामू प्रमंडल में बड़ा जनाक्रोश देखने को मिल सकता है। इस मौके पर मेला समिति अध्यक्ष अर्जुन सिंह चेरो, स्थानीय मुखिया पति आनंद कुमार रवि, सदर उप प्रमुख चेरो शीतल सिंह निराला, उमेश सिंह चेरो, ठकुराई सिंह चेरो सहित मेला समिति के कई सदस्य उपस्थित थे।

पलामू पुलिस ने अफीम तस्करों को धर-दबोचा, 800 ग्राम बरामद

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पुलिस अधीक्षक, पलामू को गुप्त सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की ओर से टेम्पू में अफीम लेकर रजवाडीह चौक होते हुए डालटनगंज से ट्रेन पकड़कर बाहर जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर सदर थाना पुलिस ने संध्या गश्ती के दौरान विशेष चेकिंग अभियान चलाया। रजवाडीह चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान एक टेम्पू से दो व्यक्ति बैग लेकर उतरते पाए गए। संदेह होने पर उनकी तलाशी ली गई, जिसमें लगभग 800 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने यह अफीम थाना तरहसी के तेतर यादव से खरीदी थी और जालंधर (पंजाब) में बेचने के उद्देश्य से ले जा रहे थे। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जप्त सामग्री के साथ सदर थाना लाया गया। मामले में सदर थाना कांड संख्या-13/2026, दिनांक 29.01.2026, धारा 17(b)/22(b)/29 NDPS Act के तहत मामला दर्ज किया गया है। **गिरफ्तार अभियुक्तः** सूचित भुईयां, उम्र 25 वर्ष, पिता – गणेश भुईयां, ग्राम पथरा कला, थाना पोंकी, जिला पलामू कुलेन्द्र भुईयां, उम्र 25 वर्ष, पिता – केवल भुईयां, ग्राम रिमी रामपुर, थाना लावालोग, जिला चतरा

जप्त सामग्रीः

अफीम	लगभग	800	ग्राम
मोबाइल	फोन	– 02	नग
नकद	राशि	–	800/-

पुलिस ने तस्करी के मामले में सख्त कदम उठाते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

नामांकन के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के तीन व वार्ड पार्षद के 38 उम्मीदवारों ने खरीदी नामांकन प्रपत्र

संवाददाता

हरिहरगंज पलामू नगर पंचायत चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में दिनभर गहमागहमी का माहौल बना रहा. नामांकन प्रपत्र की खरीदारी को लेकर संभावित उम्मीदवारों में खासा उत्साह देखा गया. दूसरे दिन नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए कुल तीन उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र खरीदे. इनमें पूर्व जिला परिषद सदस्य आशा कुमारी, कुमारी शीला चौधरी एवं प्रमिला चौधरी शामिल हैं. वहीं वार्ड पार्षद पद के लिए कुल 38 महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र खरीदे, जिससे यह साफ हो गया है कि इस बार चुनावी मुकाबला कड़ा और रोचक होने वाला है. हालांकि नामांकन प्रक्रिया के बीच मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर कई उम्मीदवारों में नाराजगी भी देखने को मिली. उम्मीदवारों का कहना है कि मतदाता सूची के अभाव में चुनावी रणनीति तैयार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. इस संबंध में कई उम्मीदवारों ने निर्वाचन पदाधिकारी से शीघ्र मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग की. इस विषय पर निर्वाची पदाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही है. उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मतदाता सूची से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया जाएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. नगर पंचायत चुनाव को लेकर क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है और आगामी दिनों में नामांकन प्रक्रिया के साथ-साथ चुनावी गतिविधियां और रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है.

नम्रता त्रिपाठी को कांग्रेस का महापौर समर्थन

संवाददाता

पलामू, मेदिनीनगरः मेदिनीनगर नगर निगम महापौर पद के लिए कांग्रेस ने नम्रता त्रिपाठी को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है। यह निर्णय पलामू जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। पूर्व मंत्री के. एन. त्रिपाठी की पुत्री नम्रता त्रिपाठी को पार्टी ने महापौर पद के लिए उपयुक्त और जनसरोकारों से जुड़े नेता बताया। जिला कांग्रेस प्रवक्ता गोपाल सिंह ने कहा कि यह फैसला संगठन की एकजुटता और स्पष्ट राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। नम्रता त्रिपाठी 3 फरवरी को अपने नामांकन दाखिल करेंगी। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने उनकी जीत के लिए पूरी ताकत लगाने का भरोसा जताया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर आवश्यक सूचना

संवाददाता

विश्रामपुर नगर परिषदःवार्ड 4 के मतदाता जो पहले राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय,घोरडीहा,उत्तरी व दक्षिणी भाग में मतदान करते थे अब सामुदायिक भवन,घोरडीहा उत्तरी व दक्षिणी भाग में करेंगे मतदान विश्रामपुर पलामू विश्रामपुर नगर परिषद के वार्ड संख्या 4 में पूर्व में अवस्थित मतदान केंद्र(राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय,घोरडीहा,उत्तरी व दक्षिणी भाग) रेलवे विभाग द्वारा अधिग्रहण के पश्चात भवन को ध्वस्त कर दिया गया था जिसे लेकर इनसे संबद्ध मतदाताओं के लिए नया मतदान केंद्र सामुदायिक भवन,घोरडीहा उत्तरी व दक्षिणी भाग को बनाया गया है। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के निमित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि निर्वाचन के दौरान सभा/रैली/वाहन अनुमति(परमिशन)की स्वीकृति संबंधित क्षेत्र के अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा प्रदान किया जायेगा।

संत मरियम स्कूल ने 12वीं के छात्रों को दी विदाई

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू संत मरियम विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों केलिए फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों के विद्यालयीन जीवन की स्मृतियों को सहेजने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देने का रहा। विद्यालय चेयरमैन श्री अविनाश देव, प्राचार्य कुमार आदर्श व अन्य शिक्षकों ने छात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी। समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि कक्षा 12वीं का पड़ाव केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि जीवन की नई दिशा की शुरुआत है। यह वह समय है जब छात्र अपने लक्ष्य तय करते हैं और अपने संस्कारों के साथ समाज में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, सफलता का वास्तविक अर्थ केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना है। अनुशासन, आत्मविश्वास, परिश्रम और नैतिक मूल्य ही आपको जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। श्री देव ने यह भी कहा कि संत मरियम विद्यालय केवल शिक्षा नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और नेतृत्व का निर्माण करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे जहाँ भी जाएँ, अपने माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय की गरिमा को सदैव बनाए रखें। वहीं प्राचार्य कुमार आदर्श ने कहा कि आज का दिन भावनाओं से भरा हुआ है, क्योंकि विद्यालय अपने उन छात्रों को विदा कर रहा है, जिन्होंने वर्षों तक इस परिसर को अपने सपनों, मेहनत और मुस्कान से जीवंत रखा। कार्यक्रम के दौरान जूनियर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, वहीं कक्षा 12वीं के छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। भावुक क्षणों के बीच समारोह सम्पन्न हुआ और विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। उक्त मौके पर शिक्षक प्रवीण दुबे, सुधांशु दुबे, विकास विश्वकर्मा व अन्य शिक्षक मौजूद थे।

जामताड़ाः कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, उपायुक्त रवि आनंद ने तैयारियों की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

संवाददाता

जामताड़ा। आगामी वार्षिक माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन जामताड़ा पूरी तरह से तैयार है। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित एसजीएसवाई सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की गई और तैनात किए गए मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्री रवि आनंद ने बताया कि वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की सैद्धांतिक परीक्षाएं 03 फरवरी से 23 फरवरी 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी।

माध्यमिक परीक्षाः यह प्रथम पाली (पूर्वाह्न 09.45 से अपराह्न 01.00 बजे) में 03 से 17 फरवरी तक चलेगी। इसमें कुल 9,213 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनके लिए 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

इंटरमीडिएट परीक्षाः यह द्वितीय पाली (अपराह्न 02.00 से 05.15 बजे) में 03 से 23 फरवरी तक संचालित होगी। इसमें कुल 5,872 परीक्षार्थी (कला- 4631, विज्ञान- 1188, वाणिज्य- 53) परीक्षा देंगे, जिसके लिए 12 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की नकल या बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए किः

1. सीसीटीवी और वीडियोग्राफीः सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए और पर्याप्त वीडियोग्राफी कराई जाए।

2. मोबाइल पर प्रतिबंधः किसी भी वीक्षक (Invigilator) को परीक्षा हॉल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी के फोन केंद्राधीक्षक के पास जमा रहेंगे।

3. कठोर कार्रवाईः नकल कराने का प्रयास करने वाले बाहरी व्यक्तियों और दूसरे के नाम पर परीक्षा देने वाले (इम्पर्सनेशन) तत्वों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

4. मूलभूत सुविधाएंः केंद्रों पर पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया ताकि छात्रों को असुविधा न हो।

अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार ने बताया कि सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर की परिधि में बीएनएसएस की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर बैनः परीक्षार्थियों के लिए मोबाइल, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, पेजर या किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक स्कैनर ले जाना पूरी तरह वर्जित है। केंद्रों पर सघन जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

यातायात प्रबंधनः केंद्रों के बाहर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग पर रोक रहेगी ताकि परीक्षार्थियों के आवागमन में बाधा न आए।

बैठक में प्रश्नपत्रों को कोषागार और बैंकों से सुरक्षित रूप से केंद्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया। पेट्रोलिंग और स्टैटिक मजिस्ट्रेट को अपनी ड्यूटी के दौरान अत्यंत सजग रहने को कहा गया है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वरीय अधिकारियों को सूचित करने का निर्देश दिया गया है। इस ब्रीफिंग सत्र में अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेंब्रम, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री विकेश कुणाल प्रजापति सहित सभी गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी, थाना प्रभारी एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंडहितः सालुका गांव में निकला दुर्लभ सफेद कोबरा, वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

संवाददाता

जामताड़ा /कुंडहित। झारखण्ड के जामताड़ा जिले अंतर्गत कुंडहित प्रखंड में शुक्रवार को एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। प्रखंड के सालुका गांव में एक विशालकाय सफेद कोबरा सांप निकलने से इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि, वन विभाग की तत्परता से सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सालुका गांव निवासी गौतम बाध्यकर के घर के कुएं में ग्रामीणों ने एक विशाल सफेद कोबरा सांप को देखा। सांप का आकार और उसका दुर्लभ सफेद रंग चर्चा का विषय बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बिना देरी किए इसकी सूचना तुरंत कुंडहित वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की सांप रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बेहद सावधानी से कुएं में उतरे सफेद कोबरा को काबू में किया और उसे सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद टीम सांप को पास के घने जंगल में ले गई, जहाँ उसे उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को जागरूक भी किया। टीम के सदस्यों ने बताया कि सांप प्रकृति का एक अनिवार्य हिस्सा हैं और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में सभी जीवों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने अपील की कि किसी भी वन्यजीव को देखें तो उसे मारें नहीं, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचित करें ताकि उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में वन विभाग की टीम के सदस्य रामकृष्ण बाउरी, उत्पल बाध्यकर और मोहन मुर्मू मुख्य रूप से शामिल थे। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने वन विभाग के इस कार्य की सराहना की।

जामताड़ाः सिमलडुबी में दो दिवसीय 'काराम छटियार' संपन्न, काराम गुरु ने बच्चों का किया नामकरण

संवाददाता

जामताड़ा। जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत सिमलडुबी पंचायत के सिमलडुबी गांव में दो दिवसीय पारंपरिक 'काराम छटियार' कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की अनूठी झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण काराम गुरु सीता नाथ हंसदा रहे। उन्होंने पारंपरिक 'काराम बिनती' (धार्मिक प्रार्थना एवं प्रवचन) के माध्यम से छोटे-छोटे बच्चों का 'छटियार' (शुद्धिकरण एवं नामकरण संस्कार) संपन्न कराया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और उनके अभिभावकों को समाज की गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया। काराम गुरु सीता नाथ हंसदा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए काराम पर्व और परंपरा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि काराम केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव और समाज की जड़ों को सुरक्षित रखने का एक माध्यम है। उन्होंने नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और पूर्वजों के मूल्यों को सहेजने की सीख दी। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में गांव के पारंपरिक प्रधानों और प्रबुद्ध जनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर मुख्य रूप सेः

नायकीः रामचन्द्र हेम्ब्रम
मांझीः लबोर्शवर हेम्ब्रम
परानिकः दिनेश मुर्मू

अन्य गणमान्यः सत्यदेव सोरेन, सोनालाल हंसदा, रोसिक मरांडी।

कार्यक्रम में सिमलडुबी और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष और ग्रामीण उपस्थित थे। दो दिनों तक चले इस आयोजन से पूरे गांव में उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा।

जामताड़ाः सांड चोरी के संदेह में ग्रामीणों ने तीन युवकों को दबोचा, पुलिस जांच के बाद बांड भरवाकर किया गया मुक्त

संवाददाता

जामताड़ा। जिले के जामताड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोसोई गांव में सांड चोरी के संदेह को लेकर सोमवार को काफी गहमागहमी रही। ग्रामीणों ने चोरी के शक में तीन युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि, पुलिस की गहन जांच और पूछताछ में चोरी की पुष्टि न होने के कारण तीनों को बांड भरवाकर रिहा कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, पोसोई गांव में ग्रामीणों ने तीन युवकों—बिंदु दा, राहुल दा (दोनों सोनबाद निवासी) और विशेश्वर सोरेन (रामपुर निवासी) को सांड चोरी करने के संदेह में पकड़ लिया। जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक लगी, देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान गांव का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी संतोष गोस्वामी दल-बल के साथ पोसोई गांव पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और तीनों युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आए। स्थानीय ग्रामीण मिलन मंडल ने बताया कि पिछले कुछ समय से पोसोई, मोहड़ा, नाराडीह और उसके आसपास के क्षेत्रों में मवेशी चोरी की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। इससे पशुपालकों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इसी डर और संदेह के आधार पर ग्रामीणों ने इन युवकों को पकड़ा था। थाने में पूछताछ के दौरान तीनों युवकों ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि वे मवेशियों की खरीद-बिक्री का कार्य करते हैं और चोरी की वारदात से उनका कोई लेना-देना नहीं है। जामताड़ा पुलिस ने मामले की सघनता से जांच की, लेकिन तीनों के खिलाफ सांड चोरी में संलिप्तता के कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले। संलिप्तता की पुष्टि न होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और तीनों युवकों से भविष्य में किसी संदिग्ध गतिविधि में शामिल न होने का बांड भरवाकर उन्हें मुक्त कर दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में मवेशी चोरी की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है और संदिग्ध इलाकों की निगरानी जारी रहेगी।

एडवर्ड्स इंग्लिश स्कूल के छात्रों का साईं अस्पताल परिसर में शैक्षणिक पिकनिकः खुशियों और उत्साह से भरा रहा दिन

संवाददाता

जामताड़ा। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें किताबी दुनिया से इतर व्यावहारिक सामाजिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एडवर्ड्स इंग्लिश स्कूल, जामताड़ा द्वारा आज एक भव्य शैक्षणिक पिकनिक का आयोजन किया गया। यह पिकनिक स्थानीय साईं अस्पताल परिसर में आयोजित हुई, जहाँ छात्रों ने प्रकृति की गोद में जमकर मस्ती की और नई ऊर्जा संचित की। सुबह के समय जैसे ही स्कूल के छात्र-छात्राएं और शिक्षक पिकनिक स्थल पर पहुंचे, पूरा परिसर बच्चों के शोर और उत्साह से गूंज उठा। साईं अस्पताल परिसर अपनी स्वच्छता, शांति और सघन हरियाली के लिए जाना जाता है। यहाँ के खुले मैदान और पेड़-पौधों के बीच बच्चों ने खुद को प्रकृति के बेहद करीब पाया, जिससे वे मानसिक रूप से काफी तरोताजा नजर आए। पिकनिक को यादगार बनाने के लिए शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न मनोरंजक खेलों और समूह गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने न केवल अपने दोस्तों के साथ खेल खेले, बल्कि सामूहिक रूप से जलपान और भोजन का आनंद लेकर आपसी प्रेम और साझा करने की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया। इस दौरान शिक्षकों ने अनुशासन और बच्चों की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, इस शैक्षणिक पिकनिक का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई के तनाव से मुक्त करना और उनमें टीमवर्क, मित्रता व सामाजिक समरसता जैसे गुणों का विकास करना था। खुले माहौल में बिताए गए इन पलों ने शिक्षक-छात्र संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने का काम किया। दोपहर बाद, जब पिकनिक का समापन हुआ, तो सभी छात्रों के चेहरों पर एक अलग ही चमक और संतोष देखने को मिला। ढेर सारी यादें, यादगार तस्वीरें और नई ऊर्जा समेटे हुए सभी विद्यार्थी और शिक्षक मुस्कुराते हुए अपने-अपने घर लौटे। अभिभावकों ने भी स्कूल के इस प्रयास की सराहना की है, जो बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी साबित हुआ।

चकाईः मदरसा मारीफुल कुरान में भव्य दस्तारबंदी कॉन्फ्रेंस, कुरान मुकम्मल करने वाले चार बच्चों के सिर सजा सम्मान का ताज

संवाददाता

जामताड़ा। जमुई जिले के चकाई प्रखंड अंतर्गत नगरी स्थित मदरसा मारीफुल कुरान में 'दस्तारबंदी कॉन्फ्रेंस' का गरिमामय आयोजन किया गया। इस रूहानी महफिल में उन चार मेधावी बच्चों का सम्मान (दस्तारबंदी) किया गया, जिन्होंने पवित्र कुरान को पूरी तरह कंठस्थ (हिफ्ज) कर लिया है। कार्यक्रम में भारी संख्या में उलेमा, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता तंजीम इमारत शरिया (जमुई) के सचिव और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कन्वीनर मास्टर हाजी निसार अहमद ने की। महफिल का आगाज मौलाना कारी इमामुद्दीन कासमी की कुरान पाक की तिलावत से हुआ। इसके पश्चात कारी आदिल जमाली, कारी शहाबुद्दीन और अरमान ने बारगाह-ए-रिसालत में नात-ए-पाक पेश कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे ऑल इंडिया पसमांदा उलेमा बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने अपने संबोधन में शिक्षा की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि "तालीम ही वह एकमात्र हथियार है, जिससे कौमें अपनी तकदीर बदलती हैं।" उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी (आधुनिक) शिक्षा से भी लैस करें ताकि वे समाज के निर्माण में बेहतर योगदान दे सकें। मुख्य अतिथि मौलाना बिलाल नदवी ने कहा कि कुरान हिफ्ज करने वाले बच्चे पूरी कौम का सरमाया (पूंजी) होते हैं। मदरसे हमारी तहजीब और अखलाक की बुनियाद को मजबूत करते हैं। उन्होंने बच्चों को नसीहत दी कि वे कुरान की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंची चकाई विधायक सावित्री देवी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विधायक ने कहा कि "बच्चे मन लगाकर शिक्षा प्राप्त करें और चकाई का नाम रोशन करें।" उन्होंने मदरसा भवन का निरीक्षण भी किया और वहां की बुनियादी कमियों को दूर करने में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। मदरसा के मोहतमीम कारी समीउल्लाह द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का सफल संचालन कारी शाहनवाज ने किया। इस अवसर पर मौलाना सद्दाम हुसैन, हाफिज जावेद, मौलाना गयासुद्दीन मजाहिरी, मदरसा अध्यक्ष गुलाम रब्बानी, मास्टर शम्स तबरेज सहित दर्जनों उलेमा और गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी की विशेष दुआ के साथ हुआ, जिसमें देश में अमन-चैन और भाईचारे की प्रार्थना की गई।

ज्ञान रेनू निकेतन में कक्षा दसवीं के छात्रों की भावुक विदाईः बच्चों की सफलता पर अभिभावकों का हुआ सम्मान

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान ज्ञान रेनू निकेतन में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य और भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह केवल एक विदाई कार्यक्रम मात्र नहीं रहा, बल्कि कृतज्ञता, सम्मान और प्रेरणा का एक संगम बन गया। इस दौरान विद्यालय परिसर गर्व और भावनाओं से ओत-प्रोत नजर आया। इस वर्ष के विदाई समारोह का सबसे विशेष और आकर्षक केंद्र विद्यालय प्रबंधन की वह अनूठी पहल रही, जिसके तहत विद्यार्थियों के सामने उनके माता-पिता को मंच पर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि एक छात्र की सफलता के पीछे उसके अभिभावकों का त्याग और निरंतर सहयोग होता है। जब बच्चों की उपलब्धियों के कारण माता-पिता को पुरस्कार और सम्मान मिला, तो उस क्षण पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस गौरवपूर्ण पल को देख कई अभिभावकों और छात्रों की आँखें खुशी से नम हो गईं। जहाँ एक ओर अभिभावकों को सम्मानित किया गया, वहीं दूसरी ओर दसवीं के छात्र-छात्राओं को बेहतर भविष्य की शुभकामनाओं के साथ मेडल और पुस्तकें प्रदान की गईं। विद्यालय के निदेशक श्री श्यामल कुमार मंडल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, "विद्यार्थी ही राष्ट्र का भविष्य हैं। सफलता के लिए मेहनत और अनुशासन के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का होना अनिवार्य है।" उन्होंने छात्रों को आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी पूरे आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ करने का मंत्र भी दिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने सफर और मधुर स्मृतियों को साझा किया। भावुक स्वर में छात्रों ने कहा कि इस विद्यालय ने उन्हें केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने का सही नजरिया भी दिया है। कार्यक्रम का सफल और सुव्यवस्थित संचालन इशु मैम ने किया, जिन्होंने अपनी प्रभावशाली वाणी से समारोह में जान फूँक दी। समारोह के समापन पर सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से यह प्रतिज्ञा ली कि वे भविष्य में कड़ी मेहनत कर न केवल अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करेंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यह आयोजन विद्यार्थियों के मन में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार कर गया। विदाई की इस बेला में हर छात्र एक नया संकल्प लेकर अपने जीवन के अगले अध्याय की ओर कदम बढ़ाता नजर आया।

माघ पूर्णिमा कब? सही तारीख, पूजा विधि, स्नान दान और चंद्रोदय का समय

माघ पूर्णिमा का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस दिन स्नान, दान और व्रत करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। साथ ही, पूर्णिमा का व्रत करने वाले चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं। वहीं, इस बार की माघ पूर्णिमा बेहद खास रहने वाली है क्योंकि इस दिन रवि पुष्य योग का संयोग बन रहा है। पूर्णिमा तिथि पर विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।
माघ मास की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 1 फरवरी, रविवार को सुबह 5 बजकर 53 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 1 फरवरी को मध्य रात्रि के पश्चात 3 बजकर 39 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि पर पड़ने पर पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है। ऐसे में 1 फरवरी के दिन ही माघ पूर्णिमा का व्रत स्नान दान आदि कार्य किए जाएंगे। वहीं, इस दिन रविवार का दिन होने और पुष्य नक्षत्र के चलते रवि पुष्य योग का संयोग भी बन रहा है।

माघ पूर्णिमा 2026 स्नान दान का शुभ मुहूर्त

लाभ चौघड़िया - सुबह 5 बजकर 30 मिनट से लेकर 7 बजकर 9 मिनट तक का समय स्नान-दान के लिए सबसे उत्तम रहेगा। माघ मास की पूर्णिमा को तिल, कंबल, वस्त्र, घी, फल, अन्न आदि का दान करना शुभ माना जाता है। साथ ही, इस दिन पितरों का श्राद्ध भी किया जाता है। माघी पूर्णिमा पर विष्णुजी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

चंद्रोदय का समय

माघ पूर्णिमा पर चांद निकलने का समय शाम को 5 बजकर 46 मिनट पर होगा। चंद्रोदय के पश्चात चंद्रमा को अर्घ्य देने का विधान होता है।

माघ पूर्णिमा पूजा विधि

- पूर्णिमा तिथि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के पश्चात सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। फिर, शांत मन से व्रत का संकल्प लें।
- अपने घर के पूजा स्थल पर एक चौकी पर साफ लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। अब उस पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें। चौकी के चारों तरफ कलावा अवश्य बांधें। फिर, विष्णुजी का पंचामृत से स्नान कराएं।
- भगवान विष्णु को वस्त्र आदि अर्पित करके उनका तिलक करें। अब केले, पंचामृत, कसाल आदि चढ़ाएं और विधि पूर्वक पूजा आरती करें।
- पूर्णिमा तिथि पर व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। इससे पूर्ण फल की प्राप्ति होती है।

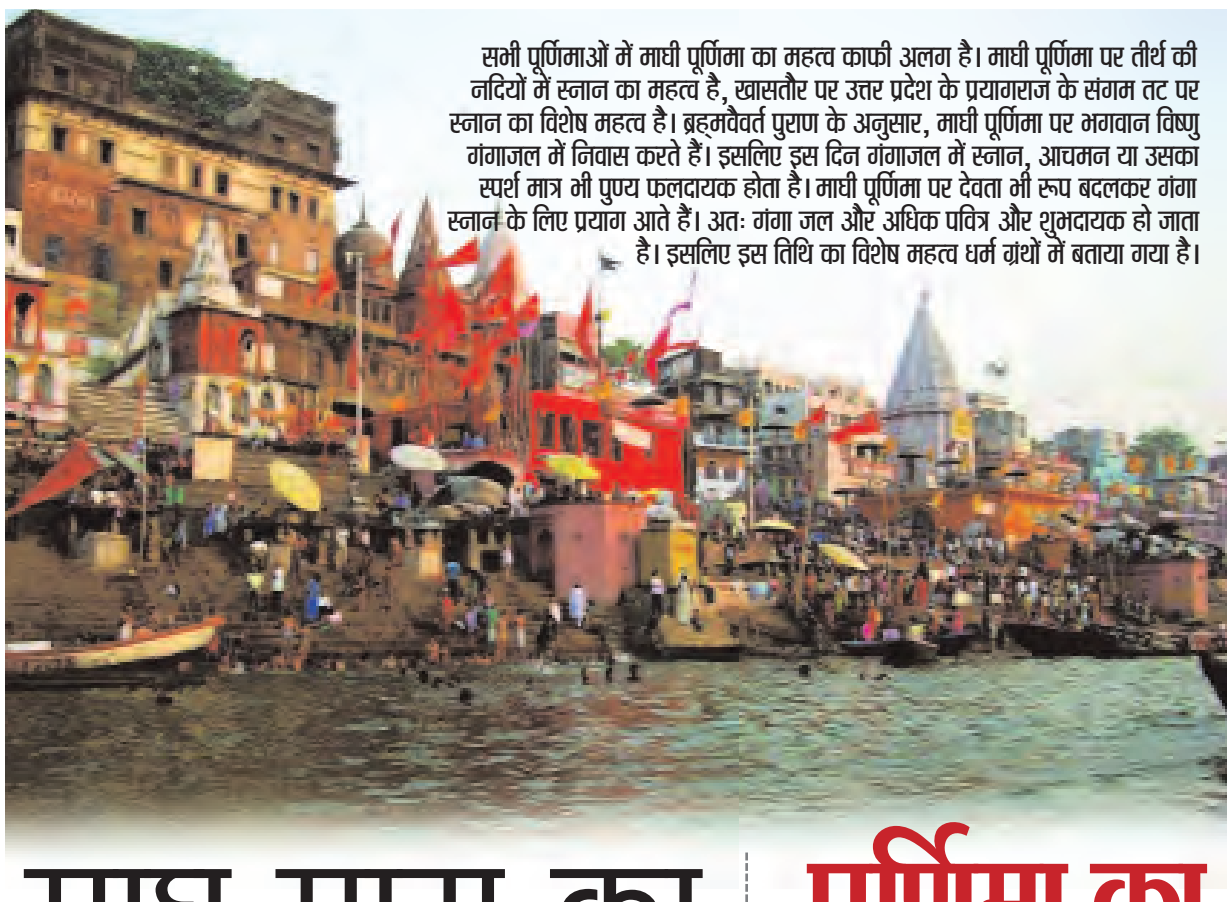

सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है। माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।

माघ मास का आखिरी दिन है माघी पूर्णिमा

माघ पूर्णिमा माघ मास का आखिरी दिन है। इसके अगले दिन से फाल्गुन मास शुरू हो जाएगा।

- सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है।
- यहां माघ में कल्पवास की परंपरा है। एक महीने तक हजारों लोग संगम किनारे रहकर व्रत और रोज संगम में स्नान करते हैं।
- ग्रंथों में उल्लेख है माघी पूर्णिमा पर संयम से रहना, सुबह स्नान करना एवं व्रत, दान करना आदि नियम बनाए गए हैं।
- माघ मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा मघा नक्षत्र में होता है तथा सिंह राशि में स्थित होता है इसलिए यह मास माघ कहलाता है।
- ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है।
- माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।
- जो व्यक्ति इस दिन प्रयाग में गंगा स्नान करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- जो श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में एक मास तक कल्पवास करते हैं। माघी पूर्णिमा पर उनके व्रत का समापन होता है।
- सभी कल्पवासी माघी पूर्णिमा पर माता गंगा की आरती पूजन करके साधु संन्यासियों और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। बची हुई सामग्री का दान कर देवी गंगा से फिर बुलाने का निवेदन कर अपने घर जाते हैं।
- माघ पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त में नदी स्नान करने से रोग दूर होते हैं। इस दिन तिल और कंबल का दान करने से नरक लोक से मुक्ति मिलती है।

माघ पूर्णिमा के सरल उपाय

- सफेद फूल जैसे सफेद गुलाब, चंपा, चमेली, चांदनी कुमुदनी, सफेद मोती, सफेद फल, सफेद चमकीले वस्त्र, सफेद अनाज जैसे चावल, सफेद मिठाई जैसे खीर आदि चंद्रमा और श्रीकृष्ण को अर्पित करें।
- महालक्ष्मी को पीली और लाल सामग्री चढ़ाएं।
- मोर पंख को बांसुरी में बांधकर पूजन करें।
- घी का अखंड दीपक जलाएं। उसमें 4 लौंग रखें।
- घर की पानी रखने की जगह पर स्वास्तिक बनाएं।
- पूर्णिमा की रात में की गई पूजन और आराधना से साल भर के लिए लक्ष्मी और कुबेर की कृपा प्राप्ति होती है। इसके अलावा मनोबल में वृद्धि, स्मरण शक्ति व खूबसूरती में वृद्धि होती है।
- माघ पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। यदि किसी की जन्मकुंडली में यदि चंद्रमा कमजोर है तो वह इस दिन उपाय करके चंद्रमा को मजबूत कर सकता है।

पूर्णिमा का वैज्ञानिक महत्व

पूर्णिमा को वैज्ञानिक रूप से भी अधिक महत्व दिया जाता है क्योंकि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पानी को अपनी और खींचता है। मनुष्य के अंदर भी 70 प्रतिशत पानी की ही मात्रा होती है। अतः पूर्णिमा के दिन मनुष्य का स्वभाव कुछ हद तक परिवर्तित हो जाता है।

धार्मिक महत्व

पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन देवी-देवताओं ने मानव रूप धारण कर गंगा में स्नान किया था। इस दिन घर में सत्यनारायण जी की कथा करना शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण दिखाई देता है। इस दिन किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने से सभी प्रकार के पाप कट जाते हैं।

- यदि कोई व्यक्ति किसी पवित्र नदी के पास नहीं जा सकता तो वह अपने नहाने के पानी में गंगाजल डालकर नहा सकता है। इससे भी स्नान का पूर्ण फल प्राप्त होगा। इस दिन पितरों का तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन आप चाहें तो सत्यनारायण की कथा भी कर सकते हैं।
- इस दिन स्नान करने के बाद पितरों का तर्पण अवश्य करें और पूरे दिन का उपवास रखें।
- इस दिन सूर्योदय से उपवास रख चंद्र दर्शन के बाद समाप्त किया जाता है।
- पूर्णिमा के दिन दान का भी विशेष महत्व है। इसलिए अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी निर्धन व्यक्ति या ब्राह्मण को दान अवश्य दें।
- माघ मास की पूर्णिमा को माघ पूर्णिमा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 27 नक्षत्रों में एक मघा से माघ पूर्णिमा की उत्पत्ति हुई है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक माघ पूर्णिमा पर खुद भगवान विष्णु गंगाजल में वास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का खास महत्व है। प्रयागराज में एक महीने तक चलने वाला कल्पवास का समापन भी माघ पूर्णिमा के दिन ही होता है।
- माघ पूर्णिमा पर सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। विष्णु की पूजा के बाद पितरों के निमित्त तर्पण करें। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े, कंबल, तिल, गुड़, घी, फल और अन्न आदि दान करें। इस दिन सोने और चांदी का भी दान शुभ माना गया है। इसके अलावा इस दिन गौ (गाय) दान करने से विशेष लाभ मिलता है। माघ पूर्णिमा पर व्रत रखना शुभ फलदायक माना गया है। अगर संभव ना हो तो संध्या फलाहार किया जा सकता है। व्रत के दौरान किसी पर गुस्सा करना शुभ नहीं माना गया है। इसके अलावा घरेलू कलह से भी बचना चाहिए। इस तरह माघ पूर्णिमा के व्रत को संयम से रखा जाए तो पुण्य फल प्राप्त होता है।

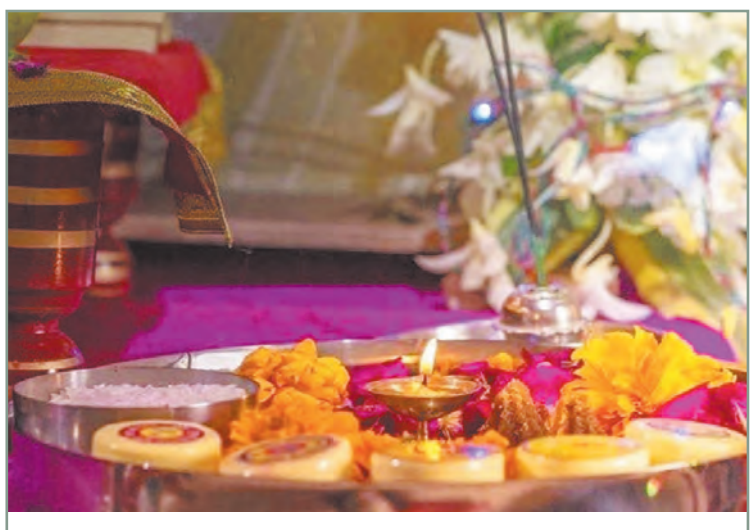

सर्वार्थ सिद्धि योग में माघ पूर्णिमा, इन 3 राशि वालों को अचानक होगा धन लाभ

इस बार माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन रवि पुष्य के साथ-साथ सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार, ये दोनों योग बेहद शुभ होते हैं और इस अवधि में शुभ-मांगलिक कार्य करने से जातकों का भाग्योदय होता है। चूंकि माघ पूर्णिमा पर इन शक्तिशाली योगों का दुर्लभ संयोग बन रहा है, इसलिए भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की उपासना करना भी कल्याणकारी साबित हो सकता है। इसके प्रभाव से साधक के धन-धान्य में वृद्धि, कार्यों में सफलता व उसका भौतिक सुख बढ़ सकता है। वहीं मकर राशि में सूर्य, मंगल, बुध व शुक्र की युति भी बनी हुई है, जिससे कुछ राशियों को लाभ संभव हैं। आइए इन लकी राशियों को जानते है।

क्यों खास है माघ पूर्णिमा

इस साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 1 फरवरी रविवार को सुबह में 5 बजकर 52 मिनट पर प्रारंभ हो रही है।
इस तिथि का समापन 2 फरवरी दिन तड़के 3 बजकर 38 मिनट पर होगा। तिथि के मुताबिक, माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 को मान्य होगी।
इस दिन माघ मेले में पांचवां प्रमुख स्नान भी किया जाएगा।

मेष राशि वालों पर क्या होगा प्रभाव

- आपके लिए समय शुभ रहेगा और खट्टी-मीठी तकरार के साथ प्रेम संबंध सामान्य बने रहेंगे।
- नई नौकरी की प्राप्ति होने से मन खुश रहेगा और आपका प्रमोशन भी तय हो सकता है।
- छात्र वर्ग को परीक्षा-प्रतियोगिता में मनचाहा परिणाम प्राप्त होगा
- लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी।
- मेहनत सही दिशा में लगेगी।
- कामकाज में स्थिर प्रगति देखने को मिलेगी
- करियर में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा।

तुला राशि वालों को होगा लाभ

- तुला राशि वालों के लिए समय और भी भाग्यशाली रहेगा, क्योंकि आपको मनचाहा लाभ बिजनेस में होगा।
- यात्रा के दौरान प्रभावी लोगों के साथ संबंध स्थापित होंगे।
- सिंगल लोगों की लाइफ में मनचाहे व्यक्ति की एंट्री हो सकती है।
- इस समय आपका उत्साह और पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा।
- नए काम की शुरुआत करेंगे और दान-दक्षिणा के कार्य करना शुभ रहेगा।
- प्रशासनिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।
- निवेश से भी अच्छा लाभ होने की पूरी संभावनाएं हैं

मकर राशि वालों के लिए शुभ रहेगा समय

- मकर राशि वालों की प्रेम संबंध में लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ सकती हैं।
- व्यापारी वर्ग के लिए यह समय लाभकारी है।
- इस दौरान व्यापार से जुड़े लोगों को नई नीतियों का लाभ मिलेगा।
- आत्म विकास के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।
- नई नौकरी के प्रयास सफल होते हुए नजर आएंगे।
- कला में निखार व विस्तार के योग बनेंगे।

माघ पूर्णिमा पर दान का पुण्य

सनातन धर्म में दान को सबसे श्रेष्ठ कर्मों में स्थान दिया गया है, और माघ पूर्णिमा पर किया गया दान अत्यंत फलदायी माना गया है। इस दिन श्रद्धा अनुसार ब्राह्मणों तथा दीन-हीन, असहाय, निर्धन लोगों को अन्न और भोजन का दान करने से जीवन में धन-धान्य की वृद्धि होती है। धार्मिक मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन किया गया दान कभी निष्फल नहीं जाता। इससे साधक के जीवन में दरिद्रता, कष्ट और अभाव दूर होते हैं तथा पुण्य का संचय होता है। हिन्दू धर्म में अन्न दान को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। अन्न दान से न केवल भूखे का पेट भरता है, बल्कि दाता के जीवन में भी सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। माघ पूर्णिमा के इस शुभ अवसर पर आप दीन-दु:खी और निर्धन बच्चों को भोजन कराने के सेवा प्रकल्प में सहयोग करें और पुण्य के भागी बनें।

स्नान, दान और पुण्य का बन रहा महासंयोग, मिलेगा मोक्ष का मार्ग

सनातन ग्रंथों में माघ पूर्णिमा का विशेष रूप से उल्लेख मिलता है। इसे अत्यंत पुण्यदायी और मोक्षदायिनी तिथि माना गया है। इसे माघी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। बन रहे महत्वपूर्ण संयोगों के कारण यह विशेष फलदायी हो गया है। इस वर्ष 1 फरवरी यानी रविवार को माघ पूर्णिमा मनाई जाएगी। इस दिन स्नान, दान और जप-तप करने से लोगों के जीवन की परेशानी दूर हो जाती है। कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न होते हैं। परिवार के सदस्यों से संबंध मधुर हो जाते हैं। आत्मिक शांति मिलती है। पुण्यकाल के स्नान और दान का विशेष फल मिलता है।

इस वर्ष बन रहा दुर्लभ योग

माघ पूर्णिमा 2026 पर इस बार रवि-पुष्य योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है। रविवार और पूर्णिमा का मेल प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य और भगवान विष्णु का संयोग है। यह विशेष कृपा दिलाने वाला माना गया है। इस बारे में ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यह योग जातक को धन-धान्य से परिपूर्ण कर देता है। रोग से मुक्ति मिलती है और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

धार्मिक दृष्टिकोण से भी खास

- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवी-देवताओं का गंगा में निवास होता है। ऐसे में गंगा स्नान करने या फिर गंगाजल से स्नान करने से पापों का नाश होता है। दावा तो यहां तक किया गया है कि पूर्व जन्म के खराब कर्मों से भी मुक्ति मिल जाती है। इस दिन स्नान करने के बाद दान करने का विशेष महत्व है।
- इस तिथि को मोक्ष प्रदायिनी तिथि कहा जाता है। प्रयागराज के संगम में तो इस दिन विशेष रूप से स्नान किया जाता है। साधकों के लिए भी यह दिन खास होता है। उनके जीवन को नई दिशा प्राप्त होती है।
- इस दिन चंद्रमा की किरणों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है। इसलिए श्रद्धालुओं को चाहिए कि वे पूर्णिमा की रात चंद्रमा को अर्घ्य दें। इससे आरोग्य की प्राप्ति होगी।
- पुराणों के अनुसार माघी पूर्णिमा के दिन गंगाजल में भगवान विष्णु का निवास होता है। इसलिए इस दिन गंगाजल को छू लेने मात्र से स्वर्ग का सुख प्राप्त होता है। विद्वानों का ऐसा कहना है कि भगवान विष्णु माघ पूर्णिमा के दिन व्रत, उपवास, दान और ध्यान से उतने प्रसन्न नहीं होते जितना इस दिन स्नान करने से। मान्यता है कि माघ में एक बार सभी देवता पृथ्वी पर जरूर आते हैं। वे मनुष्य का रूप धारण कर भजन-सत्संग करते हैं। पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने के बाद अपने-अपने लोक चले जाते हैं।

इस दिन क्या करें दान?

पंडित प्रभात मिश्र कहते हैं कि माघ पूर्णिमा में पुण्यकाल के दौरान किया गया दान अश्वमेध यज्ञ के समान फल देने वाला होता है। इस दिन दान से पितृ दोष भी शांत हो जाता है। आइये जानते हैं कि इस मौके पर दान की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं कौन-कौन सी हैं-

- तिल और गुड़
- ऊनी वस्त्र और कंबल
- अन्न, घी और खिचड़ी
- सोना-चांदी (क्षमता के अनुसार)
- गाय या बछिया (महादान)

मिलता है विशेष फल

- कहा जाता है कि यदि माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय के समय दूध व चीनी को मिला कर जल अर्पित किया जाए तो मन को शांति मिलती है। आर्थिक मजबूती रहती है। घर में आरोग्य की स्थिति रहती है। क्रोध को काबू कर पाना संभव हो पाता है।
- यह न केवल धार्मिक वरन आध्यात्मिक तौर पर भी विशेष महत्व का है। इस दिन जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया कोई भी कर्म विशेष फल देता है।
- माघ पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और ध्यान विशेष फलदायी होता है। इस दिन मोती या चांदी धारण करना और खीर खाना विशेष शुभ माना जाता है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि माघ की पूर्णिमा के दिन नौ ग्रहों की कृपा आसानी से पाई जा सकती है।
- पूर्णिमा के दिन मध्य रात्रि में किया गया ध्यान और उपासना विशेष फलदायी होती है। इससे व्यक्ति को बहुत जल्दी ईश्वरीय कृपा का अनुभव होने लगता है।

छपरा जंक्शन पर 'ऑपरेशन आहट' कारगर, आठ नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू; तीन मानव तस्कर गिरफ्तार

छपरा , एजेंसी। वाराणसी रेल मंडल के छपरा जंक्शन पर ऑपरेशन आहट के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। छपरा जंक्शन की सीआईबी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और एसोसिएशन फॉर वॉलंट्री एक्शन (एवीए) की संयुक्त टीम ने मानव तस्करी के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि बाल मजदूरी के लिए पंजाब ले जाए जा रहे आठ नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई कर्मभूमि एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12407) में की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि उक्त ट्रेन से कुछ नाबालिग बच्चों को मजदूरी के लिए दूसरे राज्य, विशेष रूप से पंजाब, ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर वाराणसी रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त और गोरखपुर के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त (अपराध) के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। ट्रेन के छपरा जंक्शन पर पहुंचते ही संयुक्त टीम ने सघन जांच अभियान चलाया। बाल मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा था जांच के दौरान आठ नाबालिग बच्चों को तीन व्यक्तियों के साथ संदिग्ध स्थिति में पाया गया। पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि बच्चों को जालंधर (पंजाब) में बाल मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा था। इसके बाद मौके से तीनों मानव तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कटिहार निवासी रंजीत कुमार सोनी, मधेपुरा निवासी मोहम्मद कमाल और पूर्णिया निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई है। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे बिहार के कटिहार और पूर्णिया जिलों के विभिन्न गांवों के रहने वाले बताए गए हैं, जिनकी उम्र 13 से 17 वर्ष के बीच है। बच्चों ने पूछताछ में बताया कि उन्हें काम दिलाने के बहाने दूसरे राज्य ले जाया जा रहा था। एवीए के अधिकारियों व कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका इस पूरी कार्रवाई में सीआईबी, रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और एवीए के अधिकारियों व कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरपीएफ छपरा की उप निरीक्षक नंदिनी कुमारी ने बताया कि मामले की विधिसम्मत जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

भोजपुर में धान चोरी के शक में झड़प :दंपती समेत तीन की पिटाई

● शरीर के अलग-अलग हिस्से में लगी चोट

आरा,भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर में धान चोरी के शक से विवाद हुआ। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई, जिसमें एक दंपति समेत तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मामला चौरी थाना क्षेत्र के धनछुहां गांव का है। जख्मियों को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज कराया गया। पीड़ित पक्ष ने गांव के ही चार लोगों पर सामूहिक रूप से हमला करने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोट लगी जख्मी हुए लोगों की पहचान धनछुहां गांव निवासी 55 साल के गणेश रजक, उनकी 50 साल की पत्नी इंदू देवी और 17 साल का बेटा विकास रजक के रूप में हुई है। सभी को शरीर के अलग-अलग हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान पीड़ितों की हालत स्थिर बताई जा रही है। जख्मी गणेश रजक ने बताया कि चार-पांच दिन पहले उनके खलिहान से तीन बोझा धान चोरी हो गया था। चोरी की आशंका को लेकर वह लगातार सतर्क थे। जब वह खलिहान की ओर गए, तभी कुछ लोग वहां पहुंचे और उनके चेहरे पर टॉर्च की रोशनी डालने लगे। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद लोगों ने अचानक लाठी-डंडे से उन पर हमला कर दिया। पत्नी और बेटी को भी बदमाशों ने पीटा गणेश रजक की चीख-पुकार सुनकर उनकी पत्नी इंदू देवी और बेटा विकास रजक बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और दोनों की भी जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में तीनों जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर चौरी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गांव में फिलहाल तनाव की स्थिति बनी हुई है, हालांकि पुलिस की मौजूदगी से हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं।

बिजली खंभे से टकराई कार, ट्रांस फार्मर के नीचे दबी गाड़ी

● सुपौल में चालक फरार, इलाके में घंटों से बिजली आपूर्ति ठप

सुपौल, एजेंसी। सुपौल के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलही चौक के पास शुक्रवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार में जा रही हुंडई कार सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का खंभा टूटकर गिर गया और उस पर लदा ट्रांसफार्मर सीधे कार के ऊपर आ गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा देर रात या अहले सुबह का प्रतीत होता है। सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर सड़क किनारे बिजली खंभे और ट्रांसफार्मर के नीचे दबी कार पर पड़ी तो इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। कार का नंबर बीआर 06 सीडी 7610 बताया जा रहा है, जिससे वाहन की पहचान की जा रही है। कार के अंदर नहीं मिला कोई घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने नदी थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। कार में किसी के फंसे होने की आशंका को देखते हुए आसपास के लोगों ने काफी देर तक इंतजार किया, लेकिन कार के अंदर कोई नहीं मिला। इससे यह स्पष्ट हो गया कि चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया है। हादसे में बिजली खंभा और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने से पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय लोगों को घंटों अंधेरे और परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत विभाग को भी घटना की सूचना दी गई, जिसके बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया गया। ट्रांसफार्मर-बिजली खंभे को पहुंचा नुकसानविद्युत विभाग निर्मली के सहायक अभियंता (एईई) पिंटू कुमार ने बताया कि दुर्घटना में विभाग को भारी क्षति हुई है। ट्रांसफार्मर और बिजली खंभे को नुकसान पहुंचा है, जिसकी क्षति का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा कर बिजली आपूर्ति बहाल की जाएगी।

कैथी लिपि से हिन्दी में अनुवाद का रेट तय अब लोगों को नहीं होगी परेशानी नीतीश सरकार ने कर दी व्यवस्था

पटना, एजेंसी। कैथी लिपि में लिखे पुराने भूमि अभिलेख और दस्तावेज अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण नहीं बनेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने कैथी लिपि के दस्तावेजों के अनुवाद को आसान बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने 29 प्रशिक्षित कैथी लिपि परामर्शदाताओं को सूचीबद्ध कर उनकी सेवाएं राज्य के सभी जिलों में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वर्षों से राज्य के नागरिकों को पुराने भूमि दस्तावेजों के अनुवाद में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विशेषज्ञ परामर्शदाताओं की व्यवस्था की है, ताकि अब किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। यह पहल न केवल राजस्व मामलों के निष्पादन को सरल और पारदर्शी बनाएगी, बल्कि प्रशासन के प्रति आम लोगों का भरोसा भी मजबूत करेगी।

पुराने दस्तावेजों के अनुवाद में दिक्कत हो रही थी–विभागीय सचिव जय सिंह ने इसके लिए राज्य के सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा और उपमुख्यमंत्री के भूमि सुधार जन कल्याण संवाद के दौरान यह बात सामने आई थी कि जिलों में कैथी लिपि के जानकार विशेषज्ञों की कमी है। इससे लोगों को पुराने दस्तावेजों के अनुवाद में भारी दिक्कत हो रही थी। पत्र में यह भी बताया गया है कि विभागीय दक्षता परीक्षा में सफल 29 परामर्शदाताओं को पांच दिवसीय विशेष आवासीय प्रशिक्षण दिया गया है। इन परामर्शदाताओं की सेवाएं विभागीय कार्यों के साथ-साथ आवश्यकता अनुसार जिलों में भी ली जा सकेंगी। इसके अलावा आम नागरिक भी स्वेच्छा से इनकी सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे।

राजस्व से जुड़े मामलों का निपटारा अधिक पारदर्शी हो–अनुवाद शुल्क को लेकर विभाग ने स्पष्ट किया है कि कैथी लिपि से देवनागरी लिपि में अनुवाद के लिए प्रति पृष्ठ 220 रुपये की दर तय की गई है। यह भुगतान सेवा लेने वाले व्यक्ति या संस्थान द्वारा सीधे परामर्शदाता को ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। नकद भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों से अनुरोध किया है कि जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित कैथी लिपि परामर्शदाताओं की सेवाएं ली जाएं, ताकि आम जनता को पुराने दस्तावेजों के अनुवाद में राहत मिल सके और राजस्व से जुड़े मामलों का निपटारा अधिक पारदर्शी और सरल हो सके।

परामर्शदाताओं को कैसे काम मिलेगा?–राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा सूचीबद्ध 29 प्रशिक्षित कैथी लिपि परामर्शदाताओं को जिलों की जिम्मेवारी सौंपी गई है। जिला प्रशासन, विभागीय कार्यालय या आवश्यकता पड़ने पर आम नागरिक सीधे इन परामर्शदाताओं से अनुवाद कार्य ले सकेंगे।

परामर्शदाताओं को क्या करना होगा?–परामर्शदाता को कैथी लिपि में लिखे दस्तावेजों का सही और प्रमाणिक रूप से देवनागरी लिपि में अनुवाद करना होगा। अनुवाद कार्य विभागीय मामलों के साथ-साथ आम नागरिकों के दस्तावेजों के लिए भी किया जा सकेगा।

आम लोग कैसे भुगतान करेंगे?–अनुवाद के लिए प्रति पृष्ठ 220 रुपये की निर्धारित दर लागू होगी। भुगतान सीधे सेवा लेने वाले संस्थान या आम नागरिक द्वारा ऑनलाइन माध्यम से परामर्शदाता के खाते में किया जाएगा। अनुवाद शुल्क का नकद भुगतान मान्य नहीं होगा। सभी भुगतान डिजिटल माध्यम से ही किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर की दुकान में चोरी लैपटॉप-कैश लेकर भागे

पेट्रोल डाल ताला तोड़ने की कोशिश

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में गुरुवार रात बदमाशों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामला सारे थाना क्षेत्र के बहादी बीघा गांव के पास की है। चोरों ने बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर की दुकान को अपना निशाना बनाया है। बहादी बीघा स्थित मां भगवती ट्रेडर्स में करकट तोड़ कर बदमाशों ने लैपटॉप, नगद और हिसाब-किताब की डायरी की चोरी कर ली है। मां भगवती ट्रेडर्स के प्रोपराइटर अखिलेश कुमार ने बताया कि गुरुवार शाम वह अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह जब वह दुकान खोलने के लिए पहुंचे, तो दरवाजा खुला हुआ था और एक ईंट के सहारे उसे बंद कर रखा गया था। जैसे ही ईंट को हटाकर अंदर देखा, तो दुकान का करकट टूटा हुआ था और अंदर रखा लैपटॉप, 23 हजार नगद और 20 लाख का लेखा-जोखा का डायरी भी गायब था।पेट्रोल डाल ताला तोड़ने का किया प्रयासअखिलेश कुमार ने बताया कि पहले गेट का ताला आसानी से टूट गया। जिसके बाद दूसरे गेट में लगे ताले को तोड़ने के लिए पेट्रोल का इस्तेमाल किया गया। जब दूसरे गेट का ताला नहीं टूटा, तो दुकान के पीछे से जाकर करकट तोड़ दुकान के अंदर प्रवेश कर गए और गोदरेज के अंदर रखा नगदी, लैपटॉप और डायरी चोरी कर फरार हो गए। दुकान के अंदर सामानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। मुख्य सड़क के किनारे ही दुकान है। बावजूद बड़े ही आराम से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया

सारे थाना अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है, पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ कर खुलासा कर लिया जाएगा।

देर रात रेलिंग तोड़ नहर में गिरी कार, दो लोगों की मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना देवरिया थाना क्षेत्र के देवरिया रोड स्थित एकम्मा चौक के पास तिरहुत नहर पर बने संकरे पुल के पास हुई। देर रात करीब एक बजे कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। इसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। देवरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई है। कार को नहर से बाहर निकालने के लिए क्रेन मंगाई गई, जिसकी मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल काफी संकरा और जर्जर हालत में था। अंधेरा और तेज रफ्तार हादसे की बड़ी वजह मानी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल की मरम्मत की मांग पहले से की जा रही थी, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। यदि पुल मजबूत होता तो शायद यह हादसा नहीं होता।

कार सवार दोनों लोगों की डूबने से मौत–देवरिया थाना प्रभारी मनोज कुमार साह ने बताया कि कार पुल की रेलिंग तोड़कर तिरहुत नहर में गिर गई थी। इस हादसे में कार सवार दोनों लोगों की डूबने से मौत हो गई है। शवों को बाहर निकाल लिया गया है और उनकी पहचान कर ली गई है। दोनों मृतक पटना में बिजली विभाग में कार्यरत बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सुबह लोगों ने नहर में कार गिरी देखी–गुरुवार देर रात जेई सन्नी कुमार स्टाफ अफजल कुमार के साथ कहीं जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 1-2 बजे के आसपास उनकी कार वैशाली नहर में जा गिरी। रात का वक्त था, इसलिए मदद नहीं मिल पाई। सन्नी और अफजल गाड़ी के साथ रातभर नहर में ही रहे। सुबह जब गांव वालों ने नहर में पड़ी कार देखी तो आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के आने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

क्रेन की मदद से कार को निकाला गया–नहर में पानी ज्यादा था, इसलिए सन्नी और अफजल गाड़ी के गेट नहीं खोल पाए। कार के अंदर ही दम घुटने से उनकी मौत हो गई। सुबह क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। फ्रंट सीट पर सन्नी और पीछे वाली सीट पर अफजल की बॉडी पड़ी मिली। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

रातभर गाड़ी से निकलने की कोशिश करते रहे–कार के अंदर पूरा सामान बिखरा हुआ है। फ्रंट ग्लास भी थोड़ा क्रेक हुआ है। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि सन्नी और अफजल दोनों ने मौत से पहले कार से बाहर निकलने के लिए हर संभव कोशिश की। पीछे वाली सीट के हैंडल भी टूटे मिले हैं। बताया जा रहा है कि उसके लोहे से दोनों ने गाड़ी के शीशे तोड़ने की कोशिश की होगी।

मिठनपुरा इलाके के रहने वाले थे दोनों–पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में रहकर ड्यूटी करते थे। घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिजनों को जानकारी दी है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। देवरिया थानाध्यक्ष मनोज कुमार साह ने बताया कि 'शुरूआती जांच में यह सड़क हादसे का मामला लग रहा है। संभवतः कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और उनके पहुंचने के बाद दिए गए बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि हादसा किस समय हुआ और कार की स्पीड कितनी थी।'

बेगूसराय में इंटर परीक्षा के लिए बनाए गए 39 केंद्र

37,935 परीक्षार्थी शामिल होंगे, छात्राओं की संख्या छात्रों से 5 हजार अधिक ; जूता पहनने पर रोक

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारी कर ली हैं। परीक्षा 2 से 13 फरवरी 39 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। जिसमें 16480 छात्र एवं 21455 छात्रा सहित 37935 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

परीक्षा प्रथम पाली में 09:30 बजे से 12:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली में 02:00 बजे से 05:15 बजे तक संचालित होगी। दोनों पालियों में परीक्षा प्रारंभ होने से पहले 15 मिनट का कूल-ऑफ समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा की शुरुआत 2 फरवरी को प्रथम पाली में जीव विज्ञान तथा द्वितीय पाली में अर्थशास्त्र विषय से होगी।

बेगूसराय अनुमंडल में 22 केंद्रों पर 24490 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे–कुल 39 परीक्षा केंद्र में सबसे अधिक बेगूसराय

अनुमंडल में 22 केंद्रों पर 24490 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। तेघड़ा अनुमंडल में 5 केंद्रों पर 4775, मंझौल अनुमंडल में 4 केंद्रों पर 2317, बखरी अनुमंडल में 4 केंद्रों पर 2705 तथा बलिया अनुमंडल में 4 केंद्रों पर 3,648 परीक्षार्थियों को आवंटित किया गया है। विधि-व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों पर धारा-144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगा। परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट, कॉपियर एवं डुप्लीकेटर के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा।

परीक्षा शुरू होने के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में एंट्री नहीं– मुख्य द्वार पर सघन तलाशी ली जाएगी, जबकि महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला कर्मियों द्वारा सुरक्षित घेरे में की जाएगी। परीक्षा शुरू होने के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा केंद्रों के भीतर जूता-मोजा पहनकर प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षार्थियों को केवल चप्पल पहनकर ही प्रवेश की अनुमति होगी।

मोबाइल फोन सहित कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध परीक्षार्थियों के साथ-साथ वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों पर भी लागू होगा। प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी निकासी एवं खोलने की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। प्रथम पाली के प्रश्न-पत्र 8:00 बजे से पहले तथा द्वितीय पाली के प्रश्न-पत्र 11:30 बजे से पूर्व किसी भी स्थिति में नहीं निकाले जाएंगे। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने कहा है परीक्षा कार्य में शामिल सभी पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को इन्टरमीडिएट परीक्षा सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने का आदेश दिया गया है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पी.एम.सी.एच. को मिला नया अधीक्षक डॉ.राजीव कुमार सिंह संभालेंगे कमान

पटना, एजेंसी। सरकार ने पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का नया अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह को बनाया है। डॉ. राजीव कुमार सिंह 31 जनवरी को पीएमसीएच पटना में पदभार ग्रहण करेंगे। डॉ. राजीव पीएमसीएच पटना में फिजियोलॉजी विभाग में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं। दो बार एक्सटेंशन लेकर इस पद पर बने रहे डॉ. आई.एस. ठाकुर को इस बार सरकार ने आगे एक्सटेंशन नहीं दिया, क्योंकि वे कई तरह के विवादों में घिर गए थे। भागलपुर मेडिकल कॉलेज से किया एमबीबीएस डॉ. राजीव कुमार सिंह बेगूसराय के रहने वाले हैं। पिता स्वर्गीय बंगाली सिंह मालतीधारी कॉलेज नौबतपुर में प्रिंसिपल थे। तीन भाईयों में बड़े भाई डॉ. रंजन कुमार सिंह गया में सिविल सर्जन से रिटायर हुए हैं। सबसे छोटे भाई राकेश सिन्हा बीजेपी से राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं।

डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रारंभिक पढ़ाई नौबतपुर से की। पीएमसीएच से पोस्ट ग्रेजुएट किया और भागलपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की। वर्ष 2010 में पीएमसीएच ज्वाइन किया।

अस्पताल को अंतरराष्ट्रीय पहचान देना चाहते हैं नीतीश कुमार पीएमसीएच को 5400 बेड का अस्पताल बनाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस अस्पताल को अंतरराष्ट्रीय पहचान देना चाहते हैं। इसलिए भव्य बिल्डिंग ही नहीं बनी है, बल्कि यहां डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्टाफ की खाली पदों को सरकार भरने वाली है। इस अस्पताल में बिहार के मरीजों का बेहतर इलाज हो सके इसलिए सरकार ने ईमानदार छवि वाले डॉक्टर राजीव कुमार सिंह को अधीक्षक बनाया है।

सूरज बिहारी हत्याकांड: पुलिस को मिली पहली सफलता, एक आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में चर्चित युवा व्यवसायी और ब्लॉगर सूरज बिहारी हत्याकांड में पुलिस को पहली बड़ी सफलता मिली है। घटना के बाद से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित विशेष जांच टीम (SIT) ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल कुमार के रूप में हुई है, जिसके पास से एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया है। मरंगा थानाध्यक्ष कौशल कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी नेवालाल चौक के पास 56-55 गांव में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की और विशाल कुमार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोडेड हथियार बरामद किया गया, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस आरोपी से कड़ी पूछताछ कर रही है, ताकि हत्याकांड में शामिल अन्य मुख्य आरोपियों स्नेहिल

झा, ब्रजेश सिंह और नंदू सिंह के ठिकानों का पता लगाया जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस गिरफ्तारी से मामले की कई अहम कड़ियां जुड़ने लगी हैं और जल्द ही अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी भी संभव है।गौरतलब है कि सूरज बिहारी हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तीन अलग-अलग विशेष जांच टीमें गठित की गई थीं। दर्ज प्राथमिकी में ब्रजेश सिंह, नंदू सिंह, स्नेहिल झा, आदित्य, अमन सिंह, रजनीश सिंह, मेत तीन अज्ञात आरोपियों को नामजद किया गया है।मक्का व्यापार से जुड़े 18 गोदामों के मालिक थे बताया जाता है कि मात्र 28 वर्ष की उम्र में सूरज बिहारी लगभग 15 करोड़ रुपये के वार्षिक टर्नओवर वाले व्यवसाय का संचालन कर रहे थे। वे मक्का व्यापार से जुड़े 18 गोदामों के मालिक थे और रियल एस्टेट व बिल्डिंग मैटेरियल के कारोबार में भी सक्रिय थे। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर वे अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल के कारण काफी चर्चित थे। सूरज करीब ढाई करोड़ रुपये की डिफेंडर कार में चलते थे और निजी सुरक्षा गार्ड भी रखते थे। सूरज बिहारी की हत्या से सूरज बिहारी की हत्या के बाद से पूरे शहर में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकालकर जल्द न्याय की मांग की है। पुलिस पर बढ़ते दबाव के बीच विशाल कुमार की गिरफ्तारी को जांच की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। थानाध्यक्ष ने भरोसा दिलाया है कि पुलिस मामले की तह तक जाकर सभी दोषियों को गिरफ्तार करेगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

बेगूसराय में घर के ऊपर 11 हजार वोल्ट तार गुजरा

● बिजली विभाग से हटाने की मांग, ग्रामीण बोले- अबादी से इसे गुजारना ठीक नहीं

बेगूसराय, एजेंसी। प्रखंड की सावंत पंचायत के वार्ड संख्या 13 निवासी कैलाश महतो ने अपने आवासीय घर के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाई वोल्टेज बिजली तार को हटाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने बेगूसराय स्थित बिजली विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय में लिखित आवेदन दिया है। कैलाश महतो ने बताया कि उच्च वोल्टेज तार उनके घर के ठीक ऊपर से गुजर रहा है, जिससे परिवार लगातार भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहा है। उन्हें आशंका है कि किसी भी समय तार टूटने या करंट प्रवाहित होने से बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे जान-माल की क्षति की संभावना बनी रहती है। मरम्मत और निर्माण कार्य भी ठप आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया है कि उनका मकान खाता संख्या 73 और खेसरा संख्या 27.98 की जमीन पर स्थित है। घर के ऊपर से गुजर रहे इस तार के कारण वे मकान की मरम्मत तक नहीं करा पा रहे हैं और किसी तरह का नया निर्माण कार्य भी संभव नहीं हो पा रहा। बारिश, तेज हवा और आंधी के समय परिवार की चिंता और बढ़ जाती है। सुरक्षित दूरी पर शिफ्ट करने की मांग कैलाश महतो ने बिजली विभाग से आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 11 हजार वोल्ट के तार को उनके घर के ऊपर से हटाकर सुरक्षित दूरी पर स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसा होने से उनके परिवार को राहत मिलेगी और संभावित दुर्घटना का खतरा टल सकेगा।

विचार-मंथन

संपादकीय

मासूमियत पर भारी पड़ता 'पढ़ाई का खौफ', फरीदाबाद कांड से सबक लें

हमारे समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि डर, डांट और मारपीट से बच्चे के भीतर कमियों में सुधार लाया जा सकता है। पढ़ाई के मामले में कई बार विद्यालयों और यहां तक कि घर-परिवार में भी इसी तरह के प्रयास किए जाते हैं। हालांकि, शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के दौरान बच्चों के साथ आक्रामक व्यवहार पर कानूनी रूप से पाबंदी है, फिर भी ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं।विद्यालय में अगर किसी बच्चे के साथ मारपीट होती है, तो उसे उम्मीद और भरोसा होता है कि उसके अभिभावक सुरक्षा के लिए आगे आएंगे। मगर जब कोई अभिभावक ही पढ़ाई के लिए अपने बच्चे से मारपीट करने लगे, तो उसे किस तरह की मानसिकता कहा जाएगा। हरियाणा के फरीदाबाद में हाल ही में एक ऐसी ही घटना सामने आई, जिसने सामाजिक एवं पारिवारिक संवेदनाओं और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खबरों के मुताबिक, एक पिता ने अपनी चार वर्षीय बेटी को घर पर पढ़ाते समय पचास तक गिनती न लिख पाने के कारण इस कदर पीटा कि उसकी मौत हो गई। यह गंभीर चिंता का विषय है कि इस तरह की धारणा कैसे बना ली जाती है कि भय या मारपीट से बच्चों में पढ़ने-लिखने की क्षमता बढ़ जाती है। जबकि विभिन्न शोध और अध्ययनों से यह साबित हो चुका है कि किसी भी तरह की आक्रामकता का बच्चों पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चों में याददाश्त, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है, जिससे वे पढ़ाई में और भी ज्यादा पिछड़ जाते हैं। कई बार बच्चों के भीतर ऐसा खौफ पैदा हो जाता है, जो आगे चलकर अवसाद या अन्य तरह के मनोविकार का कारण बन सकता है। ऐसे में इस बात का खयाल रखना बेहद जरूरी है कि बच्चों को किसी भी रूप में हिंसक प्रवृत्ति का सामना न करना पड़े। अगर कोई बच्चा किसी एक तरीके से नहीं समझ पा रहा है, तो उसे दूसरे मनोवैज्ञानिक तरीके से समझाने की कोशिश की जानी चाहिए, क्योंकि सुरक्षित, स्नेहपूर्ण तथा भय एवं तनावमुक्त माहौल में ही बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास संभव हो पाता है।

हिमालय में बर्फबारी की देरी ने डराया, जलवायु परिवर्तन की दस्तक और भविष्य का संकट

आमतौर पर तापमान में थोड़े उतार-चढ़ाव को मौसम के लिहाज से एक सामान्य स्थिति माना जाता है, लेकिन इस वर्ष हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी में जिस तरह की देरी देखी गई, उस पर स्वाभाविक ही पर्यावरणविदों का ध्यान गया है। हालांकि अब पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश हुई है और इसकी वजह से देश के मैदानी क्षेत्रों में भी तापमान में गिरावट की संभावना जताई गई है। मगर इस वर्ष पहाड़ी राज्यों में जिस तरह मौसम के मिजाज में बदलाव देखा गया, बर्फबारी की सामान्य अवधि में देरी हुई, उसका सीधा संकेत यही था कि अब जलवायु परिवर्तन का असर प्रत्यक्ष रूप में सामने आने लगा है। दरअसल, लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में वर्ष का पहला हिमपात हुआ। इसी तरह हिमाचल प्रदेश के शिमला और कश्मीर में भी उम्मीद के मुकाबले करीब दो महीनों की देरी के बाद पहली बर्फबारी हुई। इसकी वजह से कड़ाके की ठंड अपने ज्यादा असर के साथ वापस लौट आई। हिमालयी प्रदेशों में आमतौर पर नवंबर-दिसंबर में इस तरह के मौसम की संभावना होती है। इसे एक सामान्य चक्र माना जाता है, जिसके असर से दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों में ठंड बढ़ती है। मगर इस बार अब जाकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में बर्फबारी हुई है और इसके मद्देनजर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों के न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री गिरावट होने की संभावना जताई है। जाहिर है, इन क्षेत्रों में एक बार फिर कुछ दिनों के लिए कड़ाके की ठंड लौट सकती है और इसी के मुताबिक लोगों को थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत पड़ेगी। मौसम की अपनी गति होती है और कई कारणों से उसकी अवधि आगे-पीछे हो सकती है।अगर इसके पीछे वजहें प्राकृतिक हों, तो यह ज्यादा चिंता की बात नहीं होती। मगर इससे इतर इस बार जिस तरह हिमालय के बड़े इलाके में बर्फबारी में दर्ज करने वाली गिरावट या कमी देखी गई, उससे साफ है कि वैश्विक ताप के नतीजे अब अपने व्यापक रूप में सामने आने लगे हैं।

बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए।

अजित पवारः आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

(ललित गर्ग)

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें? जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है। अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही।

कहीं भारी न पड़ जाए गाइडलाइन पर गुस्सा

(उमेश चतुर्वेदी)

इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव ग़लत माना गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के ख़िलाफ़ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके ज़रिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है। दरअसल नए नियमों में जातिगत भेदभाव का मतलब केवल अनुसूचित जाति यानी एससी, अनुसूचित जनजाति यानी एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के खिलाफ भेदभाव बताया गया है। विवाद इसी को लेकर है । सामान्य वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों का आरोप है कि यह परिभाषा एकतरफा है और इसमें सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव या झूठी शिकायतों का कोई जिक्र नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ़ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके ज़रिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है। इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव ग़लत माना गया है। इस नियम में शिक्षा में समानता को बाधित करने वाले या मानवीय गरिमा का उल्लंघन करने वाले हर काम को ग़लत माना गया है। इस गाइडलाइन के तहत हर उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र यानी ईओसी स्थापित करना जरूरी होगा। इस केंद्र का उद्देश्य संस्थान में समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुँच को बढ़ावा देना तो होगा ही, साथ ही शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना भी होगा। इस गाइडलाइन के अनुसार, हर संस्थान को ईओसी के तहत एक समता समिति बनानी होगी, जिसका अध्यक्षता संस्थान का प्रमुख होगा । समिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग व्यक्ति और महिला का प्रतिनिधित्व जरूरी होगा , ताकि समावेशी निर्णय-प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। सामान्य वर्ग की आशंका की वजह है, पहले से लागू एससी और एसटी कानून, जिसके गलत इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है। उसके तहत बिना वजह झूठे आरोपों के चलते सामान्य जीवन ही नहीं, बल्कि सरकारी दफ्तरों तक में सामान्य वर्ग के लोगों के ख़िलाफ़ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें बिना वजह प्रताड़ना और गिरफ्तारी तक झेलनी पड़ी है। उसी आलोक में यूजीसी के इस नए नियम का विरोध हो रहा है ।आलोचकों का मानना है कि इस नियम के मुताबिक़ जो इक्विटी कमेटियां यानी समानता समितियां बनेंगी, वे शायद ही निष्पक्ष रहे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5989

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5988

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

आज का राशिफल

मेष

राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी आपके लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। सायंकाल के समय अतिथियों के आगमन से खर्चा बढ़ेगा। आज आपके जन्म स्थान से तृतीय चन्द्रमा, तथा द्वादश शनि मंगल, का योग बना हुआ है। अच्छे परिणाम के लिए रुद्राभिषेक सोमवार को कराते रहें।

वृष

आज राशि का स्वामी शुक्र-बुध के साथ नवम भाव में कोई नई परेशानी पैदा करेगा। कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखें। कला व साहित्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग के सहयोग से व्यवसाय में प्रगति होगी। सायंकाल से रात्रि तक शुभ कार्य में खर्चा होगा।

मिथुन

नवम भाव में कुंभ राशि का राहु और द्वितीय कोष लग्न केन्द्र भाव में बृहस्पति होने के कारण आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी।

कर्क

राशि का स्वामी मंगल अपनी उच्च राशि पर और चन्द्रमा मिथुन राशि अष्टम भाव में संचार कर रहा है। एकादश चन्द्र श्री कुर्यात-मन संतोष द्वितीयक' प्रमाण के अनुसार आज आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। व्यवसाय में अच्छे अवसर मिलेंगे। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में परिश्रम, साहस की आवश्यकता है। शत्रु पक्ष कमजोर होगा।

सिंह

राशि का स्वामी कर्क में तथा प्रथम लग्न प्रमुख केन्द्र भाव में राहु राज्य विजय कारक है। आज आप अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। परिवार में भी आपके प्रति प्रेम व आदर की भावना बढ़ेगी। देव, गुरु, ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना में इच्छित कार्यों की सफलता में चल रहा व्यवधान समाप्त हो जाएगा। रात्रि के समय किसी मंगल कार्य में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।ड्ड

कन्या

आज नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी। बड़े बुजुर्ग कार्यक्षेत्र में हर प्रकार की मदद करेंगे। खर्चों में कटौती करें नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है। कला-क्रीड़ा व साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधा दूर होने की संभावना है।

तुला

दिन के पूर्वार्ध में पारिवारिक जीवन में कुछ खटपट रहेगी। साहस व धैर्य से काम लेना होगा, किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। लेनदारियां वापिस आने का समय है। सायंकाल में दूर या पास की यात्रा का योग है।

वृश्चिक

आज आपकी राशि का स्वामी बुध पंचम भाव में संचार कर रहा है। राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। परिवार में संपत्ति को लेकर भी कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। सायंकाल के समय व्यापार में कुछ की आशा बंधेगी, जिसका आपको आगे चलकर अत्यन्त फायदा होगा।

मकर

आज आपको संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा। नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे। कोई झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि पर्यन्त यात्रा का योग है, उसमें खास कर चौकन्ने रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में लाभ होगा। सायंकाल से रात्रि तक पुत्र व पुत्री के लिए विवाह के रिश्ते आएंगे।

कुंभ

आपकी राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में और राशि से षष्ठम भाव मिथुन राशि का ही गुरु आज आपको सुव्यवस्था का कोई कार्य सौपेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे। शिक्षा क्षेत्र में विशेष प्रगति होकर समाज में सम्मान मिलेगा। सिंह राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रखे तो उसे अस्वीकार कर दें।

धनु

मिथुन राशि का चन्द्रमा नवम भाग्य भाव केंद्र में आज पराक्रम व धन की वृद्धि करेगा। न्यायालयीय मामलों में विजय होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता के शीर्ष पर पहुंचेंगे। अचल संपत्ति के व्यापार से लाभ होगा। संतान की सफलता के समाचार से आप आनन्दित होंगे। सायंकाल के समय किसी नए कार्य का आरंभ होगा। समाज में सम्मान मिलेगा।

मीन

चन्द्रमा पंचम भाव में मिथुन राशि पर संचार कर रहा है। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्जा भी लेना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप रहेगी। आप अपनी कार्यकुशलता से औरों को प्रभावित करेंगे। सायंकाल के समय कोई विशेष कार्य निपट जाने से उत्साह बढ़ेगा।

वर्ग पहेली 5989

संकेतः बाएं से दाएं
1. विम्बल्डन टेनिस में अपनी जीत दर्ज कराने वाली प्रथम भारतीय महिला (5)
4. चंद्रमा के पुत्र जो नवग्रहों में से एक है (2)
6. जो भाग्य में लिखा हो, प्रारब्ध (2)
7. प्रेमी, सनम, बलामा (3)
8. इंकृत होना, इंकारना (4)
10. दिन, दिवस (2)
11. रपटन, फिसलाहट, आलुभन (4)
13. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
15. आरूढ़, एक संगीत वर्ण (3)
16. दंडादेश, अलंकृत (2)
19. अवाम, पब्लिक, रैयत (2)
21. सन् 2015 की सुपरहिट फिल्मों में से एक (4)
22. मिट्टी खोदने का एक फावडेनुमा औजार (3)

ऊपर से नीचे
1. गुजरात की एक प्रसिद्ध नदी जिसके किनारे अहमदाबाद व गांधीगन जैसे नगर बसे हुए है (5)
2. उपपति, समाधान, निराकण (3)
3. प्राप्त हुआ, उपलब्ध होना, समाविष्ट होना, सादृश्य होना (3)
4. कायर, डरपोक, भीरू (4)
5. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस, धनपति (4)
9. व्याकरण में वह शब्द जिसके वाक्य पर कर्ता की क्रिया का प्रभाव पड़े, वह जो किया जावे (2)
11. कांच के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है उत्तर प्रदेश का यह नगर विशेषतः चूड़ी बनाने के लिए (5)
12. दस्तखत, हस्ताक्षर, हकीकत (2)
14. सरगम फिल्म से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री जो इन दिनों राजनीति में सक्रिय है (4)
15. अग्नि, आंच, अंचति, हुतभोजी (2)
17. कारण, हेतु (3)
18. नकली, कूटकृत, नेट, मैश (2)
20. षड्यंत्र, कूटयुक्ति, पुशपाश (2)

वर्ग पहेली 5988 का हल

अ	नि	ल	अं	बा	नी	■	वि
का	जी	■	ग	ल	■	वि	श्व
ल	■	मो	द	क	■	ला	ना
ग्र	ह	■	■	■	श	प	थ
स्त	न	हा	र	■	मी	■	न
■	न	ल	क	■	म	हु	आ
बु	■	■	मी	ना	■	■	नं
त	स्वी	र	■	म	क	स	द

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

मालविका मोहनन ने दिया तमिल और तेलुगू एक्ट्रेसेस की डायलॉग डिलिवरी पर विवादास्पद बयान

द राजा साब की एक्ट्रेस मालविका मोहनन सोशल मीडिया पर अचानक ट्रेंड हो रही हैं। तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी, सभी पांच इंडस्ट्री में अपनी धमक दिखा चुकी यह हसीना अपने एक हालिया कमेंट के बाद ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने एक हालिया इंटरव्यू में बिना नाम लिए तमिल और तेलुगू एक्ट्रेसेस की डायलॉग डिलिवरी पर विवादास्पद बयान दे दिया। 32 साल की मालविका ने दावा किया कि कई एक्ट्रेस अपने डायलॉग की लाइन्स भी ठीक से नहीं बोल पाती हैं। वह सिर्फ रटे-रटाए एक्सप्रेशंस देती हैं।

बॉलीवुड में युद्रा और बियॉन्ड द क्लाउड्स में नजर आईं मालविका के ये बोल सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आए। कई यूजर्स ने उनके इस नजरिए की आलोचना की। इंडस्ट्री में उनके अब तक के काम पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। मालविका मोहनन के हालिया इंटरव्यू के वीडियोज वायरल हो रहे हैं। उन्होंने गैलाटा प्लस से बातचीत में कहा, तमिल और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में, काफी समय से मैं कुछ ऐसी एक्ट्रेस को जानती हूं जो अपनी लाइन्स देखने की भी परवाह नहीं करतीं। थलपति विजय के साथ मास्टर में काम कर चुकी एक्ट्रेस ने आगे बिना नाम लिए रटे-रटाए एक्सप्रेशंस का जिक्र किया और कहा, अगर आप गुस्से में हैं और अपने लवर से ज्यादा गुस्से में हैं, तो आप A,B,C, D बोलती हैं, क्योंकि डबिंग में वह किसी पॉइंट पर अपने होंठ डायलॉग्स से मैच कर लेंगी। यह कोई एक बार की घटना नहीं है। ऐसे एक्टर्स हैं, जिन्होंने अपने पूरे करियर में सिर्फ ऐसा ही किया है।

मालविका के इस बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया दो गुट में बंट गया है। कुछ यूजर्स उनकी आलोचना कर रहे हैं। जबकि कुछ फैंस उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने मालविका के हालिया परफॉर्मेंस, खासकर मास्टर और द राजा साब जैसी फिल्मों में उनके काम का जिक्र किया है। एक यूजर ने लिखा, मास्टर में मालविका मोहनन की एक्टिंग को सभी ने उनके एक्सप्रेशंस के लिए ट्रोल किया था। लेकिन अब वह दूसरों पर कमेंट कर रही हैं। क्या ही कलयुग है। एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने पोस्ट किया, उन्हें अपनी ही यह सलाह खुद के लिए भी माननी चाहिए।

मैं प्रिंस की परछाई नहीं, अपनी पहचान के साथ उतरूंगी

रियलिटी टीवी की दुनिया में एक बड़ा शो द 50 की चर्चा जोरों पर है। इस शो में दर्शकों को एक तरफ जहां प्रिंस नरूला जैसे दिग्गज रियलिटी स्टार देखने को मिलेंगे, वहीं दूसरी तरफ उनकी पत्नी और अभिनेत्री युविका चौधरी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने जा रही हैं। इस बार युविका सिर्फ प्रिंस की पत्नी बनकर नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान और सोच के साथ दर्शकों के सामने आने को तैयार हैं। युविका चौधरी ने द 50 को अपने लिए खुद को साबित करने का एक बड़ा मौका बताया। उन्होंने कहा, मैं बेशक अपने पति प्रिंस नरूला के साथ रियलिटी शो में जा रही हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं किसी की परछाई हूं। कुछ मौकों पर प्रिंस का अनुभव मुझे सहारा देगा, लेकिन कई जगह मैं अपना खेल खुद खेलूंगी। यह शो हम दोनों के लिए एक साझा मंच जरूर है, लेकिन सोच और फैसलों में पूरी आजादी भी है। युविका ने कहा, शो के दौरान कई बार ऐसा होगा जब मेरे और प्रिंस के विचार बिल्कुल अलग होंगे। मतभेद होना किसी रिश्ते की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई है। यही फर्क दर्शकों को स्क्रीन पर भी दिखाई देगा। मेरी अलग राय और फैसले मुझे शो में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में पेश करेंगे। अपने रिश्ते की बात करें तो युविका ने कहा कि प्रिंस और मैं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हम अपनी-अपनी जगह बहुत क्लीयर हैं। प्रिंस अपने फैसले खुद लेते हैं और मैं अपने। दोनों एक-दूसरे के निजी फैसलों में दखल नहीं देते। कई बार मैं प्रिंस की नहीं सुनती और प्रिंस मेरी नहीं सुनते, लेकिन यही आपसी समझ की सबसे बड़ी ताकत है। रियलिटी शो में दर्शक हर छोटी-बड़ी बात पर नजर रखते हैं। इस पर युविका ने कहा, अगर इंसान खुद जैसा है वैसा ही रहे, तो किसी तरह की छवि बनाने या संभालने की जरूरत नहीं होती। मैं अब अपनी जिंदगी के उस मुकाम पर हूं, जहां डर या झिझक की जगह नहीं है। युविका ने कहा, द 50 मेरे लिए एक सुनहरा अवसर है और मैं इसे आधे मन से नहीं जीना चाहती। मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझे बिना किसी बनावट के देखें। खुद को रोकना या नकली व्यवहार करना इस मौके के साथ नाइंसाफी होगी। इसलिए मैं पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ शो का हिस्सा बनना चाहती हूं। जब उनसे पूछा कि शो के बाहर लोग उनके और प्रिंस के रिश्ते को कैसे समझेंगे, तो युविका ने कहा, जो कुछ स्क्रीन पर दिखेगा, वही हमारी असल जिंदगी की झलक होगी। मैं किसी तरह का दिखावा या भ्रम पैदा नहीं करना चाहती। मैं और प्रिंस दोनों अपने रिश्ते और सोच को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं और इसी सच्चाई के साथ दर्शकों के सामने आएंगे।

मेरे लिए एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है। फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

शब्द नहीं, भावनाएँ बोलेंगी- अदिति राव हैदरी की गांधी टॉक्स

अदिति राव हैदरी अपनी अगली फिल्म गांधी टॉक्स के साथ अब तक का सबसे अलग कदम उठा रही हैं। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है और कहानी पूरी तरह भावनाओं और अभिनय के ज़रिए आगे बढ़ती है। अदिति उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो चलन के पीछे भागती हैं। उन्होंने हमेशा ऐसी फिल्में चुनी हैं जहाँ अभिनय और कहानी को ज़्यादा अहमियत दी गई हो। गांधी टॉक्स भी उसी सोच का हिस्सा है। इस फिल्म में अदिति को बिना संवाद के अपने चेहरे, आँखों और भावों के ज़रिए किरदार निभाते देखा जाएगा। साइलेंट फिल्म में कलाकार के पास छुपने की कोई जगह नहीं होती, और अदिति इस चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाती नज़र आती हैं। ल्म में उनके साथ विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री साफ़ नज़र आती है। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है, जबकि निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है। गांधी टॉक्स भले ही एक अलग तरह की फिल्म हो, लेकिन अदिति राव हैदरी के करियर को देखते हुए यह फैसला बिल्कुल स्वाभाविक लगता है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को दुनियाभर में रिलीज़ होगी।

'दलदल' के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा,समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा,मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं। 'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं। 21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज़ विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है और इसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। इसके निर्माता विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी हैं।

विशाल भारद्वाज ने शाहिद कपूर के साथ अनबन की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज एक बार फिर साथ में फिल्म ओ रोमियो लेकर आ रहे हैं। कई साल से शाहिद कपूर और निर्देशक विशाल भारद्वाज के बीच नाराजगी या अनबन की अफवाहें चल रही हैं। अब विशाल ने इस पर खुलकर बात की है और अफवाहों को गलत बताया है।

शाहिद के बारे में विशाल की राय

विशाल ने मुंबई में अपनी नई फिल्म ओ रोमियो के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा कि उनके निर्देशक दोस्त मजाक में कहते हैं, तुम्हें शाहिद कपूर के साथ 4 फिल्में करने के लिए 10वां राष्ट्रीय पुरस्कार

मिलना चाहिए। लेकिन विशाल ने जोर देकर कहा कि असल में शाहिद को उनके साथ काम करने के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए, क्योंकि वे खुद बहुत मुश्किल इंसान हैं। उन्होंने कहा, मैं बहुत कठिन आदमी हूं, शाहिद यह अच्छे से जानते हैं। वो मेरे गुस्से को भी समझते हैं।

कैसा है विशाल और शाहिद का रिश्ता?

विशाल ने माना कि दोनों के बीच रचनात्मक मतभेद और झगड़े होते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया है। उन्होंने कहा, हमारे बीच झगड़े होते हैं, लेकिन उतने नहीं जितने दिखाए जाते हैं। अब हमारा रिश्ता लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल या कल्याणजी-आनंदजी जैसा हो गया है, मतलब गहरा और मजबूत।

विशाल और शाहिद की साथ में फिल्में

शाहिद और विशाल ने कई शानदार फिल्मों में एक साथ काम किया है। दोनों ने साथ में 2009 में फिल्म कमीने में काम किया था। इसके बाद दोनों ने फिल्म हैदर और रंगून जैसी सफल फिल्में साथ की हैं। वहीं अब दोनों फिर से एक बार फिल्म ओ रोमियो लेकर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी ओ रोमियो?

ओ रोमियो फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर आधारित एक एक्शन-थ्रिलर है, जो असली घटनाओं से प्रेरित है। इसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं। बाकी कलाकारों में अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, फरीदा जलाल, दिशा पाटनी और विक्रांत मैसी हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। ओ रोमियो 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गुरुग्राम के स्कूलों को अमेरिकी आईपी एड्रेस से भेजा गया धमकी भरा ईमेल, 3 दिन पहले बनी थी आईडी

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बुधवार को 15 नामी स्कूलों को भेजी गई बम से उड़ाने की धमकी वाली ई-मेल अमेरिका के आईपी एड्रेस से आई थी। हालांकि, पुलिस और बम स्क्वॉड की जांच मे पुलिस की जांच में पुलिस को हॉक्स मेल (झूठी सूचना) पाई गई थी। गुरुग्राम पुलिस ने इस धमकी के मामले में जांच करते हुए बुधवार को साइबर थाना पूर्व में आतंकवादी संगठन के शामिल होने की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि गुरुग्राम के स्कूलों में बम होने की धमकी भरे ई-मेल अमेरिका के इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस (आईपी) से भेजी गई थी। मेल भेजने के लिए अमेरिका के सर्वर का इस्तेमाल हुआ था। जिस ईमेल से स्कूलों में बम होने की सूचना भेजी गई थी, वह ईमेल आईडी तीन दिन पहले ही बनाई गई थी। इसका खुलासा गूगल की तरफ से मिले जवाब में हुआ है।

खालिस्तानी एजेंडे का मेल में जिक्र- स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में खालिस्तानी एजेंडे का जिक्र करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री से राजनीतिक समर्थन की मांग की गई थी।

आईपी पते का हुआ इस्तेमाल- साइबर पुलिस की अब तक की जांच में सामने आया है कि ईमेल भेजने में आतंकवादी संगठनों ने इस बार सिर्फ आईपी पते का इस्तेमाल किया था। ईमेल भेजने के लिए जीमेल का ब्राउजर का इस्तेमाल हुआ था, जबकि इससे पहले भेजे गए धमकी भरे ईमेल में वीपीएन का इस्तेमाल होता था।

चंडीगढ़ और करनाल में भी एक ही मेल से भेजे मैसेज

गुरुग्राम पुलिस को गूगल से मिले जवाब में खुलासा हुआ कि आंतकवादी संगठनों से जुड़े लोगों ने गुरुग्राम में 15 स्कूलों के साथ-साथ करनाल के सात स्कूल और चंडीगढ़ के स्कूलों में एक ही मेल से मैसेज भेजा गया था। गुरुग्राम के स्कूलों में ई-मेल बुधवार सुबह छह बजकर 39 मिनट पर ई-मेल प्राप्त हुआ। मेल में भाषा बेहद डरावनी और भड़काऊ थी। मेल में स्पष्ट रूप से लिखा था कि दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर स्कूलों में सिलसिलेवार बम धमाके होंगे।

गूगल से जवाब मांगा

साइबर पुलिस ने गूगल को दोबारा नोटिस देकर जानकारी मांगी गई है। इसके बाद गुरुग्राम पुलिस गृह मंत्रालय और सीबीआई के माध्यम से इंटरपोल से संपर्क कर आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई करेगी।

मेल से मचा था हड़कंप- बुधवार सुबह शहर के 15 से अधिक नामी स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

इससे पुलिस और प्रशासन के साथ अभिभावकों और स्टाफ के बीच भी दहशत का माहौल पैदा हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

डॉग ट्रेनर ने क्लाइंट की बेटी से किया दुष्कर्म

गंदे फोटो और वीडियो बना करता था ब्लैकमेल

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला के घर पालतू कुत्ते को प्रशिक्षण देने वाले युवक ने कथित तौर पर उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने युवती के अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए और उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि युवती ने मिलने से मना किया तो आत्महत्या कर युवती और उसकी मां को जेल भिजवाने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कौशांबी थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला के पति की मौत हो चुकी है। कुछ समय पहले तक वह वह इसी क्षेत्र में दूसरे मकान में रहती थीं। परिवार में दो बेटियां और ससुर हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2024 में उन्होंने ग्रेटर नोएडा के रहने वाले मुकुल को अपने यहां पालतू कुत्ते को ट्रेनिंग देने के काम पर रखा था। वह सप्ताह में 3 दिन शाम के समय एक घंटे के लिए घर आता था। इसके चलते घर के सदस्यों से उसकी अच्छी जान-पहचान हो गई थी। आरोप है कि फरवरी 2025 में मुकुल ने उनकी अनुपस्थिति में मौका पाकर उनकी बेटी से दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। साथ ही बेटी को धमकी दी कि यदि इस बारे में किसी को बताया तो वह फोटो और वीडियो वायरल कर देगा। इसके बाद से ही वह युवती को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने लगा। कुछ समय पहले उन्होंने अपना घर बदल लिया, जिसके बाद आरोपी बार-बार युवती को होटल आने के लिए मजबूर करने लगा। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी मुकुल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी ने जुर्म कबूला

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। उसने बताया कि वह मूलरूप से कानपुर देहात के मंगलपुर थानाक्षेत्र का रहने वाला है। उसने कुत्तों को प्रशिक्षण देना सीखा था, जिसके बाद वह कई जगह पर यह काम करने लगा। इस दौरान उसने युवती से बात की और फिर जबरन शारीरिक संबंध बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी ने आत्महत्या कर फंसाने की धमकी देने की बात भी स्वीकार की है।

होटल में 2 लोगों ने नशीला पदार्थ पिला युवती से किया गैंगरेप, महिला सहित 3 पर एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। साइबर सिटी गुरुग्राम के एक होटल में एक युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर कथित तौर पर गैंगरेप करने और बाद में अश्लील वीडियो वायरल करने के नाम पर धमकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो युवकों और एक महिला के खिलाफ गैंगरेप, साजिश और धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में सुशांत लोक थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से गुरुग्राम की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि यह घटना 21 दिसंबर 2025 की है। दो युवक और एक महिला उसे बहलाकर सेक्टर-42 स्थित एक होटल में लेकर गए थे। वहां आरोपियों ने उसे कोई नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। बेहोशी की हालत में दोनों युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया और इस घिनौने कृत्य का अश्लील वीडियो भी बना लिया।

ब्लैकमेलिंग में पत्नी भी शामिल- पीड़िता का आरोप है कि वारदात के बाद होश में आने पर जब उसने आरोपियों का विरोध किया तो आरोपी युवक की पत्नी ने उसे चुप रहने के लिए धमकाया।

मुंबई में पुलिस बनकर ठगी

केन्याई महिला से 66 लाख लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी। मुंबई के दक्षिण इलाके में पुलिस बनकर ठगी करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। दो लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक केन्याई महिला से 66 लाख रुपये से ज्यादा की नकदी ठग ली। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी अभी फरार है। यह घटना 21 जनवरी को साउथ मुंबई के फोर्ट इलाके में एमजी रोड पर अलाना सेंटर बिल्डिंग के पास हुई। केन्या की नागरिक सुमय्या मोहम्मद अब्दी (26) टैक्सी से जा रही थीं। तभी दो लोग जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे उन्होंने उनकी टैक्सी रुकवाई। दोनों ने उनके सामान की जांच के बहाने उनके दो बैग जब्त कर लिए, जिनमें 66.45 लाख रुपये नकद थे। इसके बाद उन्होंने महिला से कहा कि उन्हें पुलिस स्टेशन चलना होगा और बाइक से वहां से निकल गए।

पुलिस की कार्रवाई

घटना के बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच के लिए माता रमाबाई आंबेडकर मार्ग पुलिस स्टेशन की एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने करीब 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आरोपी तक पहुंची।

आरोपी की गिरफ्तारी- पुलिस ने 48 वर्षीय आरोपी सुरेश रंगनाथ चव्हाण को ठाणे के आजाद नगर इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से 79.35 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, जो शिकायत में बताई गई रकम से ज्यादा हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि अतिरिक्त रकम किसी और अपराध से जुड़ी है या नहीं। इस वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। आरोपी के फरार साथी की तलाश जारी है।

सौतेले बाप ने 2 साल के मासूम को पटक कर मार डाला

पत्नी से बोला- सीढ़ियों से गिर गया; अरेस्ट

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपने दो साल के सौतेले बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में 36 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अदालत में पेश करने के बाद उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी ने वारदात के बाद पत्नी को गुमराह करने के लिए कहा कि बच्चा सीढ़ियों से गिर गया था।

बोला- बच्चों को पसंद नहीं करता था- पुलिस के अनुसार यह घटना 25 जनवरी को बल्लभगढ़ के सिकरी मोहल्ला इलाके में हुई। आरोपी की पहचान रणबीर सिंह के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिष्टा गांव का रहने वाला है और फिलहाल बल्लभगढ़ में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने नवंबर 2024 में एक महिला से शादी की थी, जिसके पहले विवाह से तीन बच्चे थे। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि वह बच्चों को पसंद नहीं करता था और उनसे छुटकारा पाने की योजना बना रहा था।

जमीन पर पटका, बताया सीढ़ियों से गिरा- घटना वाले दिन शाम के समय रणबीर सिंह दो साल के बच्चे को घर से कुछ दूरी पर ले गया और उसे जमीन पर जोर से पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह वापस घर आया और पत्नी से कहा कि बच्चा सीढ़ियों से गिर गया है। इस झूठे बयान के चलते परिवार को पहले लगा कि यह एक हादसा है।

दोबारा जांच हुई तो खुला मामला

घटना के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था, लेकिन उस समय कोई केस दर्ज नहीं किया गया। हालांकि, बाद में मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोबारा जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ, जिसके बाद आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में सच्चाई सामने आने के बाद सेक्टर-58 थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने आरोपी पिता को किया गिरफ्तार- फरीदाबाद पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया गया है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी ने बच्चों के खिलाफ पहले भी कोई हिंसक व्यवहार तो नहीं किया था।

कोलकाता अग्निकांड में शवों की डीएनए के जरिए पहचान की प्रक्रिया शुरू

बंगाल सरकार ने मुआवजे का किया एलान

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता के आनंदपुर के नाजिराबाद में मोमो बनाने की इकाई व दो गोदामों में 26 जनवरी को लगी आग में मारे गए लोगों की डीएनए के जरिए पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि क्षतिग्रस्त इमारतों से 17 और शव बरामद किए गए, इसी के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। पुलिस ने बताया कि 28 लोग अब भी लापता हैं जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। मालूम हो कि गोदामों में लगी आग पर दूसरे दिन काबू पाया जा सका था। बंगाल सरकार मृतकों को मुआवजे के तौर पर दस लाख रुपये देने की घोषणा कर चुकी है। साथ ही मोमो कंपनी की ओर से भी मुआवजा राशि देने की घोषणा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए 25 शवों की डीएनए के जरिए पहचान के लिए प्रक्रिया शुरू की गई है। कई शव बुरी तरह से झुलसे हुए हैं, ऐसे में पारंपरिक तरीकों से उनकी पहचान संभव नहीं है इसीलिए डीएनए जांच से प्रयास किया जा रहा है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार से पूछा, सात हजार महिलाओं को क्यों बंद की गई सहायता राशि

कोलकाता , एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल सरकार को अगले दो सप्ताह के अंदर रिपोर्ट जमा करके यह बताने को कहा है कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले के मयना इलाके की सात हजार महिलाएं लक्ष्मी भंडार योजना के लाभ से वंचित क्यों हो गई हैं। मामले पर आगामी 17 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। मालूम हो कि ये महिलाएं मयना इलाके के बाकचार ग्राम पंचायत इलाके की रहने वाली हैं। इस ग्राम पंचायत पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। मालूम हो कि लक्ष्मी भंडार योजना के तहत बंगाल सरकार की ओर से अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं को हर महीने 1200 व सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 1000 रुपये प्रदान किए जाते हैं। मामलाकारी महिलाओं का कहना है कि पिछले साल सितंबर से उन्हें लक्ष्मी भंडार के तहत राज्य सरकार से रुपये मिलना बंद हो गया है।

आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से ऐसा किया गया है। मुख्य न्यायमूर्ति सुजय पाल व न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को इसका कारण बताने को कहा है। खंडपीठ ने यह भी कहा है कि मामले पर सुनवाई के कारण योजना के तहत रुपये देना बंद न रखा जाए, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

शादी के दो महीने बाद प्रेमी के साथ भागी महिला, पति और बिचौलिए ने किया सुसाइड

बैंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में एक महिला के अपने प्रेमी के साथ भाग जाने के बाद पति ने आत्महत्या कर ली है। इस खबर के सामने आने के बाद इन दोनों की शादी कराने वाले शख्स ने भी आत्महत्या कर ली। पुलिस की कार्रवाई के बाद इस मामले में महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सरस्वती जेल में बंद है।

पत्नी के प्रेमी के साथ भागने पर पति ने किया सुसाइड- हरीश और सरस्वती की शादी महिला के चाचा रुद्रेश ने कराई थी। 23 जनवरी को सरस्वती यह कहकर घर से निकली कि वह मंदिर जा रही है। लेकिन जब वह वापस नहीं आई तो उसके माता-पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस जांच में पता चला कि सरस्वती अपने प्रेमी शिवकुमार के साथ भाग गई। पत्नी के भाग जाने की खबर सुनकर, 30 वर्षीय हरीश ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले हरीश ने सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन लोगों के नाम बताए, जो इसके लिए जिम्मेदार थे।

हरीश की मौत की खबर बर्दाश्त न कर पाने के कारण, उसके रिश्तेदार और सरस्वती के चाचा रुद्रेश ने भी आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में पता चला है कि शादी से पहले सरस्वती का अफेयर था और पति हरीश को इस बारे में पहले से जानकारी भी थी। हरीश ने ही अपने परिवार को सरस्वती से शादी करवाने के लिए मनाया था।

पुलिस ने शुरू की जांच

दावणगेरे की पुलिस सुपरिटेंडेंट उमा प्रशांत ने कहा, दावणगेरे रूरल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्ट/स्ज (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया, दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। इस संबंध में दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें दर्ज की गई हैं। जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि दोनों पुरुषों ने भावनात्मक परेशानी के कारण आत्महत्या की।

आरजी कर दुष्कर्म पीड़िता के परिवार का दावा, पार्टियों ने की चुनाव लड़ने की पेशकश

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में नौ अगस्त 2024 को दरिंदगी की शिकार महिला डाक्टर के माता-पिता ने कहा कि हमें चुनाव लड़ने की पेशकश की जा रही है, लेकिन हमें इंसाफ चाहिए। कई राजनीतिक पार्टियों ने विधानसभा चुनाव लड़ने की पेशकश की है। टीएमसी ने शुरू से ही हमें राजनीति में शामिल होने और पैसे की पेशकश की थी, लेकिन हम इस प्रस्ताव पर सहमत नहीं हुए। पीड़िता के पिता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि टीएमसी, माकपा और भाजपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियों ने हमें अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की पेशकश की है। हम पार्टी का साथ तभी देंगे, जब हमको इंसाफ मिलेगा। जो पार्टी हमें इंसाफ दिलाने का काम करेगी, हम उसमें शामिल हो सकते हैं। महिला डॉक्टर के पिता ने कहा कि उन्हें भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी की ओर से एक प्रस्ताव दिया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस ने की थी, जिसे बाद में सीबीआइ का समर्थन मिला। केंद्रीय एजेंसी ने भी यही निष्कर्ष निकाला कि अपराध का दोषी केवल पूर्व सिविक वालेंटियर संजय राय है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अवैध निर्माण पर चला चाबुक

100 से अधिक फ्लैटों वाले 8 रिहायशी टावर सील

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के ग्राम खेड़ा चौगानपुर में अवैध रूप से बने आठ रिहायशी टावरों को गुरुवार को सील कर दिया है। प्राधिकरण के मुताबिक, इनका नक्शा भी पास नहीं था। इस सोसाइटी में 100 से अधिक फ्लैट बनाए गए हैं। ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र में कॉलोनाइजर अवैध कॉलोनियां काट रहे हैं। इनमें फ्लैट और विला बनाए जा रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी ने अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को पुलिस बल की मौजूदगी में खेड़ा चौगानपुर गांव खसरा संख्या-109 के भूखंड पर बने 8 रिहायशी टावरों को सील किया। अधिकारी के मुताबिक, इनका नक्शा भी पास नहीं था। यह जमीन प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में है। यहां बिना अनुमति निर्माण किया गया था।

संपत्ति खरीदते वक्त सावधानी बरतें- एसीईओ ने चेतावनी दी कि अधिसूचित क्षेत्र में अनुमति के बिना या फिर बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। प्राधिकरण के एसीईओ ने लोगों ने अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन या फ्लैट खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से संपर्क कर जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आज होगी- यमुना विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक शुक्रवार को होगी। अफसरों ने शहर में होने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर लिए हैं। इस बार हाथरस, नए आगरा और हेरिटेज के मास्टर प्लान को मंजूरी मिलने

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 2 विकेट से हराया

टी-20 सीरीज पर कब्जा, क्विंटन डिकॉक ने 43 बॉल में जड़ा शतक

सुपरस्पोर्ट पार्क (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मैच में क्विंटन डिकॉक के तूफानी शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने 222 रन का टारगेट आसानी से हासिल कर लिया।

डिकॉक ने करीब तीन साल बाद घरेलू मैदान पर अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल खेलते हुए सिर्फ 43 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। साउथ अफ्रीका ने यह मैच 15 गेंद शेष रहते जीत लिया।

डिकॉक ने 115 रन की पारी में 10 छक्के जड़े -क्विंटन डिकॉक ने मैच की शुरुआत से ही कैरिबियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। उन्होंने अपनी 115 रनों की पारी में 49 गेंदें खेलीं, जिसमें 10 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। डिकॉक ने महज 21 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और अगले 22 गेंदों में उसे शतक में बदल दिया। पूरी पारी के दौरान उन्होंने सिर्फ 8 डॉट बॉल खेलीं।

मिडिल ओवर्स में केशव महाराज ने पलटा मैच - एक समय लग रहा था कि वेस्टइंडीज 250 के पार जाएगी, लेकिन केशव महाराज ने 15वें ओवर में रोवमैन पॉवेल और फिर शिमरॉन हेटमायर को आउट कर वेस्टइंडीज की रन गति रोक दी। 12वें से 16वें ओवर के बीच वेस्टइंडीज ने सिर्फ 27 रन बनाए और 3 विकेट खो दिए।

खराब फील्डिंग वेस्टइंडीज को भारी पड़ी - वेस्टइंडीज के गेंदबाज और फील्डर्स दबाव नहीं झेल पाए। जैडन सील्स ने शॉर्ट थर्ड मैन पर रायन रिकेल्टन का आसान कैच छोड़ दिया, जब वे सिर्फ 17 रन पर थे।

- **रिकल्टन के साथ 162 रनों की पार्टनरशिप** - डिकॉक को दूसरे विकेट के लिए रायन रिकेल्टन का भरपूर साथ मिला। दोनों ने मिलकर महज 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए रिकेल्टन ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेलते हुए 25 गेंदों में अर्धशतक जमाया। वे 77 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैदान पर यह पांचवीं बार है जब किसी टीम ने 200 से ज्यादा का टारगेट सफलतापूर्वक चेज किया है।डिकॉक और रायन रिकेल्टन के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी हुई।
- **किंग-हेटमायर के बीच 115 रन की साझेदारी** - पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही थी। ब्रैंडन किंग (11 गेंदों में 27 रन) और शिमरॉन हेटमायर ने मिलकर पहले 10 ओवर में टीम का स्कोर 115 रन तक पहुंचा दिया था। आखिरी ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 24 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसकी मदद से वेस्टइंडीज ने 221 रनों का स्कोर खड़ा किया। कैरेबियाई टीम ने आखिरी 5 ओवरों में 76 रन जोड़े।

कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट 6 घंटे बंद रहा

सर्च करने पर लिखा आ रहा था- प्रोफाइल उपलब्ध नहीं, फैंस अनुष्का से वजह पूछ रहे थे

बंगलूर (एजेंसी)। विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट गुरुवार रात अचानक बंद हो गया था, जो करीब 6 घंटे बाद फिर से दिखाई देने लगा है। इस दौरान सर्च करने पर उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही थी और डायरेक्ट लिंक से भी अकाउंट नहीं खुल रहा था।

गुरुवार रात करीब 2 बजे विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट ठीक किस समय बंद हुआ था।

कोहली के अकाउंट को खोलने पर स्क्रीन पर लिखा आ रहा था- यह पेज उपलब्ध नहीं है। उनके इंस्टाग्राम पर 274 मिलियन (27 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

विराट कोहली का अकाउंट गायब होने के बाद फैंस उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पोस्ट पर कमेंट कर के वजह पूछ रहे थे।

इस मामले में अब तक विराट, उनकी मैनेजमेंट टीम या इंस्टाग्राम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट को जानबूझकर डीएक्टिवेट किया था या कोई तकनीकी गड़बड़ी थी।

हाल के दिनों में कोहली की सोशल मीडिया गतिविधियां भी सीमित रही हैं। उन्होंने पहले कई प्रमोशनल पोस्ट हटाकर क्रिकेट और परिवार को प्राथमिकता देने के संकेत दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोहली एक प्रमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट के करीब 12 से 14 करोड़ रुपए तक चार्ज करते हैं।

आस्ट्रेलियाई ओपन में दोहराया गया इतिहास

- किसी कपल ने 37 साल बाद लगातार दूसरे साल जीता खिताब
- डबल्स खिताब जीतने वाली गादेकी और पीयर्स 62 साल में पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी बन गए

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में ओलिविया गादेकी और जॉन पीयर्स की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने इतिहास रच दिया है। इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना मलादेनोविक और मैनुएल गिनार्ड की जोड़ी को हराकर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में लगातार दूसरी बार ये खिताब जीतने वाली 37 साल में पहली जोड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं किसी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने का कारनामा 62 साल बाद किया है। इस जोड़ी ने फाइनल में फ्रांसीसी जोड़ी को पहला सेट हारने के बाद कड़े संघर्ष के बीच 4-6, 6-3 और 10-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया है।

1989 में हुआ था आखिरी बार ऐसा- ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में आखिरी बार 1989 में ऐसा हुआ था, जब कोई जोड़ी अपने मिक्स्ड डबल्स खिताब का बचाव करने में सफल रही थी। तब यह रिकॉर्ड याना नोवोत्ना और जिम पुघ की जोड़ी ने बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार दो साल ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स खिताब जीतने वाली जोड़ी मार्ग्रेट कोर्ट और केन फ्लेचर की थी, जिन्होंने 62 साल पहले ऐसा किया था।

पहला सेट जीतकर फ्रांसीसी जोड़ी ने बना ली थी पकड़- फ्रांसीसी जोड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बना ली थी। उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ बनाने का संकेत दिया था, लेकिन अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार वापसी कर ली।

टाईब्रेकर में भी पिछड़ रही थी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी

रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में टाईब्रेकर के दौरान भी स्टैंड्स में बैठे ऑस्ट्रेलियाई दर्शक तब मायूस दिख रहे थे, जब गादेकी और पीयर्स की स्थानीय जोड़ी 5-7 से पिछड़ गई थी। मैच पूरी तरह फ्रांसीसी जोड़ी के कब्जे में दिख रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए पलटवार किया और टाईब्रेकर को 10-8 से अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जैसे ही जीत हासिल की, पूरे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी के साथ इस जोड़ी का नाम इतिहास के पन्ने पर लिखा जा चुका था।

न्यूजीलैंड के साथ आखिरी टी20 आज

मैच के लिए तिरुवनंतपुरम में पहुंची भारतीय टीम

- संजू की फॉर्म पर सुरेश रैना का साफ मैसेज, वर्ल्ड कप में बताई जीत की कुंजी

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय क्रिकेट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज और वर्ल्ड कप विजेता सुरेश रैना ने टीम इंडिया के संभावित कॉम्बिनेशन पर खुलकर अपनी राय रखी है। खास तौर पर उन्होंने संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। रैना का मानना है कि खराब आंकड़ों के बावजूद सैमसन जैसे खिलाड़ी को लगातार मौके देना भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सूर्यकुमार यादव से की तुलना- वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग के दौरान मीडिया से बातचीत में रैना ने सैमसन की स्थिति की तुलना सीधे सूर्यकुमार यादव से की। उनके अनुसार, लगभग एक साल तक सूर्या रन नहीं बना पाए थे, लेकिन टीम ने उन्हें लगातार मौके दिए। वही भरोसा अगर संजू को मिला, तो वह भी मैच विनर बनकर उभर सकते हैं। रैना का

- **टॉप-4 को बताया भारत का 'इंजन रूम'**- सुरेश रैना के एनालिसिस का सबसे अहम हिस्सा भारत का टॉप-4 बल्लेबाज़ी क्रम रहा। उन्होंने कहा कि यही चार बल्लेबाज़ तय करेंगे कि टीम 170 पर रुकेगी या 210 के पार जाएगी। रैना के मुताबिक, टॉप-4 का काम सिर्फ टिककर खेलना नहीं, बल्कि शुरुआती बढ़त को बड़े स्कोर में बदलना है।
- **अभिषेक शर्मा-ईशान किशन की जोड़ी से उम्मीद-** रैना ने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने उनकी निडर बल्लेबाज़ी को भारत के लिए बड़ा हथियार बताया। उनका कहना है कि यह जोड़ी पहले 10 ओवर में ही 140-150 रन बनाने या चेज़ करने की क्षमता रखती है। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन गेंदबाज़ों पर अतिरिक्त दबाव बनाता है।

संजू सैमसन पर रैना का साफ संदेश

सुरेश रैना ने साफ कहा कि संजू सैमसन की हालिया फॉर्म पर जरूरत से ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। जनवरी 2025 के बाद से उनका औसत भले ही 20 से नीचे रहा हो, लेकिन रैना के मुताबिक क्लास कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी कि सैमसन के साथ वही धैर्य दिखाया जाए, जो एक समय सूर्यकुमार यादव के मामले में दिखाया गया था। रैना ने कहा कि जब सूर्या रन नहीं बना पा रहे थे, तब भी कप्तान और कोच ने उन पर भरोसा बनाए रखा, और नतीजा सबके सामने है।

- **सूर्यकुमार यादव बने संजू सैमसन के 'बॉडीगार्ड'**- एयरपोर्ट पर रास्ता कराया खाली ; वायरल हो रहा भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेलना है। ये मैच संजू सैमसन के घरेलू राज्य में है। संजू की लोकप्रियता पूरे भारत में कम नहीं है और अपने राज्य में तो वह और ज्यादा ही फेमस हैं। इसी को लेकर सूर्यकुमार यादव ने एयरपोर्ट पर उनके मजे ले लिए। संजू जब टीम से बाहर होते हैं तो उनके फैंस सोशल मीडिया पर बवाल काट देते हैं। उनके बाहर जाने के बाद फैंस सेलेक्शन कमेटी से लेकर कप्तान और कोच को भी आड़े हाथों ले लेते हैं। उनकी दीवानगी तिरुवनंतपुरम में भी देखने को मिली।
- **सूर्यकुमार यादव ने लिए मजे**- पांचवें मैच के लिए भारतीय टीम तिरुवनंतपुरम पहुंच चुकी है। टीम जब फ्लाइट से उतरी और एयरपोर्ट से बाहर आ रही थी तो सूर्यकुमार और संजू साथ में ही थे। सूर्यकुमार ने यहीं से संजू के मजे लेने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, 'साइड में हटो, साइड में हटो। प्लीज रास्ता बनाओ। चेट्टा को डिस्टर्ब मत करो।' फिर जब संजू एस्केलेटर से उतर रहे थे तब सूर्यकुमार ने पूछा, 'भगवान के देश में लैंड किया है।'

पाकिस्तान अब टी-20 वर्ल्डकप का बायकॉट नहीं करेगा

टीम 2 फरवरी को कोलंबो पहुंचेगी, बांग्लादेश के सपोर्ट में टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब टी-20 वर्ल्ड कप का बायकॉट नहीं करेगी। मीडिया सूत्रों ने पीसीबी के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तानी टीम का शेड्यूल तय हो चुका है। टीम 2 फरवरी को कोलंबो रवाना होगी। इसके साथ ही पाकिस्तान के वर्ल्ड कप से हटने या भारत से ना खेलने के कयासों पर लगभग विराम लग गया है। उम्मीद है कि पीसीबी शुक्रवार को अपने खेलने की पुष्टि कर देगा।

पाकिस्तान वर्ल्ड कप से क्यों नहीं हट सकता है?

- पीसीबी ने भारत में ना खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं पर पूरा समर्थन जताया है। लेकिन वह ऐसा एक दायरे में रहकर ही करना चाहता है ताकि आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) उस पर कोई कार्रवाई भी ना करे।
- बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता है। इसके तहत 2027 तक आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। पीसीबी इस समझौते को नहीं तोड़ सकता है।
- पाकिस्तान का पूरा वर्ल्ड कप शेड्यूल श्रीलंका में है। यहां तक कि अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। ऐसे में वह टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किस आधार पर करेगा?

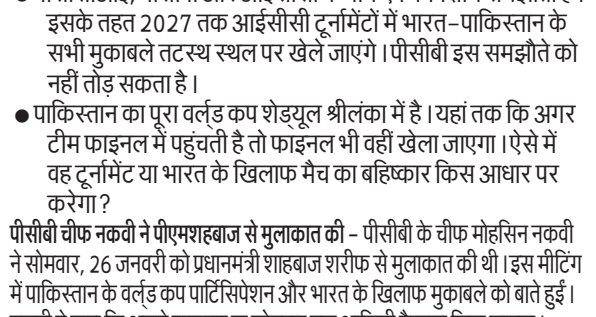

पीसीबी चीफ नकवी ने पीएमशहबाज से मुलाकात की - पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार, 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को बाते हुईं। नकवी ने कहा कि अगले शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। मीडिया सूत्र ने बताया कि जब पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, तो उन्होंने साफ किया कि सभी फैसले पाकिस्तान क्रिकेट के स्थिर और मजबूत भविष्य को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे।

पीटी उषा के पति श्रीनिवासन का निधन

- **एथलीट से सांसद बनने तक के सफर में साथ रहे, उषा के पिलर ऑफ सपोर्ट कहे जाते थे**

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने घर पर अचानक गिर पड़े थे। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम मोदी ने पीटी उषा से फोन पर की बात - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद खबर के बाद पीटी उषा से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीएमओ के अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। श्रीनिवासन केंद्र सरकार के कर्मचारी थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय पीटी उषा के खेल और राजनीतिक सफर को संवारने में लगाया।

पीटी उषा के करियर के पिलर ऑफ सपोर्ट थे - श्रीनिवासन को खेल जगत में पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट' के रूप में जाना जाता था। उषा के एक एथलीट के रूप में शानदार करियर से लेकर आईओए अध्यक्ष बनने और राज्यसभा सांसद के रूप में उनके राजनीतिक सफर तक, श्रीनिवासन हर कदम पर उनके साथ रहे। वे अक्सर महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में उषा के साथ देखे जाते थे। खेल जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उषा की कई व्यावसायिक और पेशेवर उपलब्धियों के पीछे श्रीनिवासन की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ था।

5 बल्लेबाज जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में ठोके हैं सबसे तेज शतक

क्रिस गेल के नाम ही है दो तेज शतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप को शुरू होने में कुछ ही समय बाकी है। इस साल टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेविस हेड और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी इस साल वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ पारियां खेल सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि इस टूर्नामेंट कके इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले 5 बल्लेबाज कौन से हैं? खास बात यह है कि इस लिस्ट में दो बार क्रिस गेल का ही नाम है।

- **क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 47 गेंद**- टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने 2016 के वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मात्र 47 गेंदों पर शतक जड़ा था। इस पारी में उन्होंने 11 छक्के लगाकर इंग्लिश गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी थीं।
- **क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 50 गेंद**- दिलचस्प बात यह है कि दूसरा सबसे तेज शतक भी क्रिस गेल के ही नाम है। उन्होंने 2007 के पहले टी20 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 50 गेंदों में शतक पूरा किया था। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला शतक भी था।

ब्रेंडन मैकुलम (न्यूजीलैंड) - 51 गेंद न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम अपनी आक्रामक शैली के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 2012 के वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ पल्लेकेले में मात्र 51 गेंदों पर शानदार शतक जड़ा था। उनकी 123 रनों की वह पारी लंबे समय तक टूर्नामेंट का हाईएस्ट स्कोर रही थी।

- **रिली रोसौव (दक्षिण अफ्रीका) - 52 गेंद**-दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसौव ने 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ सिडनी में कहर बरपाया था। उन्होंने केवल 52 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। रोसौव टी20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज भी बने।
- **अहमद शहजाद (पाकिस्तान) - 58 गेंद**-पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद ने 2014 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया था। उन्होंने 58 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। वह पाकिस्तान की ओर से टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने थे।

न्यूज बाइट्स

शिकारीपाड़ा महाविद्यालय में एन एस एस यूनिट 02 ने मनाया शहीद दिवस

शिकारीपाड़ा (गोड्डा) (नि. सं.)। शुक्रवार को महाविद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य सिकंदर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सभी सम्मानित महाविद्यालय कर्मी शहीद दिवस मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। महाविद्यालय के एन एस एस यूनिट 02 प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अनुराधा जायसवाल की देखरेख में शहीद दिवस के अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर डॉ. अनुराधा ने बतलाया कि यह दिन उन वीर सपूतों को याद दिलाता है जिनके त्याग ,संघर्ष एवं बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र देश में सांस ले रहे हैं।आज आवश्कता है ,उन वीर शहीदों द्वारा स्थापित आदर्श को आत्मसात करने का।यह केवल शब्दों से नहीं हो सकता बल्कि उन सपूतों द्वारा बताए मार्ग पर निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ चलने से।इस मौके पर प्राचार्य की अध्यक्षता में सभी कर्मियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर वीर बलिदानी के प्रति सम्मान, कृतज्ञता प्रगट किया गया तथा उनके बलिदान को याद किया गया।इस अवसर पर एन एस एस के वॉलंटियर के साथ साथ छात्र- छात्रा उपस्थित थे।

किशोरी समूह के पियर लीडरों ने प्रखंड के विभिन्न विभागों और थाना का किया भ्रमण

गोड्डा (नि. सं.)। स्वंय सेवी संस्था साथी और ए०पी०पी० आई० के सहयोग से सुदूरवर्ती प्रखंड सुन्दरपहाड़ी के तिलाबाद, करमाटांड और कुसमाहा पंचायत के किशोरी समूह के पियर लीडरो ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलकर किशोरियों के विकास और सुरक्षा सम्बंधित योजनाओं की जानकारी हासिल किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी मोनिका बास्की ने किशोरियों की हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अभी प्रतियोगिता का दौर है। कड़ी मेहनत की जरुरत है। कहा कि आपलोग पढ़ाई पर फोकस करें, अपनी पढ़ाई को पूरा करें और आपने सपनो को साकार करें।इन्होने बाल सुरक्षा के बारे में भी बताया और किशोरयों से बाल सुरक्षा के हेल्पलाइन नंबर कि जानकारी ली। इन्होने किशोरियों के छात्रवृति योजना, साईकिल योजना के बारे में बताया इन्होने किशोरियों से पूछा की आपलोग छात्रवृति के लिए आवेदन करे और सभी कागजात साथ मे भेजे। अंचलधिकारी प्रकाश बेसरा ने किशोरियों से कहा कि साथी का सराहनीय प्रयास है कि सुदूरवर्ती क्षेत्र के किशोरियों को संगठित कर उसके हौसले को बढ़ा रहा है और किशोरियों को आगे लाने में दिशा दे रहा है। इन्होने कहा कि किशोरियां आपने माता पिता को भी जागरूक करें और बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल मजदूरी और बाल यौन हिंसा जैसे कुरीति के प्रति जागरूक करें और समाज से इसे दूर भगाये। विभाग के अन्य योजनाओं के बारे में भी बताया. इसके बाद किशोरी काफी खुश हुई। सुन्दरपहाड़ी थाना प्रभारी विधान चंद्र पटेल ने किशोरियों के सुरक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि आपलोगो को कभी भी किसी तरह कि परेशानी हो तो थाना से सम्पर्क कर सकते है पुलिस प्रशाशन हर समय आपके सेवा में तत्पर रहती है। इन्होने विवाह से होने वाले खतरे, गुड टच बेड टच, चाइल्डलाइन टोल फ्री नंबर, यदि किशोरियों के साथ कोई अनहोनी, छेड़ छाड़ होने पर उसके बचाव के उपाय को बताया, साथी संस्था के प्रखंड समन्वयक सुबोध कुमार ने बताया कि साथी संस्था किशोरियों के आत्मविश्वास बढ़ाने और उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रखंड एवं जिला कार्यालय में ले जाकर पदाधिकारियों से रू ब रू कराया जा रहा है ताकि उन्हें यह पता चले कि मै भी सक्षम हो कर कोई पदाधिकारी बन सकती हूँ। किशोरियों के लिए यह पहला मौका है कि गाँव से बाहर आयी है। भ्रमण के बाद किशोरियों ने कहा कि प्रखंड मुख्यालय आने के बाद एक अलग अनुभूति का एहसास हो रहा है। दर्जनों पियर लीडर एवं साथी की टीम मौजूद थीं।

राजकीय मेला परिसर में विधि जगरूकता शिविर आयोजित

गोड्डा (नि. सं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर राजकीय मेला परिसर में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित कर आम लोगों को कानून की जानकारी दी गई। इस दौरान कानून से संबंधित बुकलेट का वितरण किया गया। पथरगामा प्रखंड कृषि पदाधिकारी पवन कुमार कापरी ने कहा कि सभी को कानून की जानकारी रखना आवश्यक है। इससे समाज में शांति की स्थापना हो सकती है। सिविल कोर्ट और डालसा की ओर से उठाया गया यह सरहनीय कदम है। इस दौरान डालसा की ओर से गठित टीम के सदस्यों ने ग्रामीणों को जागरुकता का पाठ पढ़ाया। डालसा टीम में शामिल अधिकार मित्र नवीन कुमार, अजय टूडू, मो हसीब के अलावा ब्रह्मा प्रजापति ईश्वरीय विश्वविद्यालय जिला एके की प्रभारी बीके पूनम, शब्बीर कुमार खलको, कुमार अनुराग, अनुज झा आदि ने नशा उन्मूलन को लेकर नालसा स्कीम नशीली दवाओं के दुरुपयोग सहित अन्य कानूनी बातों की जानकारी दी। बताया कि हमारे देश में नशा करने वाले की संख्या बढ़ती जा रही है तथा नशा करना अपनी शान समझते हैं। नशा का सेवन करने से इसका दुष्परिणाम अपराधिक घटनाएं. खतरनाक बीमारियां. परिवार में तनाव, वाद विवाद, घरेलू हिंसा आर्थिक तंगी होती है। बच्चों का सही से भरण-पोषण तथा शिक्षित नहीं कर पाना मुश्किल हो जाता है। परिवार में बिखराव का डर, खतरनाक बीमारियों के इलाज करने की समस्या बन जाती है। इस प्रकार जिंदगी नरक बन जाती है। नशे करने करने वाला व्यक्ति चाह कर भी नशा छोड़ पाना मुश्किल हो जाता है और धीरे-धीरे इनकी मजबूरी हो जाती है। नशा सिर्फ शराब नहीं बल्कि ड्रग्स, गांजा, दारू, डेंड्राइड, नशीली मेडिसिन, तंबाकू, खैनी, गुटखा आदि अन्य चीजें हैं। इसका सेवन करने से गंभीर परिणाम होते हैं।

महात्मा गांधी अतीत की कहानी नहीं बल्कि भविष्य का रास्ता है : उपायुक्त

पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी को पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

सभी वरीय अधिकारियों ने उनकी स्मृति में रखा दो मिनट का मौन

निज संवाददाता | गोड्डा

संपूर्ण विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अंजली यादव, उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, जिला नजारत उपसमाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पूर्णेन्दु, जिला कोषागार पदाधिकारी विजय मिश्रा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी फैजान सरवर, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिला टुडू, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान सभागार का वातावरण पूरी तरह शांत और गरिमामय रहा। उपस्थित पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी के जीवन, उनके संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। इस दौरान उपायुक्त अंजली यादव ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही उनके प्रति वास्तविक सम्मान होगा। उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी अतीत की कोई कहानी नहीं, बल्कि वे आज और आने वाले भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक हैं।

उनके विचार आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जब समाज में आपसी सौहार्द, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता बढ़ गई है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में सत्य और ईमानदारी को अपनाने, अहिंसा और प्रेम की भावना को मजबूत करने तथा स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा को प्राथमिकता देने की अपील की।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि गांधी के आदर्शों को व्यवहार में उतारकर ही एक सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी के विचारों को अपने कार्य और आचरण में अपनाने का संकल्प लिया।

माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा को लेकर समीक्षा बैठक

निज संवाददाता | गोड्डा

झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के सफल, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर शुक्रवार को तिलका माँझी कृषि महाविद्यालय, धर्मुडीह, पांडुबथान में उपायुक्त अंजली यादव एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा परीक्षा संचालन से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि परीक्षा की पवित्रता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी परीक्षा केंद्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि—सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के आसपास बीएनएसएस 163 के प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन कराया जाए। प्रश्न पत्रों के सुरक्षित भंडारण वितरण एवं उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन की समुचित व्यवस्था की जाए। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय एवं प्रकाश की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाए। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने परिवहन, विधि-व्यवस्था, बिजली आपूर्ति एवं संचार व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा के दौरान कदाचार में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों एवं पुलिस बल को संबोधित करते हुए परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण, परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन, असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी तथा परीक्षा अवधि में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

हिजला मेला में ओल चिकी लिपि को स्थान देने की उठी आवाज, संगठनों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

निज संवाददाता | दुमका

राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव–2026 की तैयारियों के बीच संताली भाषा और उसकी पारंपरिक ओल चिकी लिपि को लेकर मांग तेज हो गई है। दुमका के विभिन्न सामाजिक एवं आदिवासी संगठनों ने मेले से जुड़ी प्रचार सामग्रियों में ओल चिकी लिपि को शामिल करने की मांग करते हुए उपायुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी को संयुक्त ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से संगठनों ने कहा कि हिजला मेला संताल समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का प्रतीक है। संताली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान प्राप्त है और दुमका सहित संताल परगना क्षेत्र में बड़ी आबादी संताली भाषी है। ऐसे में बैनर, पोस्टर, स्मारिका और आमंत्रण पत्रों में ओल चिकी लिपि का प्रयोग करना न केवल स्थानीय जनभावनाओं का सम्मान होगा, बल्कि संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप भी होगा।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि मातृभाषा और अपनी लिपि में सूचनाएं उपलब्ध होने से सरकारी संदेश और योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इससे लोगों में मेले के प्रति अपनापन बढ़ेगा और सांस्कृतिक जुड़ाव और मजबूत होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिवनाथ बेसरा, गोविंद मुर्मू, जोसेफ मुर्मू और परेश मुर्मू समेत कई आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सभी ने एक स्वर में कहा कि इस पहल से संताली भाषा और ओल चिकी लिपि के संरक्षण और संवर्धन को नई दिशा मिलेगी।

नगर निकाय चुनावः अध्यक्ष पद के लिए सागर सोरेन ने नामांकन पत्र खरीदा, समर्थकों में दिखा उत्साह

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय परिसर में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सागर सोरेन ने पहुंचकर विधिवत नामांकन पत्र प्राप्त किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें खासा उत्साह देखने को मिला। नामांकन पत्र लेने के बाद परिसर में सागर सोरेन के समर्थन में नारे भी लगाए गए।

मीडिया से बातचीत में सागर सोरेन ने कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि अगर जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया तो नगर पंचायत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। उनकी प्राथमिकताओं में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करना, जर्जर सड़कों का निर्माण, पेयजल की समस्या का समाधान, नियमित बिजली आपूर्ति और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना शामिल है।

उन्होंने आगे कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र लंबे समय से विकास की राह देख रहा है। जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए वे पारदर्शी प्रशासन और ईमानदार कार्यशैली के साथ काम करेंगे। साथ ही आम लोगों की भागीदारी से नगर के समग्र विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान अनुमंडल कार्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की ओर से पूरे परिसर में पुलिस बल की तैनाती रही ताकि प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार का नगर पंचायत चुनाव काफी रोचक होने वाला है।

नगर निकाय चुनाव की रफ्तार तेज

दुमका और बासुकीनाथ में अध्यक्ष पद के लिए दावेदारों की लंबी कतार

निज संवाददाता | दुमका

नगर पालिका आम निर्वाचन–2026 के तहत जिले के नगर परिषद दुमका और नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र में नाम निर्देशन की प्रक्रिया गुरुवार, 29 जनवरी 2026 से विधिवत शुरू हो गई।

नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन ही दोनों निकाय क्षेत्रों में चुनावी हलचल देखने को मिली, जिससे स्थानीय राजनीति मेंता बढ़ गई। नगर पंचायत बासुकीनाथ में अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रमुख अभ्यर्थियों ने नाजिर रसीद कटवाकर नामांकन पत्र खरीदे। इनमें मनोरमा देवी, बनलता देवी और वीणा देवी के नाम शामिल हैं। इन उम्मीदवारों की सक्रियता और प्रचार अभियान ने पहले दिन ही चुनावी माहौल को गरम कर दिया। वहीं, नगर परिषद दुमका क्षेत्र में अध्यक्ष पद के लिए कुल नौ अभ्यर्थियों ने नाजिर रसीद कटवाकर नामांकन पत्र क्रय किया। इन अभ्यर्थियों में विवेक भारती, सतीश कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह, प्रमोद प्रसाद, अंकित कुमार, मनोज कुमार रजक, उदय कुमार सिंह, सुमित कुमार और रवि शंकर मंडल शामिल हैं। चुनावी प्रक्रिया के शुरू होते ही दोनों निकाय क्षेत्रों में राजनीतिक दलों और समर्थक समूहों की सक्रियता बढ़ गई। विभिन्न दलों और उम्मीदवारों ने प्रचार-प्रसार के साथ जनता से संपर्क करना शुरू कर दिया। उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी ताकत और जनसंपर्क के माध्यम से मतदाताओं के बीच अपनी पहचान बनाने का प्रयास तेज कर दिया है।

विश्लेषकों का कहना है कि नामांकन प्रक्रिया के पहले ही दिन देखने को मिली यह सक्रियता आगामी दिनों में और बढ़ सकती है। जैसे-जैसे अंतिम तिथि नजदीक आएगी, और अधिक दावेदार मैदान में उतरेंगे। इससे न केवल चुनावी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि राजनीतिक माहौल में भी बदलाव देखने को मिलेगा।

इग्नू जनवरी सत्र 2026 नामांकन को लेकर अध्ययन केंद्र 3604 की प्रमोशनल बैठक

छात्रों को मिली पाठ्यक्रमों व अवसरों की विस्तृत जानकारी

निज संवाददाता | दुमका

संताल परगना महाविद्यालय दुमका में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र 3604 द्वारा जनवरी सत्र 2026 में नामांकन को लेकर एक प्रमोशनल बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक एस.पी. कॉलेज दुमका के बीएड विभाग, आदिवासी महिला कल्याण छात्रावास तथा एससी, एसटी एवं अल्पसंख्यक छात्रावासों में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र देवघर के क्षेत्रीय निदेशक अरविंद मनोज कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अध्ययन केंद्र की समन्वयक पूनम बिंझा द्वारा क्षेत्रीय निदेशक के स्वागत एवं अभिवादन के साथ की गई। उन्होंने बैठक में उपस्थित शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को इग्नू प्रमोशन कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराते हुए कहा कि इग्नू दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिससे देश के हर वर्ग के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

इसके बाद क्षेत्रीय निदेशक अरविंद मनोज कुमार सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है, जहां वर्तमान में 30 लाख से अधिक शिक्षार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने इग्नू में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, उनकी पात्रता, अवधि और नामांकन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इग्नू में रोजगारोन्मुख स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, जो छात्रों को करियर के बेहतर अवसर प्रदान करती है। क्षेत्रीय निदेशक ने इग्नू की लचीली शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यूजीसी के प्रावधानों के अनुसार छात्र एक साथ दो पाठ्यक्रम कर सकते हैं। नियमित पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र इग्नू से विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में नामांकन लेकर अपने कौशल और योग्यता को और मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि एससी और एसटी वर्ग के छात्रों को बीए, बीएससी और बीकॉम के सामान्य पाठ्यक्रमों में 50 प्रतिशत शुल्क में छूट दी जाती है, जिससे वंचित वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने में मदद मिलती है। उन्होंने छात्रों को यह जानकारी भी दी कि इग्नू में शिक्षार्थी अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन केंद्र और परीक्षा केंद्र का चयन कर सकते हैं। साथ ही समय-समय पर परामर्श कक्षाओं, अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से छात्रों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया जाता है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कुष्ठ रोग उन्मूलन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

निज संवाददाता | गोड्डा

तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, धर्मुडीह, पांडुबथान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जिले में कुष्ठ रोग उन्मूलन को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें उपायुक्त अंजली यादव ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और आमजनों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक होने और समाज में रोगियों के साथ भेदभाव समाप्त करने की शपथ दिलाई। उपायुक्त ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान कहा कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से उपचार योग्य है। समय पर जांच और उपचार से यह रोग पूर्णतः ठीक किया जा सकता है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि बापू ने कुष्ठ रोगियों की सेवा को मानवता की सर्वोच्च सेवा माना था। आज उनकी पुण्यतिथि पर हमारी जिम्मेदारी बनती है कि समाज में कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों और भेदभाव को समाप्त किया जाए।

शपथ के माध्यम से सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता फैलाएंगे, रोगियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करेंगे और संदिग्ध लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच और उपचार के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन, केंद्र अधीक्षक, दंडाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिले में कुष्ठ रोग को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। सभी विभागों को मिलकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कैंप, स्वास्थ्य शिविर और जानकारी अभियान के माध्यम से लोगों तक संदेश पहुंचाना होगा।

सेंट थॉमस स्कूल के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों को लेकर पुलिस ने किया जागरूक

निज संवाददाता | मेहरमा(गोड्डा)

प्रखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंट थॉमस विद्यालय, धमड़ी में थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को डायल 112 सेवा, यातायात नियमों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 पर कॉल कर तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बच्चों को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा नाबालिग अवस्था में वाहन न चलाने की सलाह दी।

इसके अलावा साइबर अपराध से बचाव, अजनबियों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय प्रशासन ने इस जागरूकता कार्यक्रम के लिए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वे स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम बनते हैं।

दुमकाः बाल यौन शोषण के विरुद्ध न्याय की हुंकार, पोक्सो एक्ट पर महामंथन

निज संवाददाता | दुमका

मासूमों की सुरक्षा और न्याय प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्थानीय न्याय सदन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। झालसा (रांची) के दिशा-निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सुधांशु कुमार शशि के आदेश पर 'पॉक्सो एक्ट' को लेकर एक दिवसीय 'डिस्ट्रिक्ट लेवल मल्टी स्टेक होल्डर कंसल्टेशन' का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पीडीजे सुधांशु कुमार शशि, जिला जज प्रथम प्रकाश झा, द्वितीय योगेश कुमार सिंह, तृतीय राजेश कुमार सिन्हा और डालसा सचिव उत्तम सागर राणा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला का मुख्य एजेंडा बाल यौन अपराधों के मामलों में पीड़िता को त्वरित और सटीक न्याय दिलाना था। न्यायिक अधिकारियों ने बताया कि पोक्सो एक्ट 2012 के तहत न केवल अपराधों के खिलाफ कड़े प्रावधान हैं, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सरकारी मुआवजे की भी पुख्ता व्यवस्था है। वक्ताओं ने जोर दिया कि पुलिस और जांच एजेंसियों को केस फ्रेमिंग के दौरान सूक्ष्म बारीकियों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सकें।

खुले सत्र के दौरान पुलिस प्रतिनिधियों और हितधारकों ने कानून के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को साझा किया। न्यायिक अधिकारियों ने जांच प्रक्रिया और कार्यप्रणाली से जुड़े संशय दूर किए, ताकि पुलिस, सीडब्ल्यूसी और न्यायालय के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। इस कार्यशाला में दुमका न्यायालय के सभी न्यायिक दंडाधिकारी, विभिन्न थानों के प्रतिनिधि, बाल कल्याण समिति के अधिकारी, ग्राम ज्योति के सदस्य, संप्रेषण गृह के गृहपति और एलएडीसी की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक एलएडीसी अंकित कुमार सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डालसा सचिव उत्तम सागर राणा द्वारा दिया गया।